

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

डीवृत्ति॥ ॥पदानादीर्घाद्या॥लक्ष्मीकाया॥ ॥श्रद्धाद्वाप्तिर्य॥श्रद्धादयतिमाप्तिदत्॥ ॥पूसा३
 वयनखयसीयागमकस्यलोपान॥यूक्ताकिल४यस्य५श्रवयनकिं॥यूक्तीन॥खयकिं।यूदास४॥ ॥
 रव्यानीव॥यूसख्यानं।यूख्यानं॥ ॥मानस्त्रात्र४॥मकात्रस्यानूस्त्राग्रोरुवतिरुसयदाने॥तीरुसः
 निपद्वृत्ति॥ ॥नस्यापदानमस॥नस्यमस्यवापदानमवर्तमानस्यानूस्त्राग्रोरुवतिमस
 रुकात्रययन॥य४भसि।यूत्यांस्वनश्रीदि॥ ॥यमायप्रस्य॥अपदानमवर्तमानस्यानूस्त्रात्रस्य
 यमारुवीतिप्रययन॥अस्यप्रस्यसव५श॥भक्त४॥श्रुक्ति४॥श्रुक्ति४कृत्त॥गुम्भित४॥
 वा॥पदानमवर्तमानस्यानूस्त्रात्रस्ययमावारुवतिप्रययन॥अस्यप्रस्यसव५श॥त्वक्काचित्वक

४कोतस्कृगः कान कान का कान का कान ४ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः ययस्याः
 सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य सयिष्कल्य
 तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति तिदिः कनाति
 नाति धनः कनाति धनः कनाति धनः कनाति धनः कनाति धनः कनाति धनः कनाति धनः कनाति धनः
 कृष्णः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः ४अयस्याः
 कृतिगालीयः ॥ ॥ वागविषु ॥ अक्राविसर्गस्य पदोक्तं वा रुवाति न युगाद्यादिव ॥ अहर्गर्भः ४अ
 रुवः ४वागविषु ॥ अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः ४अहर्गर्भः

८

विसर्जनीयस्य उका वा रुवाति पत्रतः ॥ का ३र्थः ॥ ॥ रुवः ॥ अकावात्यनस्य विसर्जनीयस्य
 उका वा रुवः ॥ दवायाति मनो नथः ॥ ॥ अदवलापः ॥ अवेर्भुत्यनस्य विसर्गस्य लापः ॥ रुवः
 त्यवः ४दवा अगुवाता वाता ४दवा ॥ ॥ स्वयत्त्वम् ॥ रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि
 रु ॥ ॥ स्वयत्त्वम् ॥ दवायिरु ॥ ॥ रासः ॥ रास रुगस अद्यो से ॥ ॥ रासस्य विसर्जनीयस्य
 लापः ॥ रुवत्यवः ॥ रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि
 ४पत्रस्य विसर्गस्य वरु रुवत्यवः ॥ अग्निन युपद्वका ॥ ॥ स्वयत्त्वम् ॥ गीत्यति ४गीत्यति ४अह
 ४पति ४अहर्गर्भः ॥ ॥ वः ॥ वरुपुक्तिकस्य विसर्गस्य वरु रुवत्यवः ॥ प्राग्वत अहर्गर्भः ॥

त्रिलायादीर्घः ॥ नरुस्य नरुप नलाधारुवति पूर्वस्य च दीर्घः ॥ यूना नम नद्वीना ज न लानूनमः ॥
 ॥ ॥ सेवदासः ॥ सगदादमगदावपनस्य विसर्गस्य लाधारुवति रुसः ॥ सत्तवति उवदसति ॥ ॥
 सगदाद्विसर्गलोपः सनलायनवपादपनपेवत ॥ सेवदासः श्रीरामः सेवराजा यधिविजः सेव
 काः शुभमहात्मागी सेवराभा मरुवलः ॥ ॥ इति विसर्गसन्धिः ॥ ॥ अविहकिनामः ॥ विहकिः
 नरुतधुवर्जितार्थवदुवर्पनाभाभ्यतः ॥ ॥ तस्यानः ॥ सिडो जस अमडो ॥ सृष्टाया म
 रिसुदस्यामस्यस दुसिह्यामस्यस दुसडासुश्रामु दिडासुसुपः ॥ नाम्नः पने ॥ स्यादयं सफविहके
 यारुवति ॥ एकलेद्वित्ववदुलेषु एकवचनद्विवचनवदुवचनानि ॥ ॥ प्राप्तिः सगर्गः ॥ यवः देवः ॥

२

४१३

जकात्राजसीति विहगवत्सर्थः दवाः ॥ ॥ अमगसावस्य ॥ समानात्ययथा नमगसावकावसाया
 रुवति ॥ दवः देवः ॥ ॥ असः कावः सीति विहगवत्सर्थः दवाः ॥ ॥ सानः सीसः ॥ यन्निगसमाना
 स्यनस्य सः सकावस्यनकाव रुवति ॥ ॥ नत्वा मगसीत्यात्वं ॥ ॥ ॥ सि ॥ ॥ सिपय पूर्वस्य स्ववस्य दीः
 धीरुवति ॥ यदादमसुदुवति ॥ नहुवधुमागविहो ॥ दवान् ॥ ॥ टकावः नविहगवत्सर्थः ॥ ॥ न
 ॥ अकावात्यवस्य ॥ नोरुवति ॥ दवनः ॥ ॥ अहि ॥ अकावस्यत्वं रुवति रुकावादीत्यादी ॥ दवाया ॥ ॥ क
 ॥ अकावात्यवस्य हि सारुकावसाकावादा ॥ रुवति ॥ ॥ अ ॥ ॥ ववेउ ॥ दवेः ॥ ॥ दअक ॥ अकाः
 वात्यवस्य ॥ ॥ स्यागगभीरुवति ॥ दवाय दवाया ॥ ॥ अहि वदुले ॥ अकावस्य पूर्व रुवति सकावतु

का ना दो स्या दोष न व दू त्व सति ॥ द व स्य ॥ ॥ दसि नू ॥ अ का ना त्प ना द स न रु वति ॥ द वा नू द वा त्या म्
द व स्य ॥ ॥ द स स्य ॥ अ का ना त्प ना द स स्य रु वति ॥ द व स्य ॥ ॥ डा सि ॥ अ का न स्य उ त्व रु व त्या सि ॥ द वे
या ॥ ॥ नू ठा म ॥ स मा ना त्प न स्या मा नू ठा ग मा रु वति यी सि दु क्त्वा द व ॥ ॥ ना मि ॥ पूर्व स्य च न
स्य दी धा रु वति ना मि ॥ द वा ना द व द व या ॥ ॥ क्लि ला त्प ॥ स ॥ कृत स्य ॥ क व र्ग ना दि ला च्च य त्या हा ना त्प
न स्य क न वि त्स गु ल कृत स्य स का न स्य व का ना रु वत्य न क्लि त स्य न रु वति ॥ द व यू ॥ ॥ सि धि ॥
॥ अ म गु ॥ ल ॥ १ ॥ थि सि धि सी रु रु वति ॥ ॥ स मा ना द्वा त्प ना द्वा ता ॥ ॥ क्त्वा त्स मा ना द्वा ता ॥ ॥ रु न
स्य ॥ ॥ अ धि रु वति ॥ रु द व रु द वी रु द वा ॥ ॥ उ र्व य ण प ण म कृ ण द य ॥ ॥ सर्व वि श्व इ रु इ रु य

[illegible]

99

५३

[illegible]

۱۲

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

उडाजसि ॥ ॐ कागानकस्य उकागानकस्य वडासि पमं उकागानकस्य वडासि ॥ रुमयः ॥ ॥ ॐ कागानकस्य
 उकागानकस्य वडासि पमं उकागानकस्य वडासि ॥ रुमयः ॥ रुमि रुमी रुमीन् ॥ ॥ टानासिमान् ॥ ॐ कागान
 नादुकागाना न्नायनशाना रुवत्यसि यी ॥ रुमि ॥ रुमिया म रुमि रि ॥ ॥ दि ति ॥ ॐ कागानकस्य उ
 कागानकस्य वडासि पमं उकागानकस्य वडासि ॥ रुमयः ॥ रुमिया म रुमि रि ॥ ॥ रुमयः ॥ उदाह्यापिग
 स्य द सि द सी ग कागानस्य ला पा रुवति ॥ रुमयः ॥ रुमिया म रुमि रि ॥ ॥ रुमयः ॥ उदाह्यापिग
 वतिसवठितु ॥ ॥ दि ति ॥ ॐ कागानकस्य उकागानकस्य वडासि पमं उकागानकस्य वडासि ॥ रुमयः ॥ रुमिया म रुमि रि ॥ ॥ रुमयः ॥ उदाह्यापिग
 न्यादयः ॥ उकागाना विष्णुवायू रानुगुत्तदियाथर्व रुया ॥ ॥ रानु रानु वः ॥ ॥ सपु ॥ ॥ सवि

13

द्यारुदनायनस्य सवधर्ग रुवति ॥ सखा रु सखा ॥ ॥ सखा ॥ सखि ॥ दस्यत दनस्य यो कागानाद ॥
 रुवति ॥ अविष्यं वसू ॥ वही निर्वि सखा द ॥ रुद न स ॥ ॥ सखा सो सखा यः सखा र्य सखा यो ॥
 ॥ ॥ सखि य खानी क ॥ सखि पति ॥ दयात्री ग ग मा रुवति ॥ टा द दिषू यनत ॥ दी र्घ त्वा न्नना ॥ सखा
 सखा ॥ ॥ महु ॥ सखि पति ॥ दयात्री ग ग मा रुवति द सि द सी ग कागाना ॥ सखा अ स ॥ ॥ ति ति ति ॥ ॥
 मता रु ॥ मकागाना त्प न स्य द सि द सी ग कागाना रुवति सवठितु ॥ सखा ॥ ॥ रुमयः ॥ उदाह्यापिग
 रुत सखि य खानी क ॥ सखा ॥ ॥ रुमयः ॥ सखा सखा ॥ सखा मं ति कं कं इ ति ॥ सखा यो सखा ना स
 सखा यः सखा यः सखा यः ॥ अति सयित ॥ सखा अति सखा ॥ यन म ॥ सखा यः सखा यः सखा यः ॥ सखा म

पञ्चाननसंनद्धः कृष्णः । त्रिभिः शोभाह्वयः । निष्प्रतिपद्यः कौ

[illegible]

۱۸

१ वक्रवीहो शीयसपयसा स्यनक्रस्वशा ४

[illegible]

आमामास दुती हतसुद्ध (नगृह)

१३

हिसार्थः

कुर्मयादमेवारावात्रेहाम॥

विद्यार्त १

की श्रम

१८

[illegible]

[illegible][illegible]

20

ति॥ कूलं॥ ॥ श्रीमो॥ नयसकलिगत्तत्रडो श्रीकावमाययत॥ कूलं॥ ॥ ज॥ सा॥ ॥ लि॥ नयसकलि
मात्यत्रयाङ्ग॥ सा॥ लि॥ रुवति॥ ॥ न॥ य॥ म॥ नयसकल्यनूमागमीरुवति॥ लो॥ य॥ न॥ य॥ म॥ य॥ हा॥ मा॥ न
स्यनमिद॥ न्या॥ त्स॥ न॥ म॥ य॥ म॥ ॥ ना॥ य॥ धा॥ या॥ ना॥ क॥ त्या॥ य॥ धा॥ या॥ दी॥ धी॥ रु॥ व॥ ति॥ लो॥ य॥ धा॥ स्त॥ धि॥ षू॥ ना॥ मि॥ व
॥ ति॥ न॥ कूलानि॥ रु॥ कूल॥ ॥ ल॥ य॥ द॥ व॥ व॥ ॥ उ॥ र्व॥ मूल॥ रु॥ ला॥ द॥ य॥ ॥ ॥ ल॥ य॥ द॥ ॥ अ॥ न्या॥ द॥ क्री॥ वा॥ ल्य॥ न
या॥ ॥ स्य॥ मा॥ धु॥ र्व॥ व॥ ति॥ अ॥ न्या॥ त॥ ॥ वा॥ व॥ सा॥ न॥ ॥ अ॥ न्या॥ स॥ न॥ व॥ रु॥ मा॥ ना॥ ना॥ म॥ सा॥ ना॥ ना॥ ज॥ वा॥ रु॥ व॥ कि॥ व॥ या॥ वा॥ ॥ अ॥ न्या॥
द॥ अ॥ न्या॥ अ॥ न्या॥ नि॥ ॥ अ॥ न्या॥ द॥ ॥ अ॥ न्या॥ न॥ ॥ रु॥ अ॥ न्या॥ त॥ अ॥ न्या॥ त॥ न॥ रु॥ ॥ त॥ न॥ त॥ क॥ त॥ न॥ त॥ क॥ त॥ म॥ न॥ ॥ उ॥ क॥ त॥ न॥ स्य॥ न
॥ उ॥ क॥ त॥ न॥ ॥ ल॥ य॥ स॥ च॥ व॥ त॥ ॥ ॥ स॥ न॥ मा॥ द॥ ल॥ स॥ न्नि॥ पा॥ त॥ य॥ नि॥ रु॥ व॥ या॥ न॥ ज॥ न॥ स॥ ॥ अ॥ न्या॥ न॥ अ॥ न्या॥ न॥ अ॥ न्या॥ न॥ अ॥

[illegible]

८२

[illegible]

[illegible]

क० को० ॥ ॥ ॐ दमो यं यं सि ॥ ॐ दमः प्रीति सा वर्यं वति ॥ अर्यं ॥ ॥ दस्यमः ॥ तदा ददका वस्यमर्त्त
स्यादो ॥ ॐ मो ॥ ॐ म ॥ तदा दोः सी वा धना रावः ॥ ॐ मी ॥ ॐ मो ॥ ॐ मान् ॥ ॥ अन्नटो सा ॥ ॐ दमा अनादः ॥ मोर
वतिटो सा ॥ अन्नन ॥ ॥ स्यः ॥ सका मरुका मरुपम ॐ दमा अका मरुवति कृत्स्नस्य आर्या ॥ ॥ हि स
हित ॥ ॐ दमदसा हि स हि स वरुवति नरुका वस्याका नः ॥ अहिः ॥ अस्मै अस्मात् अस्मि अमया ॥ अ
वा अस्मिन् अमया ॥ अ ॥ ॥ ॐ दमदसा वन्ता दसा द्वितीयादो स्यमत् ॥ अर्न अर्नो अमान् अतम अम
या ॥ किं चि कार्यं विधा दुम्या रुका यार्न विधा दुपुन नृपा दानमन्वा दमः ॥ यथा अर्न नवा कन
समधीर्त अर्न कृदा ॥ ध्यायया ॥ ॥ नापका या ॥ नाप्रा नी ला पका ॥ ॐ ॥ नाजा नाजानो नाजान ॥ ह नाज

28

[illegible]

वृषध्वः वृषहस्ताः ॥ **॥ वृषाः ॥** वृषहस्ति वृषध्वि ॥ अर्वयमन् अर्यमन् सखायाः ॥ पंचनपरु तथा वद्वव
 यना नादिषु सन्त्याः ॥ **॥ जन्म सार्वर्क ॥** वका ननका नाक सखायाः ॥ पत्रयार्जन् सार्वर्क वतिः ॥ पंच पंच पंच
 हिः पंचरुः ॥ **॥ वृषाः ॥** वका ननका नाक सखायाः ॥ पत्रस्यामानुट ॥ पंचानां ॥ पत्रमप्येवानां ॥ **॥ मोरसं**
 नलकनूटो ॥ प्रियपंचा प्रियपंचा मो प्रियपंचानु ॥ प्रियपंचुः ॥ अर्वसेक ननवनद ॥ नपरु तथा ॥ **॥**
अरुनां गोवा ॥ अरुन ॥ दातु पत्रयार्जन् सार्वर्क वति ॥ **॥ अरुः १ अरुः २ ॥** **॥ वासु ॥** अरुन ॥ सका
 नरुका नादिषु विरुकि युवा अर्त्त वति ॥ **॥ अरुहिः १ अरुहिः २ अरुहः १ अरुहः २ अरुनां १ अरु**
सु अरुसु ॥ प्रियासाः ॥ प्रियासा प्रियासा मो प्रियासा ॥ प्रियासा प्रियासा प्रियासा प्रियासा प्रियासा ॥ प्रियासा नाज

२३

वत्सर्व लाका वजा पनीरुस ॥ **॥ सुगलसुगलो सुगलदसु सुगल १ सुगललो सुगलदसु ॥** रुत रुदव
 (धौरुह्यां युत्सु ॥ नाक नाग नाक्षो नाक्षः ॥ नाक्षो नाक्षः ॥ सककप सककव सककली सककह्या सककपा
॥ ॥ यजः १ पंचसू नम्रसमास ॥ तिच दिग्भा ॥ दिग्भा ॥ दधुम मलिङ्ग नू चपू नू जयज् अनयडस्त्रि
 सा दीनो कूर्त्त वति स्यादो नसपदान्त्र ॥ यदु ये ज्यै यज् १ यजो यगा यदु ॥ **॥ समासदु ॥** सुयक ॥
॥ वाक् १ ॥ चवर्गस्य कवर्ग वति क्षता जर्मना मन्त्रधन सपदान्त्र ॥ **॥ समासधस्थान मन्त्रयुक्त रव नरव**
॥ पुत्रो रव १ १ रवर्का रवम् ॥ **॥ वृषा ॥** पत्रया दवा ॥ सखाट सखाट सखाजो ॥ दवट दवड दवजो ॥ पेनि
 मृट् पत्रिमजो ॥ विन्वसुट् विन्वसुजो ॥ विन्वसुव सुनाटा द्यो विन्वसुव सुव विन्वसुव माट् ॥ विन्वनाजो वि

यग्यांश्रुदश्रुद॥ ॥यजायांश्रु॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 विमानमो॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 नमो॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 त्वं तस्यांश्रुदश्रुद॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 किंवातनालिवसः॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 मान्दधीमन्धीमीतो॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥

३१

नदस्य॥विटविटवि॥स्यकस्यगस्य॥चतस्यक॥ ॥उदकपूर्वस्यनकृत्वा॥उदकस्यदधु
 कदधुगदधुवोदधुव॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 नित्यवदधुवनाक॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 नस्यांश्रुदश्रुद॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 योपियस्य॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 दायादीनांश्रुदश्रुद॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 दायादीनांश्रुदश्रुद॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥
 दायादीनांश्रुदश्रुद॥ ॥अमूमयय॥अमूमययांश्रुदमयय॥अदश्रुव॥मनृतमनृश्री॥ ॥

[illegible]

१ संज्ञापूर्वकादिधननित्यत्वात् ।

[illegible]

दाक्ष॥ उपानत् उपानद उपानहो उपानह्या॥ उष्णिक् उष्णिहो उष्णिग्ग्या॥ दिवो युर्या येष॥ गी॥ गिगो गी
र्या गीष॥ अर्व यनध्नादये॥ ॥ ततमु॥ प्रियचत्वा॥ प्रियचत्वा मो॥ ह प्रियचत्वा॥ ॥ ॐ यो प्रियो॥ ॐ दमं॥
प्रिया प्रियसो॥ ॐ यं ॐ मा॥ ॐ मां अमया आत्या अर्यो अस्या॥ अनया॥ आसा असा असा॥ ॥ अन्नाद॥
॥ अना अना अना॥ अनया अनया॥ अक प्रजो अग्या अक॥ समित् समित् समित्॥ स्या स्या स्या॥ अर्व तद यद
यद अतद किं॥ वाक् वायो वाग्या वाक्॥ कक् प्र कक् प्र कक् प्र॥ कक् प्र कक् प्र॥ त्वक् त्वक्॥ अक प्र
॥ ॥ अयं अयं अयं॥ अयं अयं॥ ॥ हिद॥ अयं अयं॥ अयं अयं॥ अयं अयं॥ अयं अयं॥ अयं अयं॥
को॥ अहि॥ अहि॥ अहि॥ ॥ दिक् दिक् दिक्॥ दिक् दिक्॥ दिक् दिक्॥ दिक् दिक्॥ दिक् दिक्॥ दिक् दिक्॥ ॥ सहस्रवत्॥

[illegible]

॥ तज्जववः पियटीः पियटिषी ॥ सयदंतस्य ॥ मे नम्र ॥ पियटिषि ॥ सुय सुयसा सुयमोसि ॥ अदः अ
 म्रम्रम्रनि ॥ ॥ ॥ इति हस्तानां नयस कर्त्ति म ॥ ॥ ॥ त्वमहं निना ॥ सिमहितया यषादस्य
 दास्तमहमिह तावा द ॥ मे रुवता यथै र्थेन ॥ त्वं अहं ॥ ॥ युवा दो द्विवचनं ॥ अर्थवा विना यषा
 दस्य दास्तं मेहं निरो तो वौ र्थव आवा द ॥ मे रुवता विरुको ॥ ॥ आमी ॥ यषादस्य शां पनडो अमुरुव
 ति ॥ युवां आवां ॥ ॥ युयवयं जसा ॥ जसा सहितया यषादस्य दार्युयवयं रुवतः ॥ युयवयं ॥ ॥ त्वं नमद
 कर्त्तव्यं ॥ यषादस्य दास्तं नमदो रुवतः ॥ न कर्त्तव्यं गम्यमानं ॥ ॥ आमुहो ॥ यषादस्य दास्तं नमदो रुवतः
 मिसका नेहि सिचपन ॥ त्वां मां युवां आवां ॥ त्वदा यत्वं न सीति दीर्घः ॥ ॥ सोमा वकवाः यषान् अ

३१

(कवित्जसानीश्च मा ४४ व्या ४३)

स्मान् ॥ ॥ त्वमदा द ॥ इति ॥ ॥ युवा दस्य दास्तं नमदो रुवति टा द्वा ॥ त्वया मया युवा र्था आवा र्था यु
 व्या हिः अस्या रिश ॥ ॥ दुर्लभं मद्रुवा ॥ दसहितया यषादस्य दास्तं नमदो रुवतः ॥ दुर्लभं मद्रु ॥ ॥ त्वम
 दस्य ॥ यषादस्य शां पनडो अमुरुवति ॥ ॥ का नी रुका नादिने त्ववा वृत्त्यर्थः ॥ युवा र्था अस्या र्था ॥ ॥ द
 सिरो सोः ॥ ॥ दसि साहचर्या त्यं च म्या त्यस गृह्णत ॥ त्वत् मत् ॥ युवा र्था आवा र्था ॥ युवा र्था अस्या र्था ॥ ॥ त
 वममदसा ॥ दसा सहितया यषादस्य दास्तं नमदो रुवतः ॥ तव मम युवयाः आवा र्थाः यषा र्था अस्या र्था ॥ ॥
 ॥ ॥ समस्य मादं द्वा कत्वा विनी यषादस्य दास्तं नमदो रुवतः ॥ समा सा ॥ इत्यर्थः तत्सं त्वा ॥ अथवा वी त्वमदा वपि ॥ ॥ सिज
 सद्दस्य सपनत आद ॥ ॥ स्यः सदेवतः ॥ त्वा हो ययवया दुर्लभं मद्रुवा तव ममा वपि ॥ ॥ ॥ नतपनत्वा द्वा धनं यु

(सुगतम ॥ ॥ सामाक ॥ यत्तदस्य ॥ नमदा रुवति ॥ यषादस्य दास्तं नमदो रुवति ॥ अस्या र्था अस्या र्था ॥ मयि युवया आवा र्था ॥ ४

वावोविषयस्य क। त्व नदावपि बाधक पूर्ववद्विषयस्य तः॥२॥ द्विकसंख्यः समासाः (१) वदु (२) युष्मदस्य दी॥
तथा नद्य कगार्थत्वात् युवावा त्व नदो नयः॥४॥ ॥ त्वा मां वातिकान् नृति विग्रहं नृति त्वं नृति ह॥ ॥ गो॥ त्व
यि युष्मदस्य दास्वदाय त्वं नृति॥ नृति त्वां नृति मां नृति यूयं नृति वयं नृति त्वां नृति मां नृति त्वान् नृ
ति मान् नृति त्वया नृति मया नृति त्वासां नृति मासां नृति त्वाहिः नृति माहिः नृति त्वयं नृति मयं नृति त्वा
सां नृति मासां नृति त्वसां नृति मसां नृति त्वत् नृति मत् नृति तव नृति मम नृति त्वया नृति मया नृ
ति त्वार्क नृति मार्क नृति त्वयि नृति मयि नृति त्वाम् नृति माम्॥ ॥ युवां नृ वा वातिकान् नृति विग्रहं नृति
सदस्य यावत्॥ ॥ नृति यूष्मां नृत्यस्मां नृति यूष्मां नृत्यस्मां नृति यूष्मां नृति यूष्मान् नृत्यस्मान् नृ

ति यूष्मया नृत्यस्मया॥ ॥ युष्मदस्य दास्वदाय त्वं नृति॥ द्विकसंख्यः समासाः (१) वदु (२) युष्मदस्य दी॥
वावोविषयस्य क। त्व नदावपि बाधक पूर्ववद्विषयस्य तः॥२॥ द्विकसंख्यः समासाः (१) वदु (२) युष्मदस्य दी॥
तथा नद्य कगार्थत्वात् युवावा त्व नदो नयः॥४॥ ॥ त्वा मां वातिकान् नृति विग्रहं नृति त्वं नृति ह॥ ॥ गो॥ त्व
यि युष्मदस्य दास्वदाय त्वं नृति॥ नृति त्वां नृति मां नृति यूयं नृति वयं नृति त्वां नृति मां नृति त्वान् नृ
ति मान् नृति त्वया नृति मया नृति त्वासां नृति मासां नृति त्वाहिः नृति माहिः नृति त्वयं नृति मयं नृति त्वा
सां नृति मासां नृति त्वसां नृति मसां नृति त्वत् नृति मत् नृति तव नृति मम नृति त्वया नृति मया नृ
ति त्वार्क नृति मार्क नृति त्वयि नृति मयि नृति त्वाम् नृति माम्॥ ॥ युवां नृ वा वातिकान् नृति विग्रहं नृति
सदस्य यावत्॥ ॥ नृति यूष्मां नृत्यस्मां नृति यूष्मां नृत्यस्मां नृति यूष्मां नृति यूष्मान् नृत्यस्मान् नृ

38

[illegible]

॥ २ ॥ वाक्पुत्राय नमः ॥

वयसिप्रथमं ॥ तीव्रया ॥ सूरुला उरुला अजिनरुला ॥ गरुला पिशुरुला मलुया प्राकपुया पु
 लकपुया काउपुया प्रांतपुया एकपुया मुडाकुचाउमिहा दवविम नशा कनिष्ठा मधमैतिपुया
 एपि ॥ अमूला गिरुला ॥ ॥ यादना ॥ शीघ्र ॥ द्विपदा द्विपाद ॥ ॥ कायग ॥ कापिपत्रवृक्षसाका
 नस्य ॥ कात्रोरुवति ॥ कात्रिका पात्रिका ॥ अतश्चिनीका ॥ ॥ द्विपकादीनां ॥ द्विपका कन्या काचटका
 पका सुका उपकाय अक्षिपका तानका क्षतिपि ॥ अग्रागुतात्रिका वलुका तागतव ॥ वलुका न्या वलु
 कागकनी ॥ ॥ पुत्रा ॥ उदीचा उवर्तिका अक्षका आद अक्षिकान्या ॥ कविदा ॥ सुतका सुतिका पुत्रका प
 त्रिका वृदानका वृदानिका अर्थका कारिका चटकका चटकिका निरुपका निरुपिका उपका उपिका अज

३५

अमूर्त

अचक्षुका सुवक्षोचगयायिद्वयश्रुति ॥ अग्रागुदथक्यादिना उपतिनासह ॥

अयनलयलनलतत्तादीय ॥ २

का अत्रिका रुका ह्रिका ह्रक द्विक निश्चका निश्चिका ॥ ॥ असावा ॥ कापिपत्रतनादोचपुर्वसादसा
 वा ॥ गंगका गंगका गंगिका नदिका नदीका अयसितना अयसीतना ॥ ॥ वाग्रहसादवसंधाकना
 लान ॥ गमका नोका ॥ ॥ अश्व ॥ दंडिनी मधानी मुनी पोस्त्रा कुली योनी सोपलुया गमगंधयनी
 लोहियायनी काखायनी कोत्रयायनी मोहकायनी आसूनायनी गमकीकीयासीकी कर्तु ॥ ॥ यस्या
 पश ॥ ॥ वलुवर्तुया लया रुवतितद्वितस्यस्रयका नशीपिच ॥ डोपगती उद्यु ॥ ॥ शीघ्रना लापश
 नाही द्विदात्रा ॥ ॥ द्वित ॥ षका नटका गका नमकाना नवन्धा निग्राभीपुपुलया रुवति ॥ षवनाका रु
 कून्यनी उरुदयसी उरुदद्या उदयी ॥ ॥ ॥ लगी ॥ ॥ गमप्रतीविदुषी मपवती दीवाकी रुदती रुद

नृषी॥ ॥ **पिमस्यस्ययलापः॥** सूर्यागस्त्यायानायदीपिव॥ तिष्यपूषाथानर्दगुंलियलापः॥ मत्सीकु
 ७ीश्रमंशुवताकृजश्रुत्या॥ **गमलीश्रावयन॥** सुली॥ श्रुकुपिमाया॥ राजीग्रीवावत॥ नागीकुलावत॥
 कालावर्धुधेत॥ नीलीडावधियुलिनाश॥ ॥ **सैरायावा॥** कृष्णीश्रयाविकामकामकीप्रेथुनकायो॥ क
 वनीकृष्णविन्याय॥ **गमलाद्या॥** गमली॥ गमला॥ ॥ **वदुग्रीहजतिपूर्वपदागुकांताम्॥** उग्रहित्री॥ ॥ जा
 ताकन॥ दंतजाता॥ ॥ **श्रुतांगपूर्वयदाद्या॥** सुनायीता॥ सुनायीतापालिग्वहीतीतोय्या॥ श्रुन्यापालि
 गता॥ **कीनातकन॥** दध॥ दमुकीता॥ ॥ **कादस्यत्वा॥** श्रुतलिकोद्योश॥ तन्दनलिकान्या॥ ॥ **सौगदा॥**
 स्यागिवाशिना॥ देतादस्यया॥ गपक्षद्विप्रियामीप॥ **सुमखासुकमीसुकम्हा॥** ॥ **नासिकादनीश्रुज्यादंतक**
 १३३वमर्हिमत्स्यगंपालिहमविकारज॥ अगस्त्यतवदृष्टवहेनवहहथायुता॥ वदुकखवदुहनादार्चकलीनथादार्चमुखीप्रतिमा॥ २

३१

१३३वाग्नीपू

१३३वाग्नीपू

पुंमं॥ **इंगनासिकाइंगनासिका** मंदादनी मंदादनी विम्बाष्टी विम्बाष्टी सुजंघा सुदनी सुकलुसुष्ट
 गी॥ ॥ **श्रीगनागुकी०** पुकांत॥ **संगी** संगम सुगमगी सुगात्रा सुकं० सुकं० सुपुका सुपुका॥ **पक्ष॥** स्वा
 त्यादि॥ ॥ **कवनमलिविषमं** नेत्यपनातपुकात्रिष्य॥ **कवनयुक्ता** विषयुक्ता॥ ॥ **उयमानातुयक**
 पुकास्या॥ **गनपक्षा** गनपक्षा॥ ॥ **नकोडादिवदुस्यनात॥** कल्याणकाठा सुजयनी॥ ॥ **सहनेन**
विद्यमानयुक्ता त्रि॥ **सकम्हा** श्रुकम्हा विद्यमाननासिका॥ ॥ **नखमूखा** लीलाया॥ **शुर्पलखा** गनेनमूखा
 ॥ **सैरायांकि॥** काममूखीकन्या॥ ॥ **कारुक्ष्मन्** ॥ उदताडुगवाशिनावाश्रियामीप॥ **पक्षी** पक्षवक्षी
 वदुश॥ ॥ **खनूसीया** गपक्षन्न॥ **खनूश** पार्श्व॥ ॥ **हृदिका** नादकृथन्ति॥ नात्रि० नात्री० कटि०

यनि उनाकन्या१

३१ वर्षनिकामान् ॐ निवृत्तः श्रीकृत्यान्नायकः ॥ श्रीकृत्यान्नायकः ॥ श्रीकृत्यान्नायकः ॥ श्रीकृत्यान्नायकः ॥ श्रीकृत्यान्नायकः ॥

[illegible]

३८

रदोनलेशेकुसमाख्यातोपर्यदासप्रसन्नको॥पर्यदाससद्वृत्ताहीप्रसन्नमुनिवधक॥३

[illegible]

१९ कर्त्तृक मन्त्रेण संपुद्गन्तयेव । श्रूयन्नादिका नमः ॥ १९ ॥ कात्रकातिवटः ।

[illegible]

३२

॥ तिलवृत्तिद्यतते लहृदिवृद्धामृतपत्रं ॥ यद्धसंनक्ततधीगाईरुल्लग्नकत्रिर्लक्ष्मी ॥ ॥ क्रियातु क
र्त्तुमास्तु गापिसकमी ॥ वर्षतिदवयो न श्रयात ॥ ॥ विनासहनममतनिधिरुल्लग्नमादिहिव्य ॥ ॥ नरैः
यर्गिद्वितीयाद्याविहकयविनादिया ॥ गद्वितीया ॥ विनायापसर्वरुल्लतिश्रुतनरुल्लिखिर्जीवित
न श्रुतनालो माहृतिश ॥ जयमनूपावर्षत श्रुतहृतिं सुमाशरुकाहृतिमहिडपहृतिं सुमाश ॥ नदीमन्त्र
वसितासना श्रुतिदवानकृष्णश्रुतितागेमसर्वतो नगरधिगुजालम् ॥ उपर्युपत्रिपर्वत ॥ श्रु
धिलाक ॥ श्रुधिसूरव ॥ श्रुधिरुल्लग्नमादिहिव्य ॥ ॥ नदीपत्रित ॥ सप्रयानिकसाहृति
मागयि ॥ कालाध्वनाश्रुनक्तय ॥ मासमधीतका ॥ पिचन ॥ मासगुठधना मासकल्याणी ॥ को

मधीत। कालं कृत्वा नदी। नेत्रं नयति। मासस्य द्विजधीत। कालं श्लोकद्वयं पर्वतः॥ ॥ अथिपू
 र्वासा। गीदस्ता। माधवः कर्म। अहिनिपूतस्य विष्णो वधः। उपा न्वधः। दयूतस्य वसः। अथिष्णो। अ
 धितिपूति। अथिष्णो वा वेकं ० हनिः। अहिनिविगता सन्मार्गः। उपवसत्य न्वसत्य धिवसति। आवसति
 वा वेकं ० हनिः॥ ॥ नादुक्तं ॥ वनं उपवसति। ॥ रूपादि॥ ॥ सहादिया। लहतीया॥ सहलियस्य
 गतीगुणः॥ ॥ उर्वसा के साई समयो गवि॥ यनांग नविकृत नांगिना विकाया लक्ष्म ततस्तुताया॥
 अद्वा कालः। अंगिविकावधकिं। अद्वा कालः॥ ॥ कश्चित्पुकारं प्राफस्य लक्ष्म॥ ऊटाहिस्नापसः। पुक
 र्वावा नृश। प्रायलयादिकः। गमं गमं गमं शस्यमनेति। विषमलति। द्विडा। लनधनीकीलति। सुखन

४०

दृश्येनयाति॥ ॥ उल्लाप्या। ग। कपू नदुल्यः। माप्रसदृष्टः॥ ॥ रूतप्राको कालाधना नवतसया। गः
 लतीया॥ अद्वा कालेन वानुवाकाधीतः। रूतप्राको किं। मासमधीनायातः॥ ॥ नमः अदिया। गवदुर्थी॥
 नभामायायस्य॥ ॥ उर्वसस्ति स्वाहा स्वधः। अलं वधः। गव॥ उपपदविहकं ० कावकविहकि
 र्वलीयसी॥ नमस्तु मातिदवान्॥ ॥ पुल्लादिया। गवध्यापि॥ राजनाय राजनस्य वापुः ० समर्थः॥
 गकः। कपू यरुष्य वा मडुं हट्टुं कालं। सुखमायुष्यसायुष्यं अर्थः। पुया जने वाक्यातः॥ ॥ न
 यधधः। उया। गपीयसा। ॥ हनयमावतं रुकिः॥ ॥ अथ दृष्टम्। गयी पुया। गवाधयिदुमिष्टः। ग
 पीरुष्याय ० अद्य तद्गतं तिष्ठतं गपतवा॥ ॥ धनं नृत्तं मधु॥ रुकाय धनयति मादं हनिः॥ ॥ सुह

१ अंगयपुका मयतीत्यर्थः

३ उरुमधुधिमामुद्धोपयाकयामकोपमात्॥

यत्ननीयत॥ पृथक् पृथक् सूर्यति॥ ॥ कुक्षदुर्ग्यासूयाधर्मापय॥ गयीपुतिकापादयस्तु॥ हृत्त्रय
कुक्षतिदुक्षति॥ शीथतिश्रुयति॥ त्यादि॥ ॥ मत्तम्रादिया॥ गयीवमी॥ मत्तम्रानात्रमूक्ति॥ अ
न्मो॥ गृहादिहान॥ श्रुतात्तवनात्॥ तत्रात्रात्॥ हिन्न॥ कृष्णत्॥ पूर्वग्रामात्॥ पाम्नामात्॥ दक्षिण
ग्रामात्॥ विनाकृष्णत्॥ पृथक्कनानावा॥ उपाध्यायोदधीत्॥ बुद्धल॥ पुजो॥ पुजायेत्॥ वनामोमायाज
न॥ कोर्तिकाश्रुगृहोयलीमोस॥ अयहने॥ पत्रिहने॥ ससात्र॥ श्रामूक॥ ससात्र॥ पयस्त्र॥ कृष्णत्
॥ तिलत्प॥ पुतियकृतिमावन्॥ ॥ हृत्तोहृत्तापार्थवमी॥ जाद्यात्॥ जाद्यनवावद्ध॥ स्तोकोनमूक॥
॥ ॥ दूर्नातिकया॥ संहृति॥ ग्रामस्यदूनात्॥ श्रुतिकाद्य॥ त्यादि॥ ॥ क्रियानुलजातिसंहृति॥ समुदा

[illegible]

कर्म। अर्मलिहायिनेहनिदतयाहनिदुर्लभ। क। (अ) यमनीहनिसीनियुक्तलकाहत॥ ॥ कस्य॥
 नंतस्यकर्मलि॥ अधीतीवाकन॥ ॥ ताद॥ (अ) विरुथी॥ सयमाययुतेधरुनवाधमयिसयमीध
 मभाक्षयमभावीधनदानाययुक्तय॥ २॥ ॥ दुमा॥ पुयस्यकर्मलि॥ रुलंथायाति॥ ॥ अथायकर्म
 यथाभागेययमी॥ हर्मातपुक्त॥ आसनातपुक्त॥ ॥ कर्तृकार्ययानकादोक्तिवशी॥ कर्तृत्रिकाः
 ययवशीकादिवर्जितकृतिपुयसमान॥ कृष्णस्यकृति॥ जगत॥ कर्तृदृष्ट॥ गुणकर्मलिवा॥ नता॥ अथ
 यममीग्रमस्यावा॥ ॥ उरुययाकोकृतिकर्तृनिषयान॥ अथयगर्वादाहा॥ मधन॥ ॥ सुप्रत्यययानका
 कानयाथगिनाका॥ रुदिकाविरुत्सातानुदस्यजगत॥ ॥ (अ) यकृतिवा॥ गद्यानामनू॥ सनमाचार्य॥

४२

कार्यस्यवा॥ ॥ वर्तमानाधनार्थकस्यथा॥ गवशी॥ नार्मीमत॥ कृद्॥ यजितावा॥ अदमंभा॥ अयिती॥ कृदोदु॥
 ॥ कृत्तनि॥ कृत्तलि॥ यकृवान॥ यकृता॥ यकिर्वासुखीहनि॥ रुमिदिदृक्ष॥ अलंकत्रिपूर्वादेतानुदाहुकाह
 वि॥ जगत्सुक्ष्मा॥ सुखीकर्तृविषुनाहतादेसा॥ देत्यानुहतवान्हरि॥ अथकन॥ पुययोहवि॥ सोमपव
 मान॥ अस्मान्मंगयमान॥ वदमधीयन्॥ कर्तृलोकात्॥ ॥ द्विष॥ अथुर्वा॥ मूरस्यमूर्खाद्विषन्
 ॥ ॥ रुविषात्कस्यरुविषादाधमस्थार्थशेनश्चया॥ गवशीन॥ सत॥ यालकावतनति॥ वृजंगमी॥ ग
 तदायी॥ ॥ कृत्यानाकर्तृविवा॥ मयामप्रवायवाहनि॥ ॥ उरुययाकोकृतिवशीनामेतयावृजंगव
 ॥ कृत्तन॥ ॥ दूननिकटार्थया॥ गवशीयवम्भो॥ दूननिकटवागमस्यममदा॥ ॥ यतार्थस्यकयतिकय

गीद्वियमूर्ति ॥ **॥ ताडका ॥** समाससतिठ श्रुतकं खतपुखया रुवंति ॥ नदः समायेंडपननदीपुति
 विपाश ॥ **॥ जनायाजनस ॥** उपजनसं । अदिप्रतिपुखदं । अकू ४ पनपनादं । पनगदस्यपनस्य
 शकं ॥ तिहायकात् । अचकं । उपनाजं । उपसमिधं । उपनदं । उपनदि ॥ **॥ अमादोतस्य नूष ॥** द्वितीयायः
 नपूर्वपदसतिथानुय ४ सतत्पूषसंरु ४ समास १ ग्रामपाक । यमपाक ॥ कृष्णगित ॥ कूपपतित ॥
 ॥ ग्रामगत ॥ खद्वानूटं ॥ मूर्दुरुसुखं । दू ४ खातीत ॥ ग्रामगमी । अन्नवृद्ध ॥ पाण्डुकिन्नं दावुकिन्नं मा
 सनपूर्वमासपूर्व ॥ मारुसदृश ॥ पिरुसगदधपिरुसम ॥ माषाने । वाकलरु ॥ आवात्रनिपू ॥
 गुगुमिश्र ॥ मासावन ॥ हनिगुतवनरुहिन्न ॥ द ॥ दन ॥ युगधना ॥ यूपायदायूपदाम् ॥ **॥ अ**

४३

र्थस्यविभाषासंगता ॥ द्विजायार्थद्विजार्थ ॥ नारु ४ पूनूषानाजपूनूष ॥ द्विजयाजक ॥ देवपूजक ॥ **॥ कवि**
 तूषहीनसंयत ॥ नृणां द्विज ॥ सताविष्ट ॥ काकस्यकाश्रो । रुत्तानां सुहित ॥ दमवामासिती । अर्पाः
 पुष्य । डादनस्य पाचक ॥ रुवत ॥ मयिका ॥ **॥ कविदमायितस्यपनसं ॥** नायमतिक्रान्ती रतिना ॥ नावम
 तिक्रान्ती रतिनो । पूर्व ॥ रूतपूर्व ॥ कायस्यपूर्व ॥ पूर्वकाय ॥ अपनकाय ॥ अधनकाय ॥ उरुनकाय ॥
 अक्रामधमध ॥ दु ॥ सायाद्रु ॥ मधनाग ॥ यमिमनाग ॥ अर्द्धपियाली ॥ **॥ कविद्वि ॥** द्वितीयं हि द्वाया ॥
 द्वितीयरिक्ता । रिक्ताद्वितीयं । रुतीयरिक्ता । रिक्तारुतीयं । बहुर्थरिक्ता । रिक्ताबहुर्थं । रिक्ताहुनायं । हुनाय
 रिक्ता । जीविकापाफ ॥ पाफजीविक ॥ अपन्नजीविक ॥ जीविकापन्न ॥ **॥ समासकविदेकपयसं**

[illegible]

स्यङ्कस्वः॥ ॥ पूर्वः॥ समाससति समानाधिक्ये लुलिङ्गपत्रपूर्वस्य डकं पूर्वस्य कुलिङ्गस्य प्लुङ्गिङ्गस्य
वर्णपरुवति॥ रूपवहार्यङि डकं पूर्वस्य किङ्ग्यादिताभ्यङ्गिङ्गहार्यङ्गः॥ ॥ दुपुङ्ग्याङ्गः॥ वाभाङ्गहार्यङ्गः॥
॥ ॥ पूर्वः॥ र्थपुङ्ग्याङ्गः प्रियाद्योवनः॥ कल्याणीयमीयासांगीर्ताङ्गः॥ कल्याणीयमाङ्गः॥ नाग्यङ्गः॥ कल्याणी
पुङ्ग्याङ्गः॥ ॥ तत्रतमवर्णकल्पादयदमीयवर्णयाङ्गः॥ पूर्वः॥ दर्शनीयतमाङ्गः॥ दर्शनीयतमाङ्गः॥ दर्शनीयतमाङ्गः॥
दर्शनीयकल्पाङ्गः॥ ॥ त्वेतयाङ्गः॥ वचनस्य॥ शुक्रायाङ्गः॥ शुक्लत्वाङ्गः॥ शुक्लताङ्गः॥ ॥ कृक्कादीनामङ्गः॥
॥ कृक्काङ्गः॥ अङ्गः॥ कृक्काङ्गः॥ मृतपदः॥ मृगङ्गः॥ काङ्गः॥ ॥ सर्वः॥ समास्यदोर्वर्तः॥ दक्षिणस्यः॥
पूर्वस्यः॥ अङ्गः॥ लम्प्यादिकुसादक्षिणपूर्वः॥ सर्वप्रधानमस्याति सर्वमङ्गः॥ सर्वक्रान्तिः॥ सर्वकन

॥ यद्दुमानिनाः पूर्वतः ॥ अनी वाचनताति अनायत । दर्शनीयां मन्यत दर्शनीयमानो ये प्रभः ॥ अकृत
द्विताह्याकापधस्यनः ॥ योचिका रायशः नसिका रायशः ॥ सस्य पूनः ॥ धपुस्यययानि । दरा रायशः ॥ य
यमी रायशः ॥ वृद्धिहता सुद्धितस्याः शकविकाना धस्यनः ॥ माधूनी रायशः ॥ अन्नक किं । कषाय सनका क
थाकासायी कथयस्य सुकाषाय कथः ॥ विकाना किं रुद्रः ॥ विकाना हेमी मृदिका यस्याति हे म मृदिकः ॥
॥ यृतिसति पूर्वतः ॥ वेया कनरा रायशः सोवन्ध रायशः ॥ स्वाग्नादीपाः ॥ मानिनि ॥ सूकणा रायस्य
सः ॥ सूकणा रायशः ॥ मोनिनि दुसूकणा मानिनि ॥ ॥ जातिवाचिनः ॥ पुः ॥ पुण्यया नस्यनः ॥ गुडा रायशः ॥ वा
कृशी रायशः ॥ ह्यादि ॥ ॥ गमः ॥ गमः ॥ दस्यन्याः ॥ धविरुमानस्य दुस्वारुवति ॥ यैवगवायस्य सपयवु

[illegible]

५२

वाहमी। जायावपति। धर्जपती। दीपती। मातनपितनी। कूपनृषभा। कापूनृषभा। अद्वदभा। वधाउभा। श्वट
 दीतायस्य। वाउन। महानी। धर्मा। महधन। महदवभा। रताना। सिका। यस्थरवन्। सभा। रवन्। सभा। रवन्
 सभा। रवन्। सभा। उन्नताना। सिका। यस्थसं। उन्नतसभा। पुनसभा। विगताना। सिका। यस्थविगु। विगु। ॥ चतु
 रा। ॥ यो। ॥ यत्तुनयु। ॥ पु। ॥ गो। ॥ सु। ॥ वयादायस्य। ॥ पा। ॥ पद। ॥ चतुर्दन्। ॥ अमृमिवति। ॥ अददुद। ॥ अमृ
 मृयदु। ॥ अदमृयदु। ॥ कामृदगंधीया। ॥ पू। ॥ को। ॥ मृदगंधी। ॥ पू। ॥ को। ॥ मृदगंधी। ॥ पति। ॥ समाने। ॥ अतिनय
 सभाति। ॥ सना। ॥ सनामा। ॥ सवया। ॥ सवक्रवाणी। ॥ सती। ॥ धर्मा। ॥ दश। ॥ सूनादश। ॥ लवा। ॥ सदा। ॥ शुद्धाद
 ॥ पृष्ठादनी। ॥ वा। ॥ निवाह। ॥ को। ॥ वलाहक। ॥ गृहा। ॥ दक्षिणतीर्णी। ॥ दक्षिणतानमिष्यादि॥ ॥ अलूककचित्॥

कृत्स्नमासतद्विभक्तविरक्तलक्ष्म ॥ कृत्स्नान्मृकशास्त्राकाशमृकशानिकटान्मृकशान्मृकशानि
 शसन्मृकशानि। उपसितान्मृकशानि। कृत्स्नान्मृकशानि। कृत्स्नान्मृकशानि। कृत्स्नान्मृकशानि। कृत्स्नान्मृकशानि।
 ग्रामवासिणः। ग्रामवासी। ग्रामवासिणः। ग्रामवासिणः। ग्रामवासिणः। ग्रामवासिणः। ग्रामवासिणः। ग्रामवासिणः।
 स्मनाप्यवमः। त्वचिसावः। गविष्टिः। यविष्टिः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः।
 नमः। कर्तुंजयः। पूर्वार्द्धतनः। पूर्वार्द्धतनः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः।
 ॥ ॥ मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः।
 मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः। मारुपिहृत्स्वसः।

५०

श्रुत्स्नानपदः

दवानां प्रियः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः। मृत्स्नानपदः।
 लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः।
 मा। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या।
 वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या। वाक्कलिकल्या।
 विद्वत्तना। मद्यवत्तितना। मद्यवत्तितना। मद्यवत्तितना। मद्यवत्तितना। मद्यवत्तितना। मद्यवत्तितना।
 लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः। लक्ष्मणः।
 लामालहारा ॥ ॥ कालसत्यागदस्यम् ॥ सत्यकावः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः। श्रुत्स्नानपदः।

धनार्हयायां॥धनंरुवा॥लोकस्थयु॥लोकैपुल॥॥
 द्वा॥ग्न्यावि॥धात्रावुमिन्ध॥अग्निमिन्ध॥॥गिल॥गिल॥तिमि॥गिल॥गिल॥गिल॥तिमि॥गिल॥
 ल॥॥ड॥रु॥दु॥या॥क॥र॥॥ड॥क॥र॥रु॥ड॥क॥र॥॥॥वा॥गु॥कृ॥ति॥वा॥॥वा॥गि॥व॥न॥॥वा॥गि॥व॥न॥॥
 वि॥म॥ट॥॥वा॥गु॥ट॥॥॥ज॥हि॥वृ॥ति॥वृ॥धि॥धि॥नृ॥यि॥स॥हि॥त॥नि॥वृ॥त्ति॥वृ॥न॥य॥वृ॥त्ति॥दी॥र्घ॥॥ड॥पा॥न॥त॥नी॥वृ॥
 त॥पा॥वृ॥त॥म॥मा॥वि॥त॥॥नी॥वृ॥क॥॥श्री॥नी॥वृ॥क॥॥म॥ती॥ष॥ट॥प॥नी॥त॥त॥॥॥म॥त्त॥॥ध॥वृ॥दु॥स॥व॥न॥॥अ॥म॥वृ॥व॥ती॥
 ॥अ॥जि॥दे॥नी॥अ॥जि॥नो॥व॥ती॥॥॥ड॥प॥स॥न॥स॥य॥॥अ॥म॥नृ॥य॥वृ॥दी॥र्घ॥॥प॥वि॥पा॥क॥॥प॥नी॥पा॥क॥॥अ॥म॥
 नृ॥य॥कि॥नि॥षा॥द॥॥॥आ॥द॥य॥द्व॥द्व॥द्व॥स॥ति॥क॥चि॥दा॥द॥ल॥यि॥॥मा॥ता॥व॥पि॥ता॥व॥पि॥त॥नो॥॥अ॥म॥वृ॥वृ॥
 न॥मा॥दे॥॥॥अ॥मा॥व॥ती॥॥॥

५१

अ॥न॥वृ॥वृ॥नृ॥नो॥॥द॥हि॥ता॥व॥यु॥वृ॥य॥पू॥नो॥॥स॥पा॥व॥आ॥ता॥व॥आ॥त॥नो॥॥॥म॥ती॥द्व॥द्व॥प॥द॥स॥या॥त्ती॥॥मा॥ता॥
 पि॥त॥नो॥॥हा॥ता॥पा॥ता॥नो॥॥न॥शा॥ज्ञा॥ता॥नो॥॥॥पू॥नृ॥वृ॥॥पि॥ता॥य॥नो॥॥ग॥व॥वृ॥ग॥व॥वृ॥ग॥व॥वृ॥मा॥॥गु॥कृ॥य॥
 गु॥का॥र॥गु॥कृ॥व॥गु॥कृ॥॥स॥व॥य॥वृ॥नो॥यो॥वा॥॥॥दि॥कृ॥स॥र॥य॥॥दि॥ग॥वा॥चि॥न॥॥स॥र॥वा॥चि॥न॥॥अ॥या॥
 स॥मा॥ना॥धि॥क॥र॥ने॥स॥र॥या॥म॥व॥स॥म॥स॥कृ॥स॥क॥स॥ध॥त्र॥य॥॥स॥मा॥स॥॥द॥हि॥॥अ॥नि॥॥स॥क॥र॥य॥॥स॥
 र॥या॥कि॥॥प॥य॥रु॥ल॥नि॥॥दि॥कृ॥स॥र॥य॥कि॥॥सूर्य॥ल॥खा॥॥॥द्व॥द्व॥त॥त्पू॥नृ॥य॥॥प॥न॥प॥द॥स॥व॥लि॥नी॥॥कृ॥कृ॥
 ट॥म॥यू॥या॥वि॥म॥॥म॥यू॥नी॥कृ॥कृ॥टा॥वि॥मो॥॥अ॥र्द्ध॥पि॥या॥ली॥॥॥पा॥फा॥य॥न॥ता॥ले॥प॥र॥वा॥दि॥स॥मा॥स॥न॥॥पा॥फा॥
 जा॥वि॥का॥या॥फ॥जा॥वि॥क॥॥आ॥प॥न॥जा॥वि॥क॥॥अ॥ली॥कृ॥मा॥यो॥अ॥ली॥कृ॥मा॥नि॥॥नि॥॥को॥॥अ॥वि॥॥॥अ॥वृ॥वृ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

गन्धे। अविज्ञात। अविदूष। अविमर्श। ॥ तिलान्निःशुल्लतापिह्वयजो॥ निःशुल्लतिलसिलसिलचिज्जितिल
पञ्जश॥ ॥ कात्रकात्रियासूक्तकानकादयतप्रत्ययाः कर्तृत्रिकर्मलिया। कूकमनमर्ककौकर्म। वसुधायत्रि
वृतावाफुत्रथश। कामलश। वेयाद्युश॥ ॥ पाण्डुकवलादिनिः॥ पाण्डुकवलनर्यतीतश। पाण्डुकवलीत्रथश॥
वसिष्ठनदृष्ट्वासिष्टसाम। कालयवत्रयविनाकृतावानुदायगुच्छश॥ ॥ मन्नापाकोमानवाधर्मः
। मधूनामाश्रुगतामाधूत्रश। ग्रामादागताग्राम्यश। धूर्नवहतिधूर्यश॥ ॥ कोत्रयश। सर्वधूनीलश॥ ॥ मूख
पाण्डुतिलसिलचिन्नीय॥ मूखता। रुवमूखताय। पाण्डुताय॥ ॥ दवस्तत्राजजनयनालीकूकणीय॥ द
वकीय। स्तकीय। राजकीय। जनकीय। पत्रकीय॥ ॥ मध्यान्मश। मध्यमश॥ ॥ हर्मतस्यवातेलायाइलि।

[illegible]

विषय १ संवाध १

[illegible]

[illegible][illegible]

॥ दवउवदवता ॥ ॥ मृदसिक॥ मृदवमृहिका ॥ ॥ सस्त्रोपशसायी। पशसा मृतमृत्सा। मृत्सा।
 ॥ ॥ श्रीनयायुष्मदत्पदायुष्माकास्माको ॥ उकार्थयास्तवकममको। युवथायुष्माकीवायेयोष्माकायौ
 व्याकीन॥ श्रावथायस्माकीवायेयस्माका॥ श्रास्माकीन॥ तवायतावक॥ समायसासक॥ तावका
 न॥ सामकीन॥ ॥ वरुल्यसादृष्ट्यवतपुष्टय॥ वरुल्यपुष्टयवत। वाक्कलवत। द्रुगिय
 वत। मथुनायामिवमथुनावतपाठलियुंनुपाकाव॥ वृणुस्यववेवुवत। मृणुस्यगृह ॥ ॥ श्री
 योविधिमर्हतिविधिवत ॥ ॥ रोवतल्ययस॥ ॥ दस्यपुष्टिनिर्हृतावेस्तुवायउतस्य॥ ता
 तीक्रिया। त्रींतीकीवी। वाक्कलता। वाक्कलली। वाक्कली। मुक्कता। मुक्कली। ॥ गौकी। वेद्वी ॥ ॥ कर्म

४ उल्यगमादृष्ट्यनउमीयतेहायतन्तिउल्य। गोलनउल्यमासमीतीन्तिउल्य ॥ ४

॥ यधि॥ वाक्कलस्यकर्मवाक्कली। नाकी। फेकी ॥ ॥ लाहितादृष्टिदिमनवालावालोहितिमा। लाहितता
 । लोहित्य। श्रीलिमा। लथिमा ॥ ॥ लावश्रुधवि। लाद्यवी। गोववी। योवन। गोववी। मीनी। होगु। डोका
 पु। मरुता। लावामहिमा ॥ ॥ मवमनि। रुसादलद्याधमसावस्यगलाहवति। ॥ मनि ॥ ॥ य
 सा ॥ ॥ यथारुवपुथिमा। मुदिमा। कुमिमा। डरिमा। लद्याशकि। कुषिमा। रुसादशकि। मजिमा
 ॥ ॥ वहालोपारुववहा॥ वहा॥ यमयासिमनादानामितलुस्यलोपावहाश्रुनादगध्या॥ वहा
 रुवाश्रुमा ॥ ॥ रुनायानलायथा॥ रुनस्यकर्मलावावाफयी ॥ ॥ समरुश्रुथि॥ मयूनासममूहा
 मायूनी॥ कोकी। देवी। केदात्रिक। गलिकी। हासिकी। गलिली। ग्रामता। जनता। वधूता। पासा। वाया। ख

[illegible]

नश। सुषिनश। मूकनश। मधूनश। खनश। मूखनश। कुङ्कुनश। नगनश। घातिनश। पातुनश। ॥ ककुजसत्त्व
व॥ ककुनश॥ ॥ पुद्गलानश॥ घूमश। दूमश॥ ॥ कन्यादिश्रावश॥ कनवश॥ मलिवश॥ दिनस्थवश॥ ॥ मूर्धुश। ता
पश॥ मूर्धुवश॥ ॥ नजश। कृष्णश। सृतिपनिषद्वावलश॥ नजसुवला॥ ॥ कृष्णादीनां वलं दीर्घश॥ कृ
ष्णवलश॥ आसूतीवलश॥ ॥ अन्यलापि॥ क्षारुवलश॥ पूतुवलश॥ दन्तावलश॥ वन्धुवलश॥ ॥ दुडिव
लिवरुश॥ दुडिरुश॥ वलिरुश॥ वटिरुश॥ ॥ जनर्त्तिकयरुश॥ पत्रिमा। लवडुश॥ यरुदतदामावतो॥
यावान्। तावान्। जतावान्॥ ॥ किमश। किर्वतावस्थयश॥ कियान्॥ ॥ दम्॥ गवतावस्थयश॥ द्
यान्॥ ॥ गदादेरुश॥ गदाेरुश॥ कपालुश॥ दयालुश॥ ॥ डो॥ नयदेतादुनश॥ ददुनश॥ ॥ अस्मायामम

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

पंचवाकालिकृत्वा२

[illegible][illegible]

सुखमाशुयमिदं विहयमुदगमादनी ॥ अथ सर्वप्रक्रियामनाः कर्मातिशयतसकर्मव्यतिहासमाशुयान्यक्रियाकर्तव्यं वा २

स्कूलवृद्धः॥ ॥ संजुमं ववृत्तावनककापुथागः॥ सपर्यः१॥ वृथास्वः१॥ सपर्यः१॥ वृथास्वः१॥ ॥ क्रियासम
 विहानवदः॥ लूनीहिलूनीहिः१॥ लूनीहिलूनीहिः१॥ लूनीहिलूनीहिः१॥ ॥ कर्मव्यतिहानसंज्ञादिवादिहिलूनीहिलूनीहिः१॥
 लूनीहिलूनीहिः१॥ वदलूनीहिलूनीहिः१॥ वदलूनीहिलूनीहिः१॥ वदलूनीहिलूनीहिः१॥ ॥ तत्रादिस्यनिलीसमासवत्। असमासवत्तु
 पूर्वपदस्यविरक्तः१॥ सिनादलूनीहिलूनीहिः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥
 नकृत्। अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥
 स्यत्यादिस्यत्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥
 वा॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ अन्त्याः१॥ ॥ अन्त्याः१॥

[illegible]

नयतमरुस्यमित्यर्थः। मर्यादाहिति नतिक्रमश्चायनहीप्रयगवा द्वैदमित्यनायकः॥ मातायूजलमिधु
 नंगकृति। यो गुरुपुत्रो गुरुपाति मर्यादार्थः॥ व्यक्तमलपृथगवस्तुन। द्वैदव्यक्ताता॥ द्विवर्गसम्भ
 ल्धनपृथगवस्तुता॥ द्वैदयस्यागुलिप्रयुनक्ति॥ द्वैदसंकर्षलवासुदवो॥ श्रुतिव्यक्तो साहचर्य
 ल्यर्थः॥ ॥ चार्थद्वैदः॥ तिनिपातनातपूस्तेमपि॥ लवानियात्या॥ कल्यादयः॥ कोसंख्यायैवमिक
 ति॥ दा विकं॥ भ्रंभं प॥ दात्यं॥ दाघसं॥ भ्रंयस॥ ॥ ॥ ॥ तिग्रीनामरुडाग्रमतिनचिः
 तायांसिद्धाकृतीदिकायायूचि॥ तद्वितपुक्रियासमाफा॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१. दविकायां व४ म४ स४ नि४ पा४ चा४ विकान्न४ व४ म४ स४ दि४ यो४ ह४ । २. प४ र्ण४ । दी४ र्घ४ स४ न४ स४ नृ४ यी४ । ३. य४ स४ । ४. प४ र्ण४ । २

श्रीगणेशायनमः॥ ॥ धाता॥ ॥ दमधिक्रियत॥ ॥ आदि॥ क्रियावचनात्वादिर्धुसंज्ञः॥ आचनूदा
लुद्धित॥ अचनूदात्तादितद्व्यधातावात्॥ अस्त्यविततडरु॥ अस्तःस्वविततद्व्यधातावासकृ॥ पन
ताऽन्यत्॥ उक्तेनिमित्तहीनाद्वाताऽप्य॥ नेवप्य॥ तिवादीनामाद्यानिनववचनानियसंज्ञानि॥ पना
त्यात्॥ नास्त्रिययूष्मादियास्मदियरागे॥ तिवाद्यैकात्थेषूनामादिष्वपयदधेतपुण्ययाफिरित्ताणि
॥ स्थनोत्थया॥ नास्त्रिययूष्मानेय॥ द्वादययूष्मानपुथम॥ यूष्मादिमध्यम॥ अस्मद्यूरुम॥ क
र्तृविषय॥ आदात्॥ ॥ ॥ सत्ताया॥ वर्तमान॥ तिप्तसञ्ज्ञिसिप्थसुथमिप्वसुमसु॥ तञ्ज्ञातञ्ज्ञ
सञ्ज्ञात्थेष्वनुवर्तमान॥ वर्तमानार्थवृत्तधातास्तिवाद्यः॥ पुण्ययास्थू॥ ॥ वासंज्ञालु॥ अयुक्कर्तृवि॥

कजर्थवृत्तिवादिष्वचउर्षदिप्ययर्नवपवताधातात्रयस्यात्॥गुल्ल॥नामनस्यधातागुल्ल॥रुवति
॥अधिल्लादिर्हित॥पकारवर्तनौदिकध्रुविनान्यःप्रत्ययादिद्वतस्यात्॥रुल्लयग्रसि॥कितिदितिचवृ
द्धिगुल्लेनद्विचचिनरुहुकडस्यात्॥तितसिगुल्लपाफो॥अविमितागुल्ल॥रुवत॥अद॥अतालायारु
वत्यकावञकावञ॥रुवतिरुवसिरुवथ॥रुवथ॥व्या॥वमया॥यवता॥तश्चात्वेस्यात्॥रुवामिरु
वाम॥रुवाव॥सरुवतिरुवसिरुवामि॥यगपत्पाफोयव॥सयत्वेयरुवथ॥अहवत्वेवरुवा
व॥अहवत्वेवसवरुवाम॥॥विधिसंज्ञाचनया॥यातयातायूसयासयातीयातयामयावयामा
त॥याता॥नन॥शोथस॥शोयाथ॥शोध॥शोय॥शोवहि॥शोमहि॥विधि॥करुवा॥अपदेन॥संज्ञाचनः

५०

कल्पनंरुवादादय॥अवसिद्धाति॥या॥अन॥यथाया॥॥स्यात्॥रुवतरुवता॥युस्त॥अत॥पनस्य
यस॥जगम॥रुवय॥रुव॥रुवत॥रुवत॥यामिय॥अत॥पनोयामियस्यात्॥रुवय॥रुववरुवम॥
मिथ्यागुन॥ग्रयकारुवत॥रुवदसोवदविद्वाक्कलत्वात्॥॥आ॥॥युत्रलया॥युपता॥अहुर्हित
अनिय॥अवपु॥अमपु॥ता॥आ॥ता॥अता॥सु॥आ॥अर्थ॥धनेपु॥आ॥वहेपु॥आ॥महेपु॥अप्राकपु॥अर्थनमा॥॥
।यवस्थस्यार्थनसिनवा॥प्रमलीयवर्तनंरुवादादय॥अवसिद्धाति॥॥उ॥आ॥सा॥त॥का॥मिथिवा॥रु
वदुरुवतात्॥रुवता॥रुवनु॥अत॥पनस्यरुल्लयि॥रुव॥रुवत॥रुवत॥रुवत॥रुवानि॥रुवाव॥रुवाम॥
अथयनाथाअता॥रुवसोम्या॥अयुष्या॥नरुवदुरुवान्॥॥अन॥अन॥दियता॥अनु॥सिपु॥त॥अ

५८

[illegible]

[illegible][illegible]

वहि रुवमहि। रुवतां रुवतां रुवस्व रुवथां रुवधं रुवे रुवा वहै रुवमहे॥ अरुवत अरुवतां अरु
 रुवतं अरुवथां अरुवथां अरुवधं अरुवधं अरुवाहि अरुवामहि॥ वरुव वरुवात वरुवि वरु
 वरुविधं वरुवाथा॥ नामिनाः वरुवधं (धरु)॥ नामना दानाः पनस्य वी धं लूहं लिटां धं स्य दं स्य
 ठाहना दाना॥ वरुविधं वरुविधं वरुवधं वरुविधं वरुविधं वरुविधं॥ रुविषीष्ट रुविषीयासां रुविषी
 नन रुविषीष्टाः रुविषीयासां रुविषीष्ट रुविषीधं रुविषीय रुविषीवहि रुविषीमहि॥ रुविता रु
 वितामो रुविताम रुवितास रुवितासाथ रुविताध रुविताह रुवितासह रुवितास्यह॥ रुविष्यः
 त रुविष्यस रुविष्यथ रुविष्यध रुविष्य रुविष्यावह रुविष्यामह॥ अरुविष्यत अरुविष्यतां अरु

१०

रुविष्यत अरुविष्यथाः अरुविष्यथां अरुविष्यधं अरुविष्य अरुविष्यामहि अरुविष्यावहि॥ अरुविष्य
 अरुविष्यातां॥ आताः शता दनतः॥ आताः श्रुताः रुवयका वा दुरुवस्यन॥ अरुविष्यत अरुविष्यः अरु
 विष्यथां॥ (ध) सा ला यथा अरुविधं अरुविधं अरुविषि अरुविषिहि अरुविष्याहि॥ ॥ विता संहन ॥ उ
 पधायाल यथा॥ धाता नृपधायाल यथा नामिना गुणः॥ यतति यतत अयतत॥ पूर्वस्य रुसादिः (ध) वः
 ॥ पूर्वस्यादिहं सः निष्यतः न्याल्यत॥ यिष्यत विष्यतिथः॥ सः सिगद्यः त्यवयादिपु सिधात्रीट॥
 ००ट ००टि॥ ००टः पनस्य सलपि ००टि॥ अयतात् अयतिषीं॥ स्याविदः॥ समाता विदः पनास्योन
 उरुवति॥ अयतिषूः॥ यतिव आस्यन॥ यातति॥ यातत याततु अयातत अयात॥ ०० नितावा ॥

ॐ निता धाता द्वादि ४ पुत्रयारुवति य स न प वा द ॥ अथ तत् अथातीत् ॥ अति न द न ॥ अथातति
 अथातत् अथातत् अथातत् ॥ असात् व पा ॥ पूर्वस्य न सो त्य वा ४ ख पा ४ निषीत न म सा ॥ अथा
 त अथातीत् ॥ य का व न हि ता ३ वा यी ॥ अथातति ॥ मीथ विला उ न ॥ नीला य ० तिन ला प पा क ॥ मृसं या
 म न्न ॥ मृसं या म ल्म दि ४ कि न्न ॥ म मी थ दु ४ म था त् मी धि ता मी धि व्य ति अ मी धि व्य त् अ मी थि त् अ मी धि
 वी ॥ कूथि य धि लु धि म धि हि सा र्म क म न या ४ ० उ त ४ ० दि ता धा ता र्म म् ॥ कू ध ति ॥ कू ला ० ४ ॥ पूर्वस्य क
 व र्ग न रु का व या न्मृत् र व ति ॥ रु स्य व र्ग न च दु र्थ धा व् कू थ ॥ ० दि ता न्ना थान ॥ कू था त् कू धि ता कू धि व्य ति
 अ कू धि व्य त् अ कू धी त् अ कू धि र्थ ॥ वि ध न त्या ॥ आ द ४ प्र ४ स्त्र ४ ॥ धा ता धी ४ व त्त्र ल का व या ४ स का व न का

११

योरुवत ४ ॥ स ध ति ॥ आ द ४ प व र्वा स्त्रा दी नानि मा दी न वि धा न्ना स का व न का व या ४
 व का व र ल का योरुवत ४ ॥ व त्त्र ल त्व नि मि ल स ति ॥ नि ध ध ति ॥ न ल्य र्थ स्य स ध त र्न व ४ ॥ गं ग वि स ध ति ॥ अट दि
 त्व व व धा न पि ष ४ ॥ न्य व ध त् नि षि ष ध ॥ पि धू म् म् पु मा ग लो च ॥ उ दि ता वा ॥ उ दि ता धा ता ४ प व स्य व स्या
 द व न पी षा ॥ स्व व ति सू ति सू य ति धू ३ व ध न्म ल व द्द य द्द कू मू द्द स्त्र द्द त्ति हा य ॥ स्व व ति सू ति सू य ति
 पू ३ श्चो कि द्द सा द कू द नि ल्य मि ट् ॥ सि ष धि थ ॥ ता थ द्द ४ ॥ म र्ता ता द्वा न ४ प व या स का व थ का व या ध का
 योरुवति ॥ द धा त र्न ॥ म र्ज ज वा ४ ॥ सि ष द्वा स धि ता स द्वा अ स धी त् ॥ अ नि टा ना मि व त ४ ॥ अ व ता ना ३
 मि व त् अ नि टा धा ता वृ दि ४ ॥ अ त्या प व स्य ॥ अ स्ये सी त् ॥ म सा त् ॥ म सा इ रु व स्य स लो पि म स ॥ अ स्ये र्वा

असेत्सु॥ खदहेयहिसायां॥ अतडपकाया॥ कता नृपकाया अतावृद्धिर्लुति॥ खदाद॥ लवृत्तमाः
वासित्॥ अखादखद॥ लिख्य॥ पयसिर्लुत्॥ अखादीत्॥ अताहसादलधावृद्धिः सटिसो॥ अखः
दात्॥ गदयकायांवायि॥ प्रादिसुन्निमित्तेननस्यालगेदनदपतयदअपिदाक्षसुमादुमरुस्य
तिहेतियातिवातिडातियतिवयतिवहतिगम्यतिविनाविदग्धिषू॥ अन्यत्राकखादावषागेअशुः
ज्ञात्रालवा॥ पुलिगदति अगदीत् अगदीत्॥ नदविलचन॥ नमाद॥ लाय॥ पयां कियवास्या॥ पयादी
नापूर्वस्यलोपात्तवत्यकात्रस्य॥ एकहसमथसुस्यवजकात्र॥ कितिस्मदो सटिथयिष॥ नदकु॥ नदिथ॥
लदअवकागद॥ पुलिनदु॥ नदिथ॥ अर्दगतीयाचनवा॥ आत्मापुदो॥ नृगभा॥ अग्नातसकाया

[illegible]

[illegible]

यिधविवधः। अजिध विव्यथः। विव्य विवाय विवय विविधः। अजिव विविमः। अजिम वीयात्॥ नेकस्वना
दन्दात्॥ अथाच्चाव। १२ न्दात्। दकस्वनाच्चात्। ४ पनस्यवसादनिटन॥ ॥ अनिष्टनात्। रुवतीतिटन्य
गामिमाहुसदं। यवदन्ति तद्विदः॥ अर्दतमृदंतमृतांवदद्वु। अन्विजादिव। (युष्मधनादग्निः। अवापि॥ ॥ गल
कृमृदंतमृतांवदद्वु। अर्दतमृदंतमृतांवदद्वु। अन्विजादिव। (युष्मधनादग्निः। अवापि॥ ॥ गल
तानपियन्निदीधत॥ २॥ ॥ किमुकान्कश्चनिउकं॥ ॥ यत्तद्यसि॥ यसांतष्वसि॥ पुसावली॥ नहि॥ वरा
तव्यधमेधनयहिसुतसुताया लहिनवर्नतन॥ ॥ यमिर्यमांतश्चनिउकं॥ ॥ यत्तद्यसि॥ यसांतष्वसि॥ पुसावली॥ नहि॥ वरा
पुतमनि॥ नमि॥ यहु। अर्दनि॥ वर्यवमागमिमुषक॥ पुति॥ यधवाविना॥ ॥ ॥ दिहि॥ दूहि॥ मरुति॥ गहती

वहिनहिसुषवादहतिस्तथालिहि॥ १॥ म३निटा॥ हाविहमूकसंभयाग॥ लषूलाता॥ पुविहअकाहिता
॥ १॥ ॥ दिमिदमिदमिम॥ थाममिसुमिनिमिनुमि॥ मतिमसूमेविमि॥ लिमिचमिनिननिट॥ यूना॥ १॥
॥ प०तिपा॥ १०षूद॥ जेवनतवान्॥ ॥ ॥ नृधि॥ सनाधिर्यधिर्वधिसाधय॥ कूधि॥ कूधी॥ गुधतिव्यातयाधि॥ १॥ म३
धनादमवानिटा॥ मनास्त॥ यवसिधातिववननन॥ ॥ ॥ लिधि॥ पिधि॥ गुधतिपूयातास्त्रिधि॥ विविमिधि॥
गुधतिदूयाताद्विधि॥ १॥ मानूद॥ जेवापदि॥ गत्यनिहि॥ धोग॥ लषूलाता॥ नृधिकर्षतीतथा॥ ॥ ॥ तपितिधिः
वापिम॥ थवपिस्त्रिधि॥ लिधि॥ त्रिधि॥ यतिदूयातास्त्रिधि॥ स्त्रवलीनीयन॥ नृधि॥ कूधि॥ पिपुतीहि॥ पा०गान्ग
लितायुधाद॥ ॥ ॥ ॥ अदिहदिस्त॥ दिहिदिदिदिदूदान्गदि॥ सदि॥ सिधति॥ पयती॥ विदि॥ नृदि॥ गुदि॥ विध

तिर्विहृत्यपिप्रतीहिदातान्दशपंचवानिठ॥१०॥पर्विवर्चिविचित्रिचिर्वज्रियुक्तात्रिजिंसिचिम्बिरुः
जिहृजिहृज्जतीन्।त्यजियजियजिन्जिसंजिमज्जतीन्हुजिस्वजिंसुजिविजिंविद्यनिह्वान॥११॥वताश्रुव
षीत्किद्वय॥१२॥अनपियकावपयपूवस्यस्यदोर्ध्व॥द्वीयात्श्रुद्वीत्॥हुम्यहिंसायी॥प्राहंम्य
तःसुदृगविकर्तुनि॥पुपुम्यति॥गे॥डा॥श्रुपनयन॥डा॥श्रुवका॥वनयनसीतको॥यनहु॥जन
सनत्वनामात्संविद्विजिमसंयादोद्विजिवा॥सायात्सन्यात्॥वमश्रुदन॥शिवहृन्म्यावमादोद्विजि
॥श्रासामति॥श्रादुर्कि॥वमतिविचमति॥शिवनिवसन॥नामधुक्कृष्टिर्वासत्विन्॥वावतीशिवः
पूर्वद्वय॥वा॥तिववाटिवववावात्श्रुवतीत्॥कटतवतिववाया॥हृयतद्वय॥वसजादु॥व

दितो नवद्विः॥ अकटीत् ॥ रुनेहसि। अजोषीत् ॥ गुपूत्रक। ॥ आयश। गुपूधूपविश्वियलिपतिह
॥ स्वा। थ। आयपुहयय॥ अनचिदुवा ॥ सभाहु॥ यदादियुहयान॥ गव॥ भहुसंरुवति ॥ गभायति
गभायानेकात्र ॥ रुगभाय ॥ यत॥ यस्यात॥ अनचिले। य॥ गभाय्यात गुप्यात गभायिता गभापिः
ता गभाका अगभायायीत् अगभायीत् अगभायीत् ॥ मसात ॥ अगभायीत् ॥ जेव धूपेसंताथ ॥ तयसंताथ
॥ तयिथ ततयथ अतायीत् ॥ जयजल्यवाकायावाधि ॥ जपिथ ॥ कुम्पादविद्वप ॥ गगुहा गगुमुकुम्
कुमुगुलिगुटिलवाथावाकर्तुथषूयदुषू ॥ कुम॥ यदीयाधिविषय ॥ कामाति कामति ॥ सुकमाति नह ॥
अकुमीत् ॥ यमउपनम ॥ गमांहु ॥ गमयम् ॥ वृषांहु ॥ श्विषय ॥ यकुतियमिथययंथ ॥ यमिप्रमिनमा

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

दधौ ध्यात् अधासीत् ॥ सिलाययक ॥ अधात् ॥ उस्या लायश ॥ अध ॥ धटा रूतमा गुदिवादि य मादावादि
त्वत् ॥ अदधत् ॥ दधिन पुक् ॥ ८ ॥ ४ ॥ ययादिधा वउच्च विट् ॥ मसृ मद्रु सदया द्या ध्या म्ना दात् स्कीय
न्यमक् ॥ धी भीयसी दयि वजि ध्रुध ममनय कृतिष्ठा ॥ पश्यति ददर्श ॥ सुजिह्व ॥ मस्त्रु पावट ॥ ददर्श
थ ददृक् दृष्टा अडा द्वात् अडा द्वा ॥ मवर्तु ॥ मदर्श ॥ अदर्शत् ॥ मगतो ॥ मकृति अर्चुत् ॥ गु ॥ ३ ॥
ह्रिंसीसागम ॥ ४ ॥ अर्ह ॥ संया दम द ॥ मर्दत स्य च गु ॥ मय कियदि किति लदा वा गायो दीव ॥ अत्र अत्र
उ ॥ अ नृ ॥ अय ह्रिं वायता नाथ पा निह मिट् ॥ अविथ अर्यात् अविष्यति ॥ सर्हि म् स्यर्हि स्या दालुदि ॥
संनय वाद ॥ अ मत् ॥ अर्ह द्वादि व्रितिकचित् ॥ अर्षीत् ॥ सुगतो ॥ धावति ॥ गी द्युगता ववाय ॥ अन्यत् ॥ स

[illegible]

ध्यायत् अथासीत् । सा गतिनिवृत्तिवृत्ति । निमित्तातावनटस्यथः ॥ तस्मै अभितक्षेभूयात् न्यसात् ॥ आश्रयासः ॥
 ध्यायन् दानि स्यात् ॥ ध्यायन् दानि स्यात् ॥ ध्यायन् दानि स्यात् ॥ ध्यायन् दानि स्यात् ॥ ध्यायन् दानि स्यात् ॥
 ति दयात् अदात् ॥ कृकोटिः ॥ ऊर्ध्वननुभा ॥ मदीता स्थयानट ॥ ऊर्ध्वननुभा ॥ मदीता स्थयानट ॥
 ता यथा ॥ स्वत्रि सत्त्वात् सत्त्वत्रिथ सत्त्वर्थ सत्त्वत्रिव अस्वात्रीत् अस्वात्रिष्टी अस्वात्रीत् अस्वात्रीत् अस्वात्रीत्
 र्षः ॥ वृद्ध अत्रगमन ॥ वीधति वीधता ॥ नरुवीजजन्मनिपादुलेविव ॥ नाटा नाकति अत्रुद्धत् ॥ स्कदिन
 गति ॥ भवत्यथा ॥ वस्कदिथ वस्कस्थ स्कयभ अस्वीत्सीत् अस्वीदत् ॥ ए प्रवनतवलयो ॥ तत्रुभ
 विथ ॥ मतः ॥ तीयति ॥ ग्रीटा गृही ॥ गृहादीनामिह ग्रीका नानुभादो ॥ वृष्टवृद्ध मदीतानावा ॥ त
 रिता तत्रीता ॥ यस्यत्रिहानदीर्घः ॥ सी द्वा दध्य ॥ अतात्रीत् अतात्रिष्टी ॥ दीमदशन ॥ अविनेजदशसुजस

[illegible][illegible]

उधतं उधायक ॥ आमाखसान्तिकरुवि ॥ उधवद्वव उधमासत्रेधिर ॥ ॐ कदमनि ॥ ॐ कदवकने
 क्रिष्ट ॥ सुखगतो ॥ वसुधै क्वचित्पावै ॥ वसुधै क्वचित्पावै ॥ वसुधै क्वचित्पावै ॥ वसुधै क्वचित्पावै ॥
 ॥ मज्जगतो सुयव ॥ अज्जतं अज्जतं अज्जितं ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥
 ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥ मज्जितं अज्जितं अज्जितं ॥
 द्वाता ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥
 ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥
 ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥
 ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥
 ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥
 ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥ गुणवत्तलजाया ॥

८०

नद्वयव ॥ कृतं वक्तुं अकृतं ॥ कृतं वक्तुं अकृतं ॥ कृतं वक्तुं अकृतं ॥ कृतं वक्तुं अकृतं ॥
 वृद्धो ॥ पक्षाय ॥ लिङ्गद्वय ॥ लिङ्गद्वय ॥ लिङ्गद्वय ॥ लिङ्गद्वय ॥ लिङ्गद्वय ॥
 क ॥ ॐ लक्ष्मणस्य तना लक्ष्मण ॥ अथायि ॥ तापुसं तानया लया ॥ तताय अतायि ॥ सलवत्तलजाया ॥
 ॥ ववत्तलजाया ॥ ववत्तलजाया ॥ ववत्तलजाया ॥ ववत्तलजाया ॥ ववत्तलजाया ॥
 तं आगतं आगतं ॥ तं आगतं आगतं ॥ तं आगतं आगतं ॥ तं आगतं आगतं ॥ तं आगतं आगतं ॥
 या ॥ अगुप्तं ॥ मानवित्वा न ॥ यथा ॥ पूर्वस्थात ॥ मानवित्वा न ॥ मानवित्वा न ॥ मानवित्वा न ॥
 वधनिन्दया ॥ आदिजवानां ॥ वीरुत्तत ॥ यथावत्तलजाया ॥ यथावत्तलजाया ॥ यथावत्तलजाया ॥

८१

[illegible]

[illegible][illegible]

63

[illegible]

हलिरुगुह्यः सकालं तावका नतवर्गयोगाति ॥ अगूट अयूकज अयूकता अयूकत अगूटा अ
 यूकथा अयूकार्थ अयूक अयूकध अयूकि अगूकहि अयूकावहि ॥ तजसवाया ॥ रुजिथ वर
 क रुज रुका अरुकादीत अरुक ॥ मित्रसवाया ॥ मित्रियगु मित्रिय गीयात् अयिषी अमिनि
 यत् ॥ त्रिषदाफो ॥ त्रिषवति त्रिष त्रिषा अत्रिषत् अत्रिषत् अत्रिषागी ॥ स्याता धनस्यर्गनः
 याभा स्याति पस्या अस्याभात् अस्याभात् अस्यामिष ॥ लषकातो ॥ लष्यति लषत लषा ॥ नृजना ॥
 नजति ननृजिथ ननक नजात् नदका अ ननादकात् ननक ॥ नृजना ॥ वरुथ वरुव वरुधु
 अरुमान ॥ दधर्थ दधिध दधिद अधावीत् अधुत ॥ नृजना ॥ निनयिथ निनय अनेषात् अनेष ॥

८४

द्यावृयाधुसया ॥ ययाविष अयाविष ॥ यजदवयूजासंगतिक नलदानम् ॥ यजिथ यय अजय
 का अयाकात् अयय ॥ दवयवीजतु संतान ॥ उवयिथ उवयथ डुय डव्यात् वया अवायात् अ
 वक ॥ वरुप्रायला ॥ उवहिथ उवाट उरु डयात् वका अवाकात् अवाट अवाट अवकातो ॥
 वरुतु संतान ॥ वरुला दोन संपुसा नली ॥ ववो वव ॥ वरुला दो ॥ उवाप ॥ गृहादितिथ ॥ ग्रहिष
 वयिवाधिवरिव अतिपृक्त विविवतिरु कृती ना संपुसा नली किति दिति व ॥ वयायस्यनत्वे ॥ डयगु ड
 य ॥ उवयिथ डुय ॥ वयायस्य कितिलिठिवावा ॥ उवगु डुव डयात् वासी अवासीत् अवास्त ॥ वरुसंव
 नली ॥ वरुलिठिनात्वे ॥ विवायविवायिथ विवावीयात् वासी अवासीत् अवास्त ॥ वरुस्यहाया ॥ दि

नृकृत्य नृयनः संप्रसा नली ॥ शृङ्गा व शृङ्ग विथ शृङ्गा थ दूयात् कृसी सृ ॥ लिथिलिथि दूयती नोडा लृढिवा श्रु
ति ॥ अदूत अदूत अदूता सृ ॥ पूय च वया क ॥ धविथ ययं कृ यवं अया दूात् अयक ॥ अय समवा
य ॥ सर्व असायीत् असायीत् ॥ मय अका ॥ मय मका अमयीत् अमक ॥ हिक अवाक ॥
क ॥ जिहिक अहिकीत् ॥ अवेग तो याचन ॥ आनय अयीत् ॥ नदय विहाय ॥ विवट अवेटीत् ॥ च
नवद याचन ॥ यत अयतीत् चद अयदात् ॥ पाथ यया कौ ॥ पृथ अथयीत् ॥ मिद मद मधा हिस
या ॥ मिमिद मिमद अमदात् ॥ मधु संग मय ॥ मिमथ ॥ सिद मद कृत्सा सैनिक र्वया ॥ निनिद निनद
॥ मधु मधु कृदन ॥ गगुध अगधीत् ममधु अमधीत् ॥ वृधि न्वाधन ॥ अवाधीत् अवधत् अवाधित ॥

[illegible]

५५

प्रकाशित ३

मतीयमात् आर्हीयत मतीयावकु आनर्ह मतीयिद्यत आर्हिष्यति आर्हीत् आर्हयिष्य ॥ अदत्तकाल
॥ अदादत्सुक् ॥ अयष ॥ अरि अरु ॥ अदनि अयात् अरु ॥ मसादिह ॥ मसोत्तुकावाञ्चपत्रस्यरुधि
॥ अदि अरुत् ॥ अददादनरु ॥ नेदादब्धवत्रयादिपिपात्रगम ॥ स्यात् ॥ आदत् आद ॥ सिसया
नदद्यसुलिटिउवा ॥ ऊद्यास ॥ गमीस्तर्न ॥ घसाद ॥ घष ॥ ऊदु ॥ ऊद्यसिध आद आद ॥ आदिथ ॥
लुदित्तात्तुद ॥ अद्यसत् ॥ प्यात्तुका ॥ प्याति प्यायात् प्यात् ॥ आदत्तुदिधा ॥ नडसवा ॥ अस्यात् अ
प्य ॥ पयो पयाथ पयिथ प्यायात् प्यायात् अयासीत् ॥ मोमान ॥ प्राति अमू ॥ अमात् ममी प्रयात् अ
मासीत् ॥ याप्राप ॥ याति ययो अयासीत् ॥ वागति ॥ धनया ॥ वाति ॥ नादन ॥ नाति ॥ सोदानग्रहस्यो

॥ लातिललो अलासीत् ॥ अयाक ॥ अति ॥ अयात् ॥ अयात् अयासीत् ॥ दायलवनी ॥ दानि ददीदा
यात् अदासीत् ॥ दायकथन ॥ द्याति वर्यो ॥ अस्याति वंकि ॥ द्याति द्यादालुदि ॥ अर्यात् ॥ डाकूत्याया ॥ डा
ति डडो डोयात् डयात् अदासीत् ॥ पालुद्ध ॥ याति पयो पायात् अयासीत् ॥ हादी को ॥ हाति वर्यो अला
सीत् ॥ अ ॥ अवे ॥ स्त्राति सुस्त्रोस्त्रायात् स्त्रयात् अस्त्रासीत् ॥ वगकाको ॥ वष्टि इष्ट इष्टानि वदि इष्ट
इष्ट वष्टि इष्ट इष्ट ॥ इष्टात् वष्ट इष्टात् इष्टा इष्टानु इष्टि इष्टात् इष्टम् इष्ट वष्ट्यानि वष्ट वष्ट
म ॥ दिष्टा हस्तात् ॥ हस्तानां त्येनयादि पयिषा ह्याय ॥ अवट अवट ओष्टासू ओष्ट अवष्टम् ओष्ट
म् ॥ उवास् उवास् उवास् उवास् उवास् ॥ उवास् उवास् उवास् ॥ उवास् उवास् उवास् ॥ उवास् उवास् उवास् ॥

[illegible]

थ इवाथ भो मितवा मि इयात् इवायात् मो इ तवी तु हुतात् इवीतात् इताम् इवीताम् इहि इवाहि अतो
त अतीत् इताव ताता भाष्यति अतोषीत् ॥ नृणां द्व ॥ नोति नवीति नृत नृन विथ अनावीत् ॥ ५ ॥ मुतो ॥ नोति
नृन विथ अनावीत् ॥ इदं नृणां ॥ क्षोति क्षोत् वृक्ष विथ अक्षावीत् ॥ कृतजन ॥ क्षोति वृक्ष विथ अ
क्षावीत् ॥ अयुष्यवत् ॥ क्षोति सूक्ष विथ अस्त्रावीत् ॥ अश्रुतिगमन ॥ शोति द्यविथ दूधाथ अशोषीत् ॥ वृष
सर्वं तय्यथ ॥ सोति सूयात् सो इ अयोत् सूष विथ सूषाथ असोषीत् ॥ वृषाद्व ॥ कोति वृक विथ वृकाथ
अकोषीत् ॥ वी ॥ गति व्यापि पुजनका रूपं सनत्वा दानं व ॥ वेति वीत् विय निव मि व इवाहि अतत् अ
वियन् विवयिथ विवथ अवेवीत् ॥ नृति ॥ नृति ॥ यनि ॥ यात् अतत् अययि वका नृता नृवीत् ॥ ६ ॥

१ वि। म। ल। व। रा। म। त्वा। न। स्य। वि। वें। ल। व। स्य। स्र। य। स्य। प। क। यि। ति। व। क। यी॥ १

सगतो॥ जति ॐ त॥ ॐ ल॥ कि तिस्र नय॥ यकि अवि ॐ यात् अहु ॐ तात् ॐ तात् मयनु ॐ हि अयानि उत
 उताम् अयन उ० उत उत आयम् उव उम ॐ याय॥ ॐ ल॥ कि ति अ दो पूर्व सदा य॥ ॐ यहु ॐ यधि
 थ ॐ यथ ॐ यथ ॐ यात् अता॥ दाद० य॥ ॐ ल॥ सिलो यम॥ अगमत्॥ ॐ क० सन॥ ॐ दि० कवथ पस
 गति नयति ववत॥ अ० धाति अ० धात० अधियकि॥ ॐ ल॥ दि० क० विद हान॥ वलि चित्० विद कि व सि वि
 स्थ० वि स्थ व प्र वि द्ध० वि द्ध० वि दान नाना र्या दाना ल वा दि च॥ वि द० प न र्या दाना नाना र्या दाना नाना वा दि च
 वका वा॥ वद विद दु० विद० वस्थ विद थ० विद वद विद० वि प्र० विद्यात् वरु विदि॥ वरु न्या म् गु ट म ला व
 ० क नो य नू य या ग य वा॥ तना दनू य॥ विदी क ना तु॥ दि ल्य द० ॥ क० ॥ त उ न् दि ति॥ वि दी क् न ता त् वि दी क्

८८

नूताम् विदी क् त नु अ व न् अ वि द्० ॥ द० ॥ धा ता र्द स सि पि ना वा य दा न् ॥ अ व ० अ व त् वि व द ॥ अ मि वि
 द न् न गु ल ॥ वि दी व का न् अ व दी त् ॥ अ स न् वि ॥ अ कि ॥ न म सा र्द स ॥ प ल य स न मा र्द स र्द स ॥ अ का न
 स ला पा दि ति ॥ स० स कि ॥ सि स ॥ अ स ० स स ला प ० सा दो स ॥ अ सि स ० स अ सि स ० स ॥ सा त् अ पु
 सा त् स सी स दु अ पि अ सा नि ॥ अ स नी ट ॥ वि य मा ना स न् दा द न् य प न या दि स्या नी टा ग म ० स्या त् ॥ अ सी त्
 अ सी अ स न् अ सी ॥ अ स न न पि न् ॥ व अ व त्या दि ॥ मृ दू य ० ॥ मृ ज वृ दि ॥ कि तिस्र न वा ॥ मा र्द म
 र्द ० मृ ज कि मा र्द कि मा र्द मृ या त् मा र्द मृ दि मा र्द नि अ मा र्द अ मा र्द म मा र्द म मृ ज ० म ना र्द ० म मा
 र्द थ ० म मा र्द मृ या त् मा र्द ता मा र्द अ मा र्द ता अ मा र्द ता अ मा र्द ता ॥ व व य नि ला य ॥ व दि व क ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दृष्टिश्चिन्मन्त्रिर्ध्वं जेदु जेजतां ॥ लढाध्वस्यनद ॥ जेदुं णीं जं चक्रे जेडिष्ट ॥ णीं मजेन्धर्था ॥ णीं ष्ठं णीं
मिषं णीं मिषं णीं ष्ठं णीं मजेन्धर्था ॥ जेदुं णीं जं चक्रे जेडिष्ट ॥ जेदुं णीं जं चक्रे जेडिष्ट ॥ जेदुं णीं जं चक्रे जेडिष्ट ॥
दनं ॥ वस्तु वसात वसत वसीत वस्तु अवस्तु ववस अवसिष्ट ॥ वस्तु वसात वसत वसीत वस्तु अवस्तु ववस अवसिष्ट ॥
तसूतां ॥ सूतान्मनुष्यदुर्ष ॥ सूतं सूतावहे सूतामहे असूत सृष्टं सविषीष्ट सौषीष्ट असतिष्ट अ
साष्ट ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥ गीदस्तु ॥
गयात ॥ गयातां गयाताम् अगयात गी ॥ गयातां गयाताम् अगयात गी ॥ गयातां गयाताम् अगयात गी ॥ गयातां गयाताम् अगयात गी ॥
यात अधीयत अधीयीत अधीतां अध्येयतां ॥ अधीयत अधीयीत अधीतां अध्येयतां ॥ अधीयत अधीयीत अधीतां अध्येयतां ॥ अधीयत अधीयीत अधीतां अध्येयतां ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

वकान जिह्वाय अङ्गेषात् ॥ यदा लनयूनराधा ॥ मयात्रिः पूर्वस्य ॥ मयाः पूर्वस्य ॥ तूलकि ॥ पिय
 हि ॥ पावून ॥ पवननदिकानां च मृतडन ॥ यिपूर्वः ॥ यिपूतति यि यवि यियूर्यति अयिपन ॥ ययात्र ययन
 दुः ॥ ययत्रिधयूर्यत ययिता यमीता अयामीन ॥ ययात्र नयूनराधा ॥ यिपरिहिं यिपूतः ॥ यिप्रतिपयुत
 ॥ ययथ यियात ययिवाति अयामीन ॥ डाहाक स्यात् ॥ जहाति ॥ दसो ॥ द्विन्कस्य धाता नाता लाधादिति
 हसं ॥ जहाति ॥ हाकाया दादावालोप ॥ जहात् ॥ जीवहि ॥ जहात होयन जी कानावा ॥ जहिहि जही
 हि जहाति ॥ जहो ॥ दादय ॥ दयात् अहासीत् ॥ मगतो ॥ असव ॥ सुस्त्रन ॥ य ॥ यरिहि ॥ मृत ॥ य
 ति ॥ मृयात् ॥ यरिहि ॥ यमृतां ययन ॥ अत्र अयानि अत्रत् ॥ ॥ इति ॥ ॥ डाहादुगते ॥

२३

रु अल्लकि ॥ पूरु अहाद् माढी पूर्वस्यात् ॥ तूलकि ॥ जिहीत जिहात जिहृत जह अहास ॥ माहू
 मान ॥ मिमीत मम अमास ॥ ॥ ॥ ॥ पूरु अक्षीन सपाषाणया ॥ विरुहि विरुत ॥ विमु
 नि अविह ॥ विरुनाचकान वरानवरु र्धेवरु ववरु ह रुषी ह अरावीत् अरुत ॥ पूदा अदान
 ॥ ददाति ॥ दाद ॥ द्विन्कानां दाक्ष अता लाधादिति ॥ दह ॥ ददति दह ॥ दाहो ॥ अपि च धा मत्तयू
 र्वस्य तलायाहो ॥ दहि अददात् ददिध ददाथ दयात् अदित अदिषाता ॥ पूधा अक्षान सपाषाणया
 ॥ दधति ॥ पूर्वस्य दिति म सध ॥ धा ॥ पूर्वस्य दकान धादिति म सधन ॥ धरु ॥ दधति धरुध
 हि धरुध ॥ धयात् अधात् अधित ॥ तिजिब ॥ धेवधा वलया ॥ तिजगुल ॥ तिजविज विवा पूर्वः

[illegible]

नसने॥सस्त्रास।कसकोटिल्यदीष्टा॥चक्रसिध अक्रासीत्॥वृषत्त्रिषुषदाह॥व्यासंयथावि
थ॥नृतीगुविद्वप॥नृत्तुदचुदचुत्तुद्व्याः॥सादनिष्टा॥नेत्यति नहिष्यति अनर्हीता॥गु
सीडद्वग॥गुस्यति गुसति गुसदुःतगुसदुः॥कथयतीताव॥चकाधिथ॥यूथहिसाया॥अवाधि
त॥गुधपत्रिवृष्टन॥अगधीत॥द्विपप्रन॥द्वका अद्वेयीत्॥यव्यविकसन॥यव्युति यव्युष
॥तिमधि मधीम अदी ताव॥तिम्यति तिष्टमिथ अस्मीत् अस्मीत्॥वाउलङ्गाया॥अवीगीत्
॥अवगीतो॥अवीत्॥वरुषुवरुको॥असहात् असाहात्॥द्वषं नमृषवयाहानो॥जीयति जज
नदुःजनदुः अजनत् अजागीत् अमागीत्॥गेतनकवला॥म्या॥यपुत्ययभातामात्ताय॥अयति

ग॥ गे अ॥ अ॥ अ॥ सी॥ त॥ ॥ क॥ क॥ द॥ न॥ ॥ कृ॥ ति॥ अ॥ कृ॥ त॥ अ॥ कृ॥ सी॥ त॥ ॥ वा॥ अ॥ त॥ क॥ म॥ स॥ ति॥ स॥ या॥ त॥ अ॥ सा॥ त॥
 अ॥ सा॥ सी॥ त॥ ॥ दा॥ अ॥ व॥ ख॥ लु॥ न॥ ॥ य॥ ति॥ द॥ या॥ त॥ अ॥ दा॥ त॥ ॥ ना॥ ध॥ सा॥ ध॥ म॥ सि॥ द्वा॥ ॥ ना॥ ॥ क॥ र्क॥ म॥ का॥ द॥ व॥ य॥ भ॥ ना॥ थो॥
 ति॥ न॥ वा॥ धि॥ थ॥ ॥ वा॥ ध॥ ता॥ उ॥ न॥ ॥ वि॥ धा॥ ति॥ वि॥ वि॥ ध॥ दु॥ ॥ वि॥ धा॥ धि॥ थ॥ वि॥ द्वा॥ वि॥ धा॥ त॥ द्वा॥ अ॥ वा॥ सी॥ त॥ अ॥ वा॥ द्वा॥
 ॥ य॥ ध॥ य॥ द्वा॥ ॥ वा॥ द्वा॥ या॥ कृ॥ ति॥ अ॥ य॥ ध॥ त॥ ॥ ह॥ य॥ म॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ म॥ कृ॥ ति॥ अ॥ शु॥ ध॥ त॥ ॥ शु॥ ध॥ यी॥ ती॥ ॥ ता॥
 द्वा॥ ता॥ कृ॥ ति॥ अ॥ शु॥ ध॥ त॥ ॥ द॥ ध॥ व॥ कृ॥ त॥ ॥ दा॥ द्वा॥ अ॥ द॥ ध॥ त॥ ॥ मि॥ ध॥ अ॥ लि॥ ग॥ न॥ ॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ म॥ कृ॥ ति॥ ॥ मि॥ ध॥ ना॥
 लि॥ ग॥ न॥ स॥ क॥ दा॥ य॥ वा॥ द॥ ॥ आ॥ मि॥ कृ॥ त॥ क॥ न्या॥ व॥ र॥ ॥ अ॥ ना॥ लि॥ ग॥ न॥ स॥ म॥ मि॥ ध॥ र॥ कृ॥ त॥ का॥ र॥ ॥ मि॥ धि॥ दा॥
 ग॥ त॥ य॥ कृ॥ त॥ ॥ ॥ स्व॥ हा॥ अ॥ सि॥ द॥ त॥ ॥ कृ॥ ध॥ का॥ धा॥ ॥ का॥ द्वा॥ ॥ कृ॥ ध॥ व॥ कृ॥ द्या॥ यी॥ ॥ दा॥ द्वा॥ अ॥ कृ॥ ध॥ त॥ ॥ शु॥ ध॥ र॥

२५

व॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ वि॥ ध॥ र॥ ना॥ द्वा॥ ॥ स॥ द्वा॥ ॥ व॥ ध॥ हि॥ सा॥ या॥ वि॥ ॥ व॥ र॥ धि॥ थ॥ न॥ न॥ द्वा॥ न॥ री॥ धि॥ व॥ न॥ ध॥ ॥ लि॥ ध॥ र॥ ॥ ॥ ति॥ न॥
 ॥ ध॥ र्क॥ म॥ ॥ व॥ धि॥ ता॥ न॥ द्वा॥ अ॥ न॥ ध॥ त॥ ॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ द॥ र्क॥ न॥ ॥ न॥ धि॥ थ॥ ॥ म॥ धि॥ न॥ ॥ म॥ र्क॥ स॥ न॥ म॥ ॥ न॥ र्क॥ न॥ धि॥ व॥ न॥
 ॥ व॥ न॥ धि॥ ता॥ न॥ द्वा॥ अ॥ न॥ ध॥ त॥ ॥ ॥ ह॥ य॥ म॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ म॥ कृ॥ ति॥ अ॥ शु॥ ध॥ त॥ ॥ शु॥ ध॥ यी॥ ती॥ ॥ ता॥
 द्वा॥ ता॥ कृ॥ ति॥ अ॥ शु॥ ध॥ त॥ ॥ द॥ ध॥ व॥ कृ॥ त॥ ॥ दा॥ द्वा॥ अ॥ द॥ ध॥ त॥ ॥ मि॥ ध॥ अ॥ लि॥ ग॥ न॥ ॥ ॥ म॥ ध॥ र॥ ॥ म॥ कृ॥ ति॥ ॥ मि॥ ध॥ ना॥
 लि॥ ग॥ न॥ स॥ क॥ दा॥ य॥ वा॥ द॥ ॥ आ॥ मि॥ कृ॥ त॥ क॥ न्या॥ व॥ र॥ ॥ अ॥ ना॥ लि॥ ग॥ न॥ स॥ म॥ मि॥ ध॥ र॥ कृ॥ त॥ का॥ र॥ ॥ मि॥ धि॥ दा॥
 ग॥ त॥ य॥ कृ॥ त॥ ॥ ॥ स्व॥ हा॥ अ॥ सि॥ द॥ त॥ ॥ कृ॥ ध॥ का॥ धा॥ ॥ का॥ द्वा॥ ॥ कृ॥ ध॥ व॥ कृ॥ द्या॥ यी॥ ॥ दा॥ द्वा॥ अ॥ कृ॥ ध॥ त॥ ॥ शु॥ ध॥ र॥

अमत्॥ तम्कांक्षया॥ ताम्यति॥ दम्भमनाया॥ अदमत॥ दुर्मतयसिखदव॥ अमुमत॥ उ
मुन्ननवस्तान॥ आयति॥ उमति॥ वज्राम॥ उमदुःखउमदुःखेउमत्॥ कम्पसहन॥ काम्यति॥ कृ
मिवेचक॥ अक्रमत्॥ क्रमल्लो॥ क्वायति॥ क्वामति॥ अक्रमत्॥ मदीरुर्ष॥ मायति॥ मदिय॥ अमदत
॥ ममादया॥ मसेकेवल॥ अस्यति॥ आस॥ अस्यतेस्कुकद॥ अस्कृत॥ यस्यप्रयत्ने॥ अनूपस
र्गाद्यस॥ संपूत्रद्वियावा॥ यस्यति॥ यमति॥ संयस्यति॥ संयसति॥ डयस॥ गडि॥ ययस्यति॥ जस
माक॥ ल॥ जस्यति॥ तस्मद्सुडपद्वय॥ तसिथदसिथ॥ वससक्त॥ ववसदुःखवसिता॥ विसृज
॥ कससै॥ ल॥ कायिता॥ वसडसर्ग॥ वासिता॥ मसरबधुत॥ मासिता॥ मसीसमापविमाल

॥मसिथ॥ल० विलाउन॥लाहिता॥उयसमवाय॥डवाचउत्तु॥रुगार्थुश्रुधपतना॥वरु
निधुत्रयतिश्रुत्रगत॥वृणवनासा॥ववनिधि॥कृतातनूकनला॥चकनिधि॥शिरुषपियासा
या॥ततविधि॥रुषदुष्टो॥ऊरुविधि॥नृषत्रिषहिंसाया॥नासिनाग्रायात्रविनात्रष्टो॥दियक्षप
॥दयिता॥कूपकाध॥कायिता॥गुपयाकूलत्वे॥गपिता॥यूयलपूयूविमाहन॥यापिता
नापितासापिता॥लुरुश्राकादाया॥लाहितालावा॥कूरुसंयजन॥काहिता॥हिदूआदीला
य॥कृदिताकृता॥उमिदासहन॥मिदरुलभय॥मयति॥उमिदासहनमाहनया॥कृदिता
॥मधुद्वी॥अनर्द्ध॥गृध्रहिकोदाया॥ऊगविधि॥ ॥००तिपूषदय॥ ॥००तिप॥ ॥

पूज्यालियुसवा॥सुष्विषकातासविता॥दूदपमिताप॥दूदविदूदूदविधदविषीर॥दीद
 दयदीदायदूदितिस्वनस्य॥दिदीय॥मीनातिमिनातिदीदागुलवृद्धिविषयकपिवश्रात्नी॥दाता
 दास्यतश्चदास॥डीदविहायसागतो॥डीयतडिडाउयिष्यत॥धीदूआधन॥दिधिदूदिधिध
 अधर॥मीदयुलविधीग॥भता॥नीदुप्रवरा॥गिर्यिष॥लीदू(भ्रम)ला॥लीलीढानात्नीवागुल
 वृद्धिविषयकपिय॥लिल्यलतालाताश्रुलासुश्रुलर॥वीदुवनल॥वृष्यत॥सादपडादिनक्ष
 पीदुपान॥श्रवण॥मादुमान॥श्रमासु॥शीदगतो॥श्रयीवेकनेर॥पीदुप्रातो॥पिपुथ॥जनी
 पादुर्तादी॥सूजभाजाचकुर्व॥जायतजह्नुजनिताश्रजनिश्रजनिष्टश्रजव्यता॥दीपीदीपी॥दि

२१

दापिषश्रुदापिश्रुदापिर॥पूनीश्रुयायन॥श्रुयुत्रिश्रुयुत्रिर॥तूनीगतित्वनलहिंसनयाश॥वृत्त
 त्रिष॥तपत्रेधय॥तयततयतका॥वावृत्तवत्रल॥वावृत्ततश्रुवावर्हिर॥यदगतो॥यदय
 रु॥पदत्रिलतानि॥श्रुयादिश्रुपसाता॥विददेन्य॥खलाश्रुतिरु॥विदसहायी॥वित्सीरश्रुचिः
 रु॥वृधश्रुवठामन॥श्रुत्सीरहास्यतश्रुवाधिश्रुवृद्धश्रुश्रुसाता॥यूधसंप्रहात्र॥यूत्सीरुयाहा
 ॥श्रुनृधकाध॥श्रुनृत्सीरश्रुनृनाहा॥मनरुान॥भनिधमंताश्रुमंरु॥यूजसमा(भो)या
 का॥सृजविसर्ग॥सृशतयुक्षश्रुसृष्टश्रुसृष्टता॥लिभश्रुत्सीराव॥लिक्कीरलंकाश्रुलि
 कतश्रुलिकता॥॥रूपात्॥॥मृषतितिक्षाया॥ममृविषमविष्यति॥॥श्रीशुचित्रकंद॥श्रु

[illegible][illegible]

उ३ ससाधिध३ असासीत असादी ॥ धि३ धाया ॥ धा३ धाति अधर्षीत ॥ दं३ ददर ॥ धि३ धिर्गधिदरि
 र्धा३ लिठ३ कि३ त्वंवा ॥ दं३ रलि३ र्धु३ त्ववृ३ त्वा३ यो ॥ ददरु३ दरु३ ददरु३ उ३ दरि३ धं३ ददरि३ धा ॥ मधु३ वृ३ दो ॥ म३ धा
 ति३ अन३ द्र३ अन३ ध३ उ३ ॥ दि३ हि३ सा३ यो ॥ दि३ ला३ ति३ अ३ द्द३ सी३ त ॥ ॥ ॐ३ ति३ यी ॥ ॥ अ३ गृ३ वा३ यो३ सं३ घ३ ति३ य ॥
 अ३ न्न३ त३ आ३ न३ ॥ अ३ द्वा३ र३ अ३ नि३ वी३ र३ अ३ नि३ ता३ अ३ द्वा३ अ३ नि३ र३ अ३ द्वा३ अ३ द्वा३ ता३ ॥ धि३ य३ अ३ स्त३ न३ न ॥ सि३ धु
 त३ ति३ हि३ धि३ य३ अ३ स्त३ धि३ य ॥ ॥ ॐ३ ति३ स्वा३ द३ य३ ॥ ॥ नृ३ धि३ न३ आ३ व३ न३ ॥ नृ३ धा३ द३ न्न३ म ॥ क३ र३ त्रि३ य३ उ३ र्ष ॥ नृ३ धि
 ॥ न३ म३ सा३ स्या ॥ नृ३ ध३ ॥ नृ३ ध३ ति३ नृ३ सि३ ल३ नृ३ ध३ नृ३ धा३ त३ नृ३ धी३ त३ अ३ नृ३ ल३ त३ अ३ नृ३ दी३ अ३ नृ३ ॥ अ३ नृ३ ल३ त३ नृ३ नृ३ धि३ यः
 अ३ नृ३ सी३ त३ अ३ नृ३ ध३ त३ अ३ नृ३ द्द ॥ हि३ दि३ न३ वि३ द्या३ न३ ॥ हि३ नो३ हि३ अ३ रि३ न३ त३ अ३ रि३ न३ ॥ अ३ रि३ द३ नृ३ अ३ र३ सी३ त३ अ३ रि

२२

रु ॥ हि३ दि३ न३ द्धे३ धी३ क३ न३ ॥ हि३ न३ हि३ हि३ हि३ चि३ हि३ द३ हि३ त्वा३ र ॥ त्रि३ वि३ न३ वि३ न३ व३ न ॥ त्रि३ ल३ कि३ अ३ नि३ ल३ क३ अ३ निः
 च३ त३ अ३ न३ द्वा३ त३ अ३ त्रि३ क ॥ वि३ चि३ न३ पृ३ थ३ ग्रा३ व ॥ वि३ द३ क३ अ३ वि३ च३ त३ अ३ व३ द्वा३ त ॥ क३ दि३ न३ स३ धि३ य३ ॥ ॥
 क३ र३ अ३ द्द३ द३ त३ अ३ द्वा३ सी३ त ॥ य३ जि३ न३ यो ॥ अ३ य३ जे३ त३ अ३ यो३ द्वा३ र३ अ३ य३ क ॥ उ३ द्द३ दि३ नृ३ दा३ पि३ द३ व३ न३ यो
 ॥ क३ र३ हि३ क३ र३ क३ र३ सी३ र३ च३ दि३ वी३ र३ अ३ द्द३ द३ त३ अ३ द्द३ दी३ त३ अ३ द्द३ दि३ र३ ॥ उ३ र३ दि३ न३ हि३ सा३ ना३ द३ न३ यो ॥
 रु ॥ हि३ रु३ रु३ त३ स्या३ ति३ त३ दि३ ध्या३ त३ अ३ त३ दी३ त३ अ३ त३ रि३ र ॥ ॥ ॐ३ र३ रा३ रा ॥ ॥ मि३ धु३ वि३ ग्रा३ व ॥ मि३ न३ र३
 मि३ नृ३ ॥ मि३ नृ३ ति३ ॥ मि३ नृ३ ति३ अ३ मि३ व३ त ॥ पि३ धु३ स३ वृ३ न ॥ प३ द्वा३ प३ द्वा३ ति३ अ३ पि३ व३ त ॥ रु३ जा३ अ३ म
 द३ न ॥ रु३ न३ कि३ व३ र३ जि३ ध३ व३ र३ क३ रु३ का३ अ३ र३ द्द३ दी३ त ॥ रु३ ज३ वा३ ल३ ना३ स३ व३ र३ ना३ यो ॥ अ३ नृ३ ने३ क३ अ३ र३ दी३

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

नृक्षान्नदीर्घः॥ कृषात्॥ सुठविकसनं॥ सुठिता॥ मूठआकवपुमर्दनथा॥ सुठकुदनं॥ सुठुति
ठति॥ सुठकल्लकर्मलि॥ सुठिता॥ सुठकुठकुदनं॥ सुठवधन॥ सुठमद॥ सुठसंल्लखला॥ सुठद्वन
त्वं॥ सुठिगा॥ सुठवात्सं॥ सुठउत्सर्ग॥ सुठपुतिघात॥ सुठनसुठन॥ सुठलसंवलन॥ निनिविद्य
॥ सुठनतिसुठलया॥ सस्यधावा॥ निःसुठनति निःसुठनति निःसुठलति निःसुठलति॥ सुठवत्तं॥ अनूवा
त्॥ सुठविधननं॥ सुठवीत्॥ सुठप्रीवात्सर्ग॥ सुठविध सुठध सुठवीत्॥ सुठगति सुठयथा॥ सुठवीत्॥
॥ सुठिकठादयः॥ सुठीकुदनं॥ सुठति कर्हिष्यति सुठस्यति सुठकलति॥ सुठिगवत्॥ सुठति॥ सुठि
नतं॥ सुठनस्यलावा॥ सुठलति सुठगवीत् सुठगलीत्॥ सुठनस्यननं॥ सुठस्य सुठस्य सुठस्य सुठस्य

कत॥ प्रकृष्टीयाया॥ प्रकृति प्रपादोत्॥ सृजविसर्ग॥ ससर्जिथ ससृष्ट सृष्टा प्रपादोत्॥ दृम
सु॥ मुदो॥ मज्जति मदका प्रमादोत्॥ विकृगगो॥ विकृयति विकृयति चकार विविक्त॥ ॐ ॐ
काया॥ ॐ कृति नृकृत् ॐ यथ ॐ यथेध अविता अष्टा उषीत॥ विंग पुर्वगम॥ विष्टा अविद्वत्॥ मृग
प्रमर्शन॥ प्रमादोत् प्रमादोत् प्रमदोत्॥ प्रियिगती॥ प्रियति पियति यता यता॥ धिधनलो॥ द्वि
निवासगया॥ प्रपुनोत्॥ स्रवति॥ कृविद्वेय॥ किरति चकन पु॥ उपाति नरंश्य उगम अदधे
हिंसाया पुन॥ उपस्क्रिन्ति॥ नृजालो॥ नृजोदोत् नृजोदोत्॥ नृजोकोटि॥ लोका अलोदोत्॥
कृपस्य॥ कृपा अकृषीत्॥ नृमत्रिगहिंसाया॥ नृम अकृदत् नृम अत्रिकृत्॥ लिगगती॥

लक्ष्मि अलिङ्गत् ॥ खिदय निद्यात् ॥ खिदति स्वरु अखेसीत् ॥ पिण्ड अवजव ॥ पिण्डाति धाता ॥ ॥ ॐ ति य
॥ ॥ रुषी प्रिति सवनयोः ॥ रुषन ॥ उविजी हयवल नयोः ॥ उविजत ॥ विजघ्न पत्रं ॥ गदि पुष्य यदि ता
उद्भि जिता ॥ डाल जी डाल लडा वीड ॥ ले जल लङ् ॥ पृढ वाया म ॥ अय कि ॥ मता विद्ध त्वस्य कान पुष्य
यकि च ॥ नूधता ॥ व्यापियत व्याप्रियन् व्यापृत व्यापृषात् ॥ मुद्र पा लखा रगे ॥ म्रियत लृढ लिढा
व्य दुर्षवान्नात्मन ॥ म्रियत समान समर्थ मृषीष्ट अमृत ॥ दृढ आद न ॥ आदियत आददु आदधीष्ट
आहृत ॥ धृढ अवस्तान ॥ ध्रियत ॥ ॥ ॐ ति दुदा दयः ॥ ॥ दुक्ती अद्वय विनमये ॥ नाकादः ॥ कर्तु वि
चतुर्षः ॥ कुलीति ॥ ॥ रुष ॥ ना ॥ ॐ त्यस्या कात्रस्य ॥ तीतदिति रुष ॥ कुलीतः ॥ नातः ॥ ना ॥ ॐ त्यस्या का

[illegible]

शाचदुर्ष ॥ पूनाति अयावीत् ॥ लु अकुदन ॥ लुनाति ॥ लु अकादन ॥ लु अति तसुवदुःस्तीया
त सुविषीष्ट स्तीषीष्ट अस्तीवीत् अस्तीवीष्ट अस्तीविष्ट अस्तीषीष्ट ॥ क अहिंसायी ॥ क अति वकना
वु अवनल ॥ वृ अति वृयात् वृविषीष्ट वृषीष्ट अवनिष्ट अवगीष्ट अवृष्ट ॥ धू अकपन ॥ धूनाति
इधविथ दुःखध ॥ धना धविता अधावीत् अधविष्ट अधाष्ट ॥ ग रुडयादान ॥ ग अति गृहान गृही
षीष्ट गृहीता अगृहीत् अगृहीष्ट ॥ ॥ ० ॥ ॥ अहंसायी ॥ अ अति ॥ अ अहंसावालिष्टि ॥ म
म नदुःम गृदुःमीयति मवीना मविता ॥ पृ पालनयूननया ॥ पृ अति पृपवदुःपूर्यात् ॥ वृ वनल
॥ वृ अति वृववदुःवूर्यात् ॥ रु रुत्पनरुननया ॥ रु अति रुर्यात् ॥ मृ हिंसायी ॥ मृ अति मूर्यात् ॥ दृ

[illegible]

॥मृदमृज्झाद॥मृदानमृजान॥गुधमाध॥गुध्नाति॥कृषनिष्कृष॥कृषाल॥निनःकृषावसादनिष्ठा
नपि॥निष्काषितानिष्काष्टानिनकावीतनिनकृद्धत॥कुरुसंचलन॥कृद्नाति॥कृद्नादिषूनयत्वं
॥कूरान॥नरुदुरुहिंसाया॥क्रिष्टुविवाधन॥क्रिमेति॥अक्रुहीत॥अक्रिद्धत्॥अग्राराजन॥अग्र
तिअग्र॥उधुसउच्छ॥धुस्त्राति॥उकाभाक्षत्वयव॥त्यक्त॥उधुसांचकान॥विषविपयाग॥वि
षालवशाअतिद्धत्॥पृषयूक्षो॥पाषिता॥मृषस्तय॥पाषिता॥स्ववस्ववहि०मृतपादूरुक्ष॥रतवृ
ति॥वस्यडोन॥खोनातिहिकृति॥ ॥००॥ ॥वृद्धसूरुको॥वृणीतवृषअवनिष्टअवनीष्ट
अवृत्ता॥इतिक्वादयः॥ ॥वृनस्तय॥वृनाद॥स्वाथेजिष्ठ॥ ॥सधुद॥वीनयतिवीनयांचकान

वार्यान् जीनयिता ॥ अत्र द्वाविंशति ॥ १७३४ ॥ अदिलक्षो दुस्रदयधया ॥ लघादीर्घ ॥ अचूचत ॥
 चित्तिस्मृत्वा ॥ चित्तयति अचिचित्त ॥ वृत्तादर्थिर्वतिकचित् ॥ चितति ॥ यत्ति सैकावन ॥ यत्तयति
 अययित ॥ अलडिउदय ॥ अलीउयति अलीउति ॥ अकान्दित्यक ॥ लीउयति लीउति अल
 लीउत ॥ पीउअवगम ॥ प्राकृतासराषदीपमीलपीउवायधया दुस्रादयनडो ॥ अपीपिउ
 त अपीपीउत ॥ पृथपुरगान ॥ प्राथयति प्राथान् ॥ स्मृदुत्वनपुपृथमुदरुस्येर्त्तपूर्वस्मृदद
 पनेडो ॥ ०० लोपवाद ॥ अपपृथत ॥ पृथपृथय ॥ पृथयति पृथयति चकान ॥ उपधामवर्तुस्यम
 दाइदुपनेडो ॥ ०० नगामामपवाद ॥ अपीपृथत अपपृथयति ॥ अरुअदन ॥ अवरुदत ॥ ॥ ॥
 १ अतिविषय ॥ अननदत् अस्ससंजदिया पाविहदी चादिर्कपाप्राति ॥ सीद्दयति अनसामभति ॥ गुनसंज्ञायां सत्त्वतदुपसंज्ञानपवर्तत ॥ १

٢٥٢

पुनः सुदवन्तः ।

वनयती २

नमस्तयति १ गोयमाने

ददनत् ॥ वदिवत् ॥ पूर्वस्यात्वादि ॥ अववत् अववत् अववत् ॥ आदादी
को ॥ अविशुद्धत् अवशुद्धत् ॥ कलत् कलत् कलत् ॥ कलत् कलत् कलत् ॥ कलत् कलत् कलत् ॥
वीकलत् अवकात् ॥ स्वायत्तम् ॥ संपुसात्तम् ॥ असुषुपत् ॥ अयत्तम् ॥ अयत्तम् ॥ अयत्तम् ॥ अयत्तम् ॥
आदा ॥ अविशुद्धत् अवशुद्धत् ॥ जिद्युत् नृपध्या ॥ अदि ॥ अजिद्युत् अजिद्युत् ॥ सिध्यत्
नेहलोकिक ॥ अन्तसाधयति अन्तसाधयति ॥ पुजनवायतनात्वा ॥ अन्तसाधयति ॥
वाययति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
दादा ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥

११०

मिताङ्गत् ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
न ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
चकलको ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
ति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
रु ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
जनी ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥
मृगमत् ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥ अन्तसाधयति ॥

सर्गद्व॥ कलयति कलयति ॥ कलकलवलनं ॥ कलयति कलयति ॥ ग्लास्त्रावनूवमात्रास्त
ययति स्त्राययति स्त्रययति ॥ नकम्यमित्रमां ॥ कामयतं ॥ अमगतौ ॥ आमयतवामयति ॥ अम
तिदहंनमिन्न ॥ निष्ममयतिनृपं ॥ यच्चुतिरुजिनता ॥ अमृतामिन्न ॥ आयामयति ॥ स्वदिनवयनि
र्यामिन्न ॥ अत्रसवादयति ॥ ॐ ष्यं अकृति ॥ ॐ ष्यं नरुतायादि ॥ रुतायादुसुनकस्तनावा ॥ अदि
नेष्यिष्यत् ॥ द्वितीयपदसांत ॥ ॐ ष्यं षिष्यति ॥ आदिपद ॥ ॐ ष्यं षिष्यति ॥ ष्यिष्यीत् ॥ अदिदु
॥ स्वनादः यत्र ॥ ष्यिष्यत् ॥ ॐ ति अतिपुक्रियां ॥ ॐ ष्यामात्मनः स ॥ क्षतामात्मनः ॐ
क्षायामार्थस्य यथादि ॥ रुविपुमि वृतिवृषति ॥ वृषावकावश्ववृषीत् ॥ वृषा ॥ इवपुं

ताञ्जुहगुहिर्यावपनस्यसस्यनट॥नानिठिस॥००॥वृज्जितसयुखयगुलान॥तिगीषति॥सदीर्घ
४॥चिकीषतिजिगीषतिपूषति॥यः॥५॥पिपकृतिपियासतिमूमूर्षतिपूषतिवूषति॥नूद
विदमूसगुहिस्यपियुक्कः॥सःकित॥नूदिषतिविविदिषतिमूमूषिषति॥हः॥६॥कः॥७॥आदिजवा
ना॥जिद्युक्कतिमूषयति॥कृगृद्वृपुक्कित्यः॥सस्यद्व॥चिकत्रिषतिजिगलिषतिदिदत्रिषतदिधत्रिष
तपियुक्कित्यति॥अहमिक्कतिजिद्यत्यति॥रुनिदाः॥सदीर्घः॥जिद्यासति॥००॥दः॥सगम्॥सांतात्पूर्व
वदात्॥अधिजिगीसत॥गमः॥सस्यद्वनास्ति॥जिगमिषति॥००॥स्य॥अपिद्याधानरुः॥कपदयगमिमामा
मादधदास्तनस्यस्यतिठिसपनपूर्वस्यत्रलापः॥दित्यतिधित्यति॥नरुनारुत्य॥स्तानाया॥००॥स्वस्य

[illegible]

जिगमिषति सिद्धमिषति सुसुषुषति चिपविषति यूयूषति दुर्नविषति दुर्नविषति दुर्नविषति विरु
 विषति वृषति सिद्धमिषति सिद्धमिषति ॥ स्तोति अतथा नववष पूर्वस्य ॥ दुष्टमिषति सुद्धापविष
 ति सिद्धमिषति ॥ अनिष्टमिषति सुद्धमिषति ॥ स्तोति अतथा नववष पूर्वस्य ॥ दुष्टमिषति सुद्धापविष
 धन ॥ जिगमिषति सिद्धमिषति ॥ स्तोति अतथा नववष पूर्वस्य ॥ दुष्टमिषति सुद्धापविष
 साति ॥ जिगमिषति सिद्धमिषति ॥ स्तोति अतथा नववष पूर्वस्य ॥ दुष्टमिषति सुद्धापविष
 साति ॥ जिगमिषति सिद्धमिषति ॥ स्तोति अतथा नववष पूर्वस्य ॥ दुष्टमिषति सुद्धापविष

नोदुमिच्छति १
सखिदुमिच्छति २

धातिप्रसङ्गि
स्त्रिप्रसङ्गि

वाविहमिद्वनि३
माकुंरुनि।

मावृषिकृतिः

स्मृतिमुक्तिरना इति नो दुःखमिति २
 अथ पयिमुक्तिरिति ३
 पयिमुक्तिरिति ३
 वमिदुवत्रादुमिदुति २
 अथ पयिमुक्तिरिति ४
 वमिदुमिदुति ३
 अमिदुमिदुति ३
 उमिदुमिदुति ३

अकर्मति किं। मृमृदति वस्यदुःखं॥ विवृत्तति॥ आतिदु॥ विवृत्तिषत निवृत्तति॥ वृद्धवृद्धमदं तास्य
 स्थिता॥ तिगं विवृत्ति तितनीषति॥ तिताषति विवृत्तिषति वृद्धति॥ धुकोटिना॥ दधूषति॥ स्त्रियुद्धनं का
 लित्वसस्यठ॥ सिस्मयिषत पियं विवृत्त अत्रिनिषति अजिजिषति अमिनिषति उमिदुमिदुति॥ अमिः
 जिगमपयिषति अर्थपियिषति निष्पयिषति शुभवयिषति॥ इरुं वमिषति यस्मिं वयिषति
 वृद्धवयिषति पियं वयिषति विरुं वयिषति यिया वयिषति निमं वयिषति लिता वयिषति सुप्राव
 यिषति सिप्रावयिषति॥ सातासात॥ सार्थसातासातदव॥ इगुं विषत॥ ॥ अति सयुक्तिया॥ ॥
 अतिगयदुसादयदुद्विष्य॥ रुसादधर्मा नतिगयदुर्थकोन॥ पुन्यवयदुपुण्याधर्मा दिववनी॥

११३

प्रावयिमुक्तिरिति ३
 प्रावयिमुक्तिरिति ३
 प्रावयिमुक्तिरिति ३
 इमिदुमिदुति २
 इमिदुमिदुति ४
 इमिदुमिदुति ४
 नावमिदुमिदुति ३

मृगदस्यार्ज

यदि॥ यदि यदुल्लिखितं पूर्वस्यानामिना गुणसं सधुः॥ दिव्यादात्॥ अतिगयनपुनः पुनर्वारुवति
 वा नृयत वा नृयावकं अवागृयिष वा नृयत॥ अत्रिनिषति वृद्धति॥ रुसादु नस्ययस्यता पातवत्यन
 यिषत॥ वामृयावकं मामृद्धत ललिषत जादुयत वविषत॥ आत॥ यदि यदुल्लिखितं पूर्वस्याना
 आकाव॥ पाययत पापयत॥ सुविस्मिन् अथर्गुल्लिखित्यायद॥ सासूयत सासूयत मासूय
 त॥ पकाव न रुस्यनदित्वनिषध॥ अर्थत अर्थत इत्यनयत॥ गत्यर्थकोटिना वयद॥ कटिल
 मटति मृदायुत वा वृषत॥ लयसदव वजयत रुद्धत॥ रंजयं संवेने रं गृह्यामस्तं रं गृह्यामवयद॥
 गहिर्तलं पति लालयत सासयत॥ ३ मज्जानूक्॥ अर्मातस्य जयजय रुद्धत रं जयसव रुला

[illegible]

स्यत चनीकस्यत पनीपस्यत पनीपयत चनीकस्यत ॥ मतात्रिंशत् ॥ य ॥ वकीयत ऊकीयत ववी
यत ॥ दादनी ॥ अयिदाधमागहाकूपिवतिसास्त्रमिकायश्चिद्विहसन्नपि ॥ ददीयत दधी
यत ममीयत जगीयत ऊहीयत ववीयत सवीयत तवीयत ॥ ध्याध्यात्रीयदि ॥ ऊधीयत द
धीयत ॥ हंतहिंसायांघु ॥ ऊधीयत ऊधन्यत ॥ स्वपिस्थमिवश्चयदिर्षप्रसावर्ष ॥ साव्ययत स
सिन्धत ववीयत ॥ वायश्कीयदि ॥ यकीयत जाजायत ऊजन्यत ॥ गीदाश्चदयश्चिद्विहसन्नपि ॥ गीद
त शोरोक्तततोक्तत ॥ ॥ इति यद्वत्प्रक्रिया ॥ ॥ वान्यगुडकप्रत्ययसंयोगविनायकावा
लक ॥ यद्वत्प्रक्रियापिगच्छस्मावद्वत् ॥ वारुवीति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति वास्ति ॥ यद्वत्प्रक्रिया ॥ अ

दादित्वादयोलूक॥ वाहवचिका॥ सुर्ववाधितानित्यत्वादक॥ अवाहवीत् अवागात् अवाहतां अ
वाहू॥ पापवीति पापक पापवति अयापवीत् अयापक अयापका अयापवः पापवीचका
न अयापवीत्॥ **द्व**स्त्रनचिनापधायामुद॥ वाहुजीति वाहोकि अवाहुजीत् अवाहाक् वाहा
जिता अवाहाजीत्। वावदीति वावहि जाद्यटीति जाद्यदि। वास्यं दीति वास्येदं॥ **हो**॥ पांस्थः
हि अयास्यत्॥ **सिपि**॥ अयास्याः अयास्यद्। जागंदि जायासि अजाद्यातासिपि॥ अजाद्याः अ
जाद्याः अजाद्यात्। नाथ॥ नानाहि नानाधाति नानाहः॥ **दध**॥ दाददि दाददः दाधसि अदाधत्
अदाददा अदादेधः अदाधः अदाधत् दादधिता अदादधात्। वासुदीति वासूहि अवासून् अ

मधुप्रतिष्ठातिपयार्ग्यथय३

११५

सुदिशप्रवला

वासुदीत्॥ मासदीति मासाहि॥ **कूर्द**स्वर्दगुर्दगुकीजयामव॥ वाकूदीति वाकूहि अवाकूदी
त् अवाकूत्॥ **सिपि**॥ अवाकू॥ मदीतानामदुपधनावयदलूकि पूर्वस्य नूक विकनोक्॥ वक
नीति वविकनीति वकूहि वविकहि वनीकहि वकूतः वविकूतः वनीकूतः वकूति वविकूति व
नीकूति अवर्गनीत्॥ **ववृ**त्ताति वविवृतीति ववीवृतीति ववृहि वविवृहि वनीवृहि। वनीवृतीति
वनीवृक् वनीवक् वनीववति। **जंग**मीति जंगति जंगतः जंगमति जंगमि जंगमीमि जंगन्तः
जंगन्मः। **जंघ**नीति जंघति जंघतः जंघति जंघहि अजंघनीत् अजंघन॥ **आशि**मि॥ वधात्
अवधीत् अवधिसि॥ **ववृ**हि ववृतीति अर्वः ववृनीत्॥ **या**योति यायवीति अयायवीत् अ

यायात् यायति ना अयायात् ॥ नानवीति नानाति ॥ जाहति जाहति जाहात जाहति जाहायात्
 जाहाति अजाहत् अजाहात् अजाहात् अजाह ॥ जाहायात् जाहिता अजाहासीत् अजाहासिषी
 ॥ दादति दादाति दाह ॥ दायात् दहि दादयात् अदादात् अदाहा ॥ उर्वधा ॥ उर्वधेत् ॥ दाधति
 दाधाति दाह ॥ दाधति धहि दाधयात् अदाधासीत् अदाधात् अदाधत् ॥ दादीत ॥ दादीहि दादा
 याह सास्वपीति सास्वफि सास्वफ ॥ सास्वपति असास्वयात् असास्वय असास्वव सास्ययात्
 असास्वायात् ॥ क ॥ वाकवीति वाकहि ॥ तातवीति तातहि तातीह ॥ तातिवति तातीहि तातमासि
 अतातनीत् अतात ॥ अतातीह अतातानीत् अताताविषी ॥ अरुयह सुंकिदित्वं पूर्वस्य न ॥

११४

त्रितयादायान् उर्वधन निदृष्टपद न न वा यत्र काजनरु न वेदयैव तानि न यद्वा न कि १

वी ॥ वृत् ॥ विग्रीका मुपूर्वस्या सव पुंति ॥ अरुहि अत्रियहि अत्रनीति अत्रियनीति ॥ अ
 मति ॥ अत्रियुत ॥ नूका विलपि ॥ ति लाय ॥ अरुति अत्रीयति ॥ लिदि विद ॥ अत्रियात् अत्रिवि
 यात् अत्रीयियात् ॥ गृह ॥ जगृहाति जगृहि ३ जगृह ३ जगृहति ३ ॥ अजर्घट ३ ॥ गृह ॥ जागृ
 हाति जागृहि ॥ तसा दोहि त्रिमिह संपुसा न ही ॥ तस्य वहि न गत्वं ना सिद्ध तान्न नृमा दय ॥ जागृहमा
 गृहति जागृहाषि जागृहि जागृहाता अजागृहात् ॥ जगृधाति ३ जगृहि ३ जगृह ३ जगृधति ३ ज
 गृधाषि जगृहि अजगृधात् अजगृधत् ॥ सिपि ॥ अजर्घा ३ अजर्घत् ३ अजगृधात् ॥ अजगृधि
 र्ही ॥ पायुहति पायुहि ॥ तसा दो न संपुसा न ही ॥ पायुह ॥ ति मयं को अमवदस्य ॥

২২৫

क्लृप्तं कनाति क्लृप्तयति दवयति द्रुसयति द्रुपयति द्वादयति प्रियं कनाति प्राययति शुर्वकना
 ति गत्रयति स्त्रिर्न कनाति स्त्रुपयति उट्टकनाति उट्टयति ॥ अत्र नद्विष्य ॥ स्थनार्थः ४ पत्रः ॥ अदि पूर्वस्य
 टस्य जावा ॥ ओजिहत् ओजिहत् ॥ उट्टकनाति उट्टयति ॥ ओजहत् ओजहत् ॥ कर्तृयद ॥ उपमाना कर्तृना
 वाचः ॥ अर्थयद ॥ अत्र न वाचनं ॥ अनायतं काकः ॥ पंडितायतं मूर्खः ॥ यदि वा सलायः ॥ ययायत
 पयः ॥ अत्र न सज्जससमनसं नित्यं ॥ अत्र नायतं उजायतं समनायतं ॥ नाम्न आवाग
 क्षिपत् ॥ क्लृप्तं वाचनं क्लृप्ति ॥ अत्र वाचनं अति ॥ अतः अति ॥ लिटि ॥ ओ ॥ अत्र ४ उ ॥ यात् ॥
 यात् ॥ ता ॥ अति ॥ आसीत् ॥ माला वाचनं मालाति ॥ मालां च काचं मालिता मालिष्यति अमाला

सीत् कवित्रियाचनति कवयति कवीयात् ॥ नामधेयार्थद्वयोः ॥ अकवयीत् अकवायात् ॥ तिः
त्रिवाचनति त्रियाय त्रियदुः ॥ अत्रयात् अत्रयात् ॥ श्रीत्रिवाचनति श्रुयति निःश्रय निःश्रिये ॥ पि
तवचितनति ॥ विद् ॥ पितृयात् ॥ इतिव रुवति वृत्तात् ॥ अलावीत् ॥ इतिव प्रवति अदावीत् ॥
अमीगस्यायध्यादीर्घः कोमलोदो रुचकिति ॥ ०० दमिवाचनति ०० दोमति नाजव नाजानतिना
जयत ॥ नातमवयदनान्यत ॥ यथा ०० वाचनति पथानति मथानति ॥ मनुद्वाराति ॥ योत्रिवाचन
तिश्रवति क ० वकति ॥ चकोचकस्य न्य ॥ कातकिता अकीतस्य ०० वसस्यो सस्य स्यात् ॥ आचानडप
मानात् ॥ कमाक्षनथा नृपमानात् ०० पुत्येय आचान ॥ ०० स्याथका न ॥ ०० पुत्रुमिवाचनति पृणीय

[illegible]

प्रथयति ॥ कृषीं सखां पूर्ववाटि लाय ॥ अविप्रथत अप्रथत ॥ मृद ॥ मुदयति अमिमुदत अम
 मुदत ॥ हर्ष ॥ कर्ष ॥ दृढ ॥ मुणयति ॥ कुणयति ॥ डटयति ॥ अत्रवजगत् अत्रकुणत अत्रदडटतूपनि
 पटयति पर्यववृत्त ॥ लोमावाच ॥ लादयति मादयति ॥ यवांश्वावाच ॥ यष्ययति अ
 स्मयति ॥ श्वन ॥ श्ववेयति अश्वश्ववत् ॥ मुनयति ॥ लक ॥ विद्वांस ॥ विद्वयति ॥ विदावय
 तिलयपत्र ॥ विदयति लय ॥ उदर्व ॥ उदोचयति ॥ उदोचिवत् ॥ पुलीव ॥ पुताचयति पुल्यचिवत्
 ॥ समाचयति सम्यचिवत् ॥ तिर्यक् ॥ तिर्याचयति अतितिरायत् ॥ सध्वं ॥ सधाययति असस
 कुयत् ॥ विश्वधुर्व ॥ विश्वेदापयति ॥ दवधुर्व ॥ दवदापयति ॥ अतिक ॥ मंदयति ॥ वाट ॥ सा

१२०
॥ दिलापयश्चादि २

धयति ॥ वृद्ध ॥ क्षापयति वर्धयति ॥ स्त्रि ॥ स्त्राययति ॥ उर्व ॥ वनयति ॥ वदल ॥ वीरुयति ॥
 हर्ष ॥ वपयति ॥ दाह्य ॥ दाहयति ॥ वृंदावक ॥ वृंदयति ॥ ॐ तिनामभापुत्रिया ॥ ॥ कंदादिरायाक
 स्त्रार्थ ॥ कंदू ॥ अगुविद्यर्ष ॥ कपुयति कंदूयत् ॥ मरुअपना ॥ धनापच ॥ मरुयति ॥ वल्लुयू
 जामाधुययो ॥ वल्लुयति ॥ अस ॥ अस ॥ अस ॥ अउयताय ॥ अस्यति अस्ययति ॥ ललादायो ॥ ल
 लायति ॥ मक्ष ॥ अमुगुहल ॥ मक्षयति ॥ सुखद ॥ सुखतल्लियाया ॥ सुखति दुःखति ॥ सपनपू
 जाया ॥ सपयति ॥ तिषजविक्रियाया ॥ तिषयति ॥ ॐ ॥ वधगवधोत्र ॥ ॐ ॥ वधति ॥ गह
 दवाक् ॥ स्वलन ॥ उलाखलाविलास ॥ हरी ॥ हनाषललजायाच ॥ महीदूययाया ॥ मही

यत् ॥ अष्टादशनामागत्वे ॥ ॥ अष्टादिकं द्वादश ॥ ॥ निविग्नदश ॥ न्यादि पूर्वकादिग्नदधर्मा
नात् ॥ निविग्नत ॥ पत्रिवावय ॥ क्रिय ॥ पत्रिक्लीत ॥ ॥ विघनाख्यांश ॥ विज्ञयत ॥ ॥ आद
दाज्जननुविकाग्न ॥ विद्यामादह ॥ विकामननु व्याददातिमूर्ख ॥ ॥ पत्रांगकर्मकाहवय
व ॥ व्याददातपिप्यालिका ॥ पत्रांगस्यमूर्ख ॥ ॥ कोह् आह् ॥ नृपत्रिख ॥ आह् ॥ उत ॥ अनूह ॥ उत
॥ ॥ समाह् ॥ कूज ॥ सीह् ॥ कूज ॥ नृसीह् ॥ उतिवर्क ॥ ॥ आगमकमाया ॥ आगमयस्वतावत ॥ ॥
निह् ॥ जिह् ॥ साया ॥ धनू ॥ विनिह् ॥ ॥ हनगर्गताह् ॥ पेरु ॥ कमन् ॥ अनूह ॥ ॥ किन
तर्ह् ॥ जीविका ॥ कूलायक ॥ लष ॥ ॥ अपात् ॥ ह् ॥ उह् ॥ ह् ॥ निह् ॥ क ॥ अल ॥ खन ॥ अपस्तिवत

व्याहृष्टः॥ ॥ वृद्धारुद्धार्थः॥ ॥ अग्रार्थः॥ ॥ आदानूपचक्रः॥ ॥ आनृतत्रापचक्रः॥ ॥ ग
पडपालंरु॥ विषायमयतः॥ ॥ समवयुवित्यस्तुः॥ संतिष्ठतः॥ ॥ आदःप्रतिष्ठाया
॥ गद्यनित्यमातिष्ठतः॥ ॥ स्वारिषायाविःकनलनिर्गुणाख्यायाचि॥ गमपीक्ष्णायतिष्ठ
तः॥ ॥ संगयककुडिबुतिष्ठतयः॥ ॥ उदानूद्यकर्मलाहयाः॥ मूकावृष्टिष्ठतः॥ ॥ उपानम
नकनलदवपूजासंगतकनलमितकनलयथिषु॥ न्नाप्रयाग्रीधमूपनिष्ठतः॥ न्नादित्यमूपनि
ष्ठतः॥ गमयमूपनिष्ठतः॥ नधिकानूपनिष्ठतः॥ सधूमूपनिष्ठतः॥ ॥ वालिष्यायाः॥ तिष्ठकः॥ य
जुमूपनिष्ठतिष्ठतिष्ठतया॥ ॥ न्कर्मकाच्च॥ ज्ञानमूपनिष्ठतः॥ उदित्यनित्यकर्मकात्स्वीग

कर्मकाव्य॥ उरुपतविगपतविगपतपाणिवा॥ ॥ आदायमरुनिर्वा॥ अयच्छतपलिवा॥
 आरुग॥ शिनावा॥ अन्यगुप्तमायच्छति॥ आरुतिवा॥ ॥ रुनःसिःकिन्॥ आरुगआरुसागी॥ ॥
 यमःसूचनसिःकिन्॥ उदायत॥ ॥ सभागमृच्छिष्यसमयर्हिधुविदिदमिषः॥ सीगच्छत॥ ॥
 गमःसिःकिन्॥ सीगसीषसीगसीषसमगतसमगीमसमृच्छिष्यतसीषनतसमृच्छतसमिष
 तसीषनतसीविरुसीविदात॥ ॥ वरुनतावात्रुजति॥ सीविदतसीविदतसीपन्यत॥ ॥ उपसर्गदः
 स्यल्लावा॥ निनस्यतसमृहतिममृहत॥ ॥ निमृषविष्ठाकः॥ निदयतसीदयत॥ ॥ स्यर्द्धायाप्रा
 दः॥ कृष्णानमादयत॥ ॥ अपतिविक्षासाहसीगतासकमः॥ मचिक्रमगवृद्धिःअध्ययनायक

१२२

उक्तं भवति पूर्वकं स्मृतं तमाध्यानी

मगःकर्मगःसिन्हाफुनि॥ उपपत्ताया॥ उपकुमतपत्राकुमत॥ ॥ आदायतिनृकुमत॥ अकुम
 सूर्यः॥ ॥ यथादविरुन॥ साधुविक्रमतताजी॥ ॥ प्रायात्यपि नराधर्मा॥ पुकुमतउप
 कुमत॥ ॥ अनूपसर्गद्वि॥ कामति कुमत॥ ॥ अयद्रवद्रुः॥ गतमयजानीत॥ ॥ अक
 र्मकाव्य॥ सर्पिषाजानीत॥ ॥ अनूपसर्गद्वि॥ गतजानीत॥ ॥ संप्रतिस्वामनाध्यानी॥ गतसी
 जानीत॥ गतपुतिजानीत॥ ॥ वःगद्वकर्मलःकृष्णः॥ गद्विविक्रन॥ ॥ अकर्मकाव्य॥
 विक्रवतसेधवाः॥ ॥ रासनायसीगंवाहानयत्त्रविमत्यपमृग॥ वृवदः॥ ॥ अकुवदत॥ हे
 त्यानूपवदत॥ कृष्णवदत॥ गद्विविदत॥ पनदानूपवदत॥ ॥ मन्त्र्यादीनासिंस्थाञ्चान॥

१ वितद्वर्त्तन्ति नूनयः

संप्रवर्दतवाक् ॥ ४॥ ॥ व्यक्तवाग्विषयादनूपूर्वादिकर्मकात् ॥ श्रून्वदतक ०४ कलायस्य ॥ वा
विनूक्षाको विप्रवर्दति विप्रवर्दतवावेद्या ॥ ॥ श्रूवाङ्गिनग ॥ श्रूवतिनत ॥ ॥ समष्ट्यतिहान
नर्दनिर्णयसंगिनत ॥ ॥ उदम्बनसकर्मकात् ॥ धर्ममूत्रनत ॥ ॥ समस्तुतीयायूकात् ॥ त्रयन
संवतन ॥ ॥ दास्यस्यसर्वत्रुर्थार्थ ॥ दास्यास्येकत ॥ ॥ उपायमष्टस्त्रीकात् ॥ तार्यामृपेयकृत ॥
॥ यमष्टिः किदाविवाह ॥ नामष्टीतामूपायन उपायकृत्वा ॥ ॥ द्वागुस्मृष्टमसीतानी ॥ जिह्वासत
गुगुषत सुस्मृष्टमदिदृक्त ॥ ॥ श्रूनाज्ञानातर्न ॥ श्रून्जिह्वासनियुक्त ॥ ॥ प्रत्यादृष्ट्यागुवष्ट्यति
गुगुषति श्रूगुगुषति ॥ ॥ स्वनाथीतायसग्नयिजनपद ॥ प्रयूक्त उपयूक्त उच्यते ॥ श्रूयद्गुक्ति ॥ या

गालियुनकि॥ ॥ सम० द्रव० स० द्रुग० न० मु० ॥ उज्ज० र० पालन० ॥ अ० द० न० मु० क० ॥ गृ० धि० व० वि० र्या०
 शु० भ० ता० र्या० पु० गा० न० ल० ॥ मा० ल० व० क० व० च० य० ने० ग० र्द्व० य० न० ॥ पु० ता० न० ल० किं० ॥ न्व० न० ग० र्द्व० य० ति० ॥ अ० रि० की० द्वा०
 म० र्था० र्था० द० य० ती० र्थ० ॥ अ० र्दि० व० च० य० ति० व० र्ज० य० ती० र्थ० ॥ अ० पा० द्द० ॥ न्या० य० म० प० व० द० न० ॥ क०
 म० व० य० ति० हा० न० भ० ता० ॥ व्य० ति० ए० व० न० व्य० ति० ना० न० ॥ ग० ति० हि० स० र्थ० प० ० उ० र्थ० रु० सा० त् ० ग० ना० न्मा० न्य० प० न०
 स्य० ना० प० य० दा० च्च० न० ॥ व्य० ति० ग० कृ० नि० व्य० ति० घृ० नि० व्य० ति० रु० स० ति० ॥ अ० नू० प० ना० र्था० कि० अ० ० ॥ अ० नू० क० ना०
 ति० ॥ अ० रि० पु० र्थ० ति० र्थ० क्रि० य० ॥ अ० रि० क्रि० य० ति० ॥ पा० द्द० रु० ॥ पु० व० रु० ति० ॥ प० न० मृ० ष० ॥ य० नि० मृ०
 ष० ति० य० नि० व० रु० ति० ॥ ॥ ॥ ०० ति० य० द० व्य० व० रु० ॥ ॥ ॥ य० कृ० च० दु० ष० ॥ धा० ता० र्ता० व० क० म० लि० च० य० कृ०

१ रुचने २ संयदादि ता हा व कि पा त स्या गु वि । उद्ध मा त्वा र्था सिद्ध न या ता व ३ स्ता र्थ आ दि
ति रु लि ते । रु सा प्र य ४ क र्मा रु र्त्त धी गु वा र्त्ता ॥ १

पुण्ययस्त्रिवादिष्वनुष्ययत ॥ अङ्गु विकर्मलि ॥ अकर्मका हा व सकर्मका च कर्मल्यो रुवति ॥
ताव स्त्रे कला द क व र्त्तने ॥ य अद स्र दान विषयत्वा त प्रथम ॥ नूय त नूय त नूय त नूय त
व नू व ॥ स्व र्गा ना ना रु न ग रु द ॥ वि ता व क र्म ॥ १ सि से ना सी स्य पा मि ट वा स ॥ २ व द्वा ॥ ता वि वा
ह र वि वा ह ॥ ता वि ता ह वि ता ता वि द्य त ह वि द्य त अ ता वि द्य त अ ता वि द्य त ॥ ३ ता त न क र्त्त वि
॥ धा ता रु नि य त ता व क र्म लि च ॥ ४ पु ण्य य ॥ स न य वा द ॥ ल क् ॥ अ ता वि ॥ अ क र्म का य प र्म व
॥ त स क र्म क ता म नू र व ति ॥ स र्व म नू र य त स्वा मि ना ॥ ॥ ल ज स र्वा स्ति ति ना ग त र्त्त व द्धि क य
त य जी वि त म त र्त्त ॥ म य न क्रा ण त्रि दा र्था धा तु ग र्त्त म क र्म क मा द् ॥ १ ॥ रु ल वा पा न य

१२४

१ न दा ज र्त्त व ति सौ द त य व ता र्था ३ द व द हा म र्त्त नू र ति द व द हा नू र ति । अं ग वि क र्प क ता त्वा र्थ ३ म द्य ज र्त्त व ति म द्य
व वे ति ज र्त्त य त्ता र्था ३ द व द हा म र्त्त ग र्त्त ॥ २

न क नि ष्ठा या म क र्म क ॥ धा तु रु र्त्त मि रु द स क र्म क ड दा रु त ॥ २ ॥ धा ता र्त्त न व रु द्वा त्वा
॥ र्था य र्त्त ग र्त्त ॥ पु सि द्ध र वि व द्वा त ४ क र्म ॥ १ क र्म का क्रि या ॥ २ ॥ म अ त ति ॥ ३ य ॥ ४ यि षी र्त्त
यी षी र्त्त अ यि ॥ अ य कि ॥ द र ४ क्रि य त ॥ त्वि द् ४ र्त्त क्रि य स वा र्त्त वि ना र्त्त ४ स र्वा रु क्रि य ॥ च
क । का वि षी र्त्त रु षी र्त्त का वि द्य त क वि द्य त अ का वि अ का वि वा ता अ रु वा ता ता व त ता व
या च क ता व या वि नू व ता व या मा स ॥ ३ व दि टि रि ला य ४ ता वि ता ता व यि ता ता वि द्य त
अ ता वि अ ता वि वा ता अ ता व यि वा ता व नू र्त्त व नू र्त्त व नू र्त्त व नू र्त्त व नू र्त्त व नू र्त्त व नू र्त्त
म त वा र्त्त वा च क अ वा र्त्त यि ॥ य रु ग ता रु ॥ वा र्त्त य त स र्वा वि नू र्त्त अ ता वि अ ता वि वा ता

अस्मावाता अयत अत्रिता अर्हस्ययत अर्हः ॥ तनातर्वायति ॥ तायत गन्यत अतानि
 जायत जन्यत ॥ तयानलकर्मकर्तृत्रिअनूतायव ॥ तयत अचतफपायन ॥ दादत्रि ॥ दीयत
 ॥ आतायक ॥ ॥ लिष्टिगितिकतिव ॥ दायिषी ह दासी ह अदायि अदायिषातां अदिषातां धीयत
 स्त्रीयत ॥ अग्रेलपिह न्यत दानिषी ह वधिषी ह रुता दानिता अद्यानि अद्यानिषातां अरुसा
 तां अवधि अवधिषातां ॥ ॥ ल्वदिठानदीर्घः ॥ ग्रहिता ग्रहीता अदमि अदमिषातां अदका
 तां ॥ नम्यत मूनिना ॥ मातस्य सटा नव द्वित्रिलिष्टिगितिकतिवन स्वावमि कमिवमीनां ॥ अगमि अद
 मि आतामि अकामि अवा मि ॥ अतस्य उ ॥ नम्यत माहा हः त्रि ॥ नमयावकु ॥ मितां अताजा

१२५

मिलितमिववादीर्घः ॥ अगमि अगमि अगमिषातां अगमयिषातां ॥ वधहिंसायां ॥ अवधि ॥ रु
 अत्रिलिन लायावा ॥ अराजि अरुजि ॥ लरुत्रिलमानचा ॥ अलीहि असाहि ॥ गेलकर्मलिदृष्टा
 द ॥ युधाननीक्षरुषा ॥ वदिरुक्ताथया ॥ दकर्मकात्तनिजकुया ॥ पुयाअकर्मयन्धषा अताः
 नालादयामता ॥ गेदृषतयय ॥ अजाग्रमीनीयतदियत रुषत उक्तत वाध्यत वाध्यत
 मालवकधर्म ॥ मालवकाधर्ममितिवा ॥ राअतमालवकडादन ॥ मालवकडादनमितिवा
 ॥ माध्यत मालवकवद ॥ मालवकावदमितिवा ॥ दवदरुगममगम्यत ॥ अकर्मकात्तकालादिः
 कर्मकात्तकर्मलिरावयतकान ॥ मासा मासवा आस्यत दवदरुन ॥ अतारूपया अयत्यय

मासमास्यगमात्तवक ॥ यदासोकार्यातिशयं ध्यातयिर्दुर्कृत्यायाजानविवक्षुततदाकान
कांतनाश्यापिकर्तुं संकल्पितं ॥ साधसिद्धिर्नहि ॥ काष्ठानिपचनि स्नात्वापचति पच्यतडादन
न हिद्यतकाष्ठन ॥ लनाककर्मकर्तुं त्रियगदिलिख्यदिष्ट ॥ यद्यतडादन ॥ हिद्यतकाष्ठं ॥ अ
॥ अयावि अरुदि ॥ सकर्मकात्मनि ॥ अजाग्रमनयति ॥ ॥ दूहिपथा ॥ सकर्मकधार्वा ॥ दूहसूनमां १२३
कर्मकर्तुं त्रियगि ॥ लन ॥ गमे ॥ पथा ॥ दूह ॥ स्वर्गातानी कर्मकर्तुं नीत्वातनिदूह ॥ अकाविश्र
कत अदाहि अधूकत अदूग्य उर्द्वन ॥ रुत्तं पच्यत पचति वा ॥ पच्यत पाप्मा विष्ट पाप्मा ॥
नमतदं ॥ अर्नस ॥ सृज ॥ अंधायपन्नं कर्तुं वि ॥ सृजतयुजैक ॥ असर्जि ॥ युजव ॥ यय

तव द्वात्रिंशत् ॥ गूष्मावाचिनां किनादीनां सांता न च यमि लुंश्च दिटी न । अलं कनन
कन्या । अलमकन । अतकिनन रुक्मी । अतकीर्ण । गिनत अगीर्ण । अडियन । अतत प्रियन । अ
धत । पृच्छत । अयत् । विकीर्णत कटः । अचिकीर्णत । अडिगि वृक्षं धिगंथाय कर्म कालाय
गिल्लो न ॥ कानयत । अचीकनत । उच्चयत द्युः । उदगि गियत वृक्षकथा अततवत गुंथन
गुंथः । अगुंथिष्य ॥ विकूर्तन सधेताः । व्यकानिष्य व्यक्तन ॥ कृषिनजः । कर्मकर्तृ त्रिवा आग अ
वदो ॥ कृष्यति कृष्यत यादः । न सति न सतवर्ग । अकाषि अत्रं जि ॥ ॥ ॥ निराव कर्मपुकि
या ॥ ॥ ॥ स्मृतिवाचि न्यपपद नृगानशगन भगालुट् ॥ ॥ लकापवाद्यः ॥ स्मनसि कृष्ण

याज्ञिकविकारपाद्भवम् ३

कूलवत्स्यामः॥ यथा गण्डकान्॥ अतिजानासि ह्ययमनन्दुर्दृष्टिः॥ उरुमप्यनूषेति रुवि कृपादि
नायात्रीर्षः॥ सुफाह्नुकिलतिललापः॥ अर्थगापद्मवलिङ्गः॥ कर्त्तिराधवात्सी॥ नारु कर्त्तिगर्जम
मः॥ रुग्णगालद्विष्टः॥ अतिरुक्तागन्तुकानवाः॥ शब्दकान्तुवकानवाः॥ आसन्नकाले पृच्छमा
नर्थलङ्घितो॥ अगच्छत्किं जगमर्कः॥ स्मलटः॥ लिङ्गपवादः॥ यजति स्मयूषिष्ठिनः॥ अगान
द्यतनलट् स्मयागः॥ अर्वस्मपि गावुतीति॥ ननो पृष्टपुतिवचनमूललट्॥ अकार्षी॥ किं ननूकमा
मिरा॥ नन्वावा॥ अकार्षी॥ किं नकनाति॥ नाकार्षी॥ अरुनूकमामि चकार्षी॥ यूनाऽद्यथागः
अगानद्यतनवाल्दलटोननुस्म॥ वसेरुयूनाक्कागा॥ अवात्सू॥ अवसन् दुष्टर्वा॥ यावत्पूनानिपा

गयार्थविषयितलट्॥ यावदुं कपूना उं क॥ कदा कर्त्तुं वा विषयितलट्॥ कदा कर्त्तुं वा उं क॥ राशुगता
का॥ अर्कमानसमोपि पूगुरुविषयितलट्॥ कदा गतासि ह्ययमागच्छामि अयमागमं कदा
गमिष्यति पुषगच्छामि गमिष्यामि वाकिं पुवचनलट्॥ अतिरुक्तागन्तुकानवाः॥ शब्दकान्तुवकानवाः॥ आसन्नकाले पृच्छमा
नर्थलङ्घितो॥ अगच्छत्किं जगमर्कः॥ स्मलटः॥ लिङ्गपवादः॥ यजति स्मयूषिष्ठिनः॥ अगान
द्यतनलट् स्मयागः॥ अर्वस्मपि गावुतीति॥ ननो पृष्टपुतिवचनमूललट्॥ अकार्षी॥ किं ननूकमा
मिरा॥ नन्वावा॥ अकार्षी॥ किं नकनाति॥ नाकार्षी॥ अरुनूकमामि चकार्षी॥ यूनाऽद्यथागः
अगानद्यतनवाल्दलटोननुस्म॥ वसेरुयूनाक्कागा॥ अवात्सू॥ अवसन् दुष्टर्वा॥ यावत्पूनानिपा

समर्थयोगि॥ उत दंजयति स्थितिः॥ अविष्मस्य निहारी॥ १

कश्चिदितिकि॥ कश्चिन्नवनि

[illegible][illegible]

म०पादप० ॥ सुव० सु० ॥ सुव० सुव० गी० सु० ॥ ॥ उ० सा० ला० याम० म० उ० ग० मो० ॥ उ० ग० उ०
 ग० ॥ ॥ वि० ला० य० सा० वि० म० म० उ० ग० मो० ॥ वि० ग० वि० ग० ॥ ॥ सु० ज० सु० य० म० म० ॥ सु० ज० सु० य० ग०
 सु० ज० सु० य० ग० ॥ ॥ य० सा० न० लि० य० उ० ॥ का० य० वा० द० प्र० अ० आ० क० य० क० ॥ ॥ उ० द० ॥ क० य० अ० य० नि० म०
 जा० य० न० य० न० लो० ल० स० म० र० वा० रु० न० ल० य० ॥ क० ॥ उ० द० य० नि० म० जा० इ० ल० स० ॥ ॥ क० का० य० न० द० सु० र० व० स० य० रु० र० ॥ ॥
 मू० ल० वि० सु० जा० द० क० ॥ मू० ला० नि० वि० सु० जा० नि० मू० ल० वि० सु० जा० न० थ० क० प्र० म० रु० ध० ग० लि० ॥ ॥ ग० र० क० ॥ सा०
 म० ग० ॥ सा० म० गी० ॥ ॥ पि० च० म० सु० ना० पी० ॥ ॥ सु० ना० पी० ॥ ध० यी० ॥ ॥ अ० रो० ॥ ना० मि० का० र्थ० वा० का० न० ठे० का० न०
 ठे० का० नो० पु० र० य० ॥ अ० रि० रु० न० ॥ क० व० व० रु० न० क० मा० न० ध० न० रु० न० क० न० य० न० पू० न० स० न० अ० गु० स० न०

१३०

ब्रामणी

पा० र्थ० य० ॥ सु० य० ॥ उ० द० न० ल० ॥ ग० उ० द० न० य० ॥ ॥ कि० गु० रु० पू० जा० रु० सु० व० न० म० रु० सु० ॥ क० ल० ज० य०
 सु० व० क० य० ॥ सु० क० नी० वि० द्या० ॥ ॥ क० न० व० च० न० क० न० क० र्म० क० न० दि० वा० क० न० ॥ ॥ सु० व० रि० ॥ ना० मि० का०
 र्थ० वि० ॥ ॥ वि० ति० प० द० स० ॥ वि० द० त० प० न० न० वा० य० स० पू० र्व० प० द० स० म० म० ॥ ॥ क० क० वि० सु० व० क० वि० रु० ला० नि०
 रु० ति० रु० ल० गु० हि० ॥ रु० ल० स० द० त० ली० नि० या० न० ना० त् ॥ द० ति० रु० वि० ना० धे० रु० नि० द० वा० पि० वा० ना० पि० सु० व० क० य०
 ॥ क० ली० क० य० न० दी० मू० ली० क० व० क० नी० र्थ० क० य० ॥ ॥ वा० र्थ० य० मा० द० या० नि० या० य० ॥ वा० र्थ० य० म० पू० र्व० द० न० दि०
 व० त० य० प० र्व० त० य० क० दि० रु० नी० उ० द० न० रु० वि० अ० ली० रु० वि० ॥ ॥ अ० लि० त० सु० वा० रा० व० क० न० ल० य० ॥ सु० व० अ०
 नि० त० न० दू० य० त० अ० लि० त० रु० व० अ० लि० ना० रु० व० य० न० न० ति० वा० ॥ ॥ सु० जा० र० व० ॥ उ० न० म० ज० य० य० ति०

कवर्हिंसायां ३

मन्यः मूर्जधयः कूलधयः ॥ खर्गपूतपदस्य अनवयस्य कूलः ॥ मूर्धधयः मूर्धधमभना
 डिधयः नासिकधयः कूलमूजः कूलमूहः अनूदः ॥ अनवयस्य किं ॥ दिवामन्यानात्रिः
 धामन्यमहः ॥ दानावाहनाः रत्नस्य वटः सहायः ॥ दार्वाघाटः ॥ वाभेवा ॥ वार्वाघाटः
 वार्वाघाटः ॥ कर्मसि संपूर्वात्र ॥ वधुर्न संहतीति वधुर्न संधानः वधुर्न संधाटः ॥ पदसंधान
 ॥ पदसंधाटः ॥ जायापयो कूलकृतवतिकर्तुनि ॥ जायाद्युः पतिध्वी ॥ ॥ अमन्यकर्तु
 व ॥ पतिध्वीपाणिनरवा ॥ ॥ पालिद्यता उद्यो निलिनि ॥ निलिनि किं पालिद्यतः ताशुद्यतः ॥
 दुर्जाविः ॥ वः लापः ॥ अर्द्धराक् सखराक् दुर्नाघाटः रागवाटः ॥ अर्द्धरागः रावकः वसिधा

१३१

एनाम्रन्विः ॥ द्योदीर्घः वास्य ॥ द्योयनः वधुस्य ॥ द्योदीर्घः ॥ मिथुनीकनर्लः शुक्लीरावः
 सहायीस्यात् ॥ शुवीरुवति रुक्मती ॥ ॥ चोसलीयः ॥ समनीरावः ॥ अर्द्धकनाति वधुकेतीति सु
 यतीरुवति रुक्मतीरुवति विनजीकनाति ॥ ॥ कविगुणः ॥ इः राकनाति सुरवाकनाति ॥ राकनाति वि
 गुणकनाति ॥ अर्द्धयस्य चावीर्त्वनः ॥ दाघाः अर्द्धमहः ॥ दिवाः अर्द्धानात्रिः ॥ ॥ रुसात्यनस्य पत्यपकान
 स्य लापः ॥ गमगीरुवति ॥ ॥ वीरुगः ॥ मागीकनाति ॥ ॥ विविधयसाद्यः ॥ सात्यदायाः ॥ सस्यवर्त्वनः
 ॥ अग्निसाहवति अग्नीरुवति ॥ ॥ सपदायाः ॥ गच ॥ जलसागः संपद्यतः ॥ अधीनः ॥ नाजसात्सीपद्य
 तः नाजसात्कनाति ॥ ॥ देयगावः ॥ विद्याधीनः कनाति विपूनाकनाति ॥ ॥ विपुजासंपद्यतः ॥ वि

पुणसंययन॥विपसात्कनाति॥ ॥दवमनष्ययूरवयूरमर्ध्यावाग॥दवगावददववद॥
 ॥खट्कन॥आद्यसूरगस्कृतयलितनग्राधिययवृक्षार्थवृषयदवृक्ष॥कन॥
 खट्पुष्टय॥अनाद्यमाद्यकृत्स्नननाद्यकन॥ ॥उव॥खिवृक्ष॥अकृत्स्नि॥अनाद्य
 द्यारुवति॥आद्यरुविवृ॥आद्यरुवृ॥ ॥आतामनिपृक्तमिपृक्तनिपृ॥नामिउययदआदता
 दातागनरुवति॥सूदामा॥ ॥सूमी॥तादोकिदिदासामास्मामिरुवति॥अविदा
 धागेहाकपिवनीनामी॥किदिहसकिपिवानरुवृ॥सूपीवाद्युतपावा॥अनादतादपि
 ॥सूकमी॥इत्यस्यपिति॥कतिरुक्॥प्रातनित्वा॥वनिपि॥मस्यात्वं॥विजावाडो॥अवावा

१३२

पानट्कनाजयृक्षसूत्वाधीवापीवा॥किपृ॥अता॥कर्मकृत्॥ ॥माना॥अता॥युष्मन
 निविग्नसामसूतसामया॥सर्वदकदिक्॥ ॥किपिवविपृक्षायतमुकटयुक्षीर्मादीद्यो
 संपुसान्व॥वाक॥ ॥किदिमसेको॥अमचक्रस्य॥अवस्यडु॥तत्त्वपाट्॥तत्त्वपा॥अप
 तसू॥कटपू॥रुततो॥रुगगी॥आयत॥ ॥किपिसंपुसान्व॥सूधी॥ ॥गमादीनां॥अम
 स्यलाप॥किपिक्पिवा॥अंगगतपनीतत्संपत्सूनत्॥ ॥उद्व॥अगुगू॥अगुगू॥ ॥
 युतिगमिश्रुतातीनांकिपिद्वि॥दिद्युतजगत्॥ ॥रुहातदीर्घ॥रुदू॥ ॥पदातस्यानित
 नस्यलत्तमयसगस्मान्निमित्तात्॥रुपाल्मिगालि॥किमिगुजी॥ ॥आमस॥कावृपभाया

ॐ त्वं ॥ अणी ॥ गी ॥ पू ॥ ॐ स्मन्त्रकियुक्तादङ्गस्य ॥ तन्त्रकनश्चयु ॥ ॥ नागकुक्ष्याय ॥ ३
मू ॥ मू ॥ धू ॥ धू ॥ ॥ दू ॥ काद्यानादङ्गस्य ॥ कामदू ॥ ॥ दू ॥ एकसकोवायमानकार्योपमा
न कर्मस्यपददू ॥ एकसकोवाग्निक्रिय ॥ ॥ असर्वादि ॥ ॥ नृपत्रसर्वादिदृष्टात् ॥ अन्या
दृष्टा ॥ अन्यादृष्टा ॥ अन्यादृष्टा ॥ तादृष्टा ॥ किमिदमंका ॥ ॥ दृष्टा ॥ दृष्टा ॥ दृष्टा ॥ ॥ दृष्टा ॥ ॥ दृष्टा ॥
रवादृष्टा ॥ यादृष्टा ॥ ॥ अदसा ॥ मू ॥ अदसा ॥ मू ॥ स्यादृष्टा ॥ दृष्टा ॥ दृष्टा ॥ ॥ मू ॥ दृष्टा ॥ मादृष्टा ॥
दृष्टा ॥ अस्मादृष्टा ॥ यस्मादृष्टा ॥ ॥ सिनिवती ॥ ॥ धनान्नतोतकालनीलवसिनि ॥ अग्निशमना
पात्रीत् ॥ अग्निशमना ॥ पितृव्याती ॥ उक्ता ॥ ॥ वत ॥ ॥ उल्लङ्घनी ॥ ॥ क्विन्नियुक्ता ॥ ॥

तानगीगङ्गीलेयेन । बुद्धहा सुद्धहा सुद्धहा सुद्धहा । कर्मकृत्यापकृत्याजकृत्वा अग्निचित्सा
 मसूतयक्षासनसिर्ज सुनीर्ज सुस्कावजःपजा अजः द्विजः पत्रिगः खान पत्रिखा ॥ ॥ कंक
 वतू ॥ धातानगीगङ्गीलेयेनो । क्ताहावकार्यया ॥ स्नानकर्तः कटः विष्पुर्विः कृतवान ॥ ॥ गण्यः
 थदिकर्मकात्कर्तृत्रिकः ॥ हावकर्मलात्रपि ॥ गंगगतः सिंगः ॥ ॥ मतिस्थकिमिमसेदीर्घः की
 वा ॥ ॥ गंगः दान्तः ॥ ॥ ग्लिषङ्गीद स्नासवसज्जन नृहलीर्यगिण्यः ॥ सीतामाग्लिषः ॥ ग्लिषम
 धिगयितः । स्नानमधिष्ठितः । रुत्रिमूपासितः । रुत्रिदिनमूपासितः । तमनूजातः । वृषमानूटः
 ॥ जगदन्जीलुः ॥ ॥ क्तावायत ॥ उदघधः सट् क्तावाकितः ॥ धूतिर्न्यातितः । प्रमृदितः प्रमा

[illegible]

कृदितः॥ ॥ अदाजघुः॥ कितिगकाया॥ जग्धं॥ ॥ नः॥ गुरुत्पनस्यकिगस्तथनल्वे॥ विकीर्णुञ्जा
 लुः॥ ॥ लाद्यादिगश्च॥ स्वादनादिगश्चकाताः किगस्तथनारति॥ लूनः॥ लूनवान्जीनः॥ ॥ प्या
 यः॥ पीनिकिति॥ पीनः॥ पुजा॥ पुग्नः॥ हीनः॥ सूनः॥ सुनवान्। दूनः॥ उडुनः॥ दीनः॥ लीनः॥ जीनः॥
 धीनः॥ ॥ इन्वादीर्घश्च॥ दूनः॥ गूनः॥ ॥ क्रियादीर्घः॥ करुत्रिककवलासूर्नस्त्वैवा॥ क्षीनः॥ क्षी
 नवान्। करुत्रिकिक्तिर॥ ॥ पेलसीयागदनादगाक्किगस्तथनल्वे॥ दाणः॥ ग्लानः॥ म्लानः॥ ॥ गा
 न्माद्याः॥ नूदविदादगाद्याङीनिर्वस्थावा॥ नातः॥ गुणः॥ घ्राणः॥ कीतः॥ कीलः॥ नूरुः॥ नूनः॥ विदवि
 यात्रा॥ ॥ विलुः॥ विन्नः॥ ईदीकृदनः॥ उरुः॥ उन्नः॥ ॥ निर्वालम्भप्रनिवन्त्यादोनिर्वतमुगतनिला

दादहि॥ दा०॥ एष्यदत् कितितका ननुपित॥ दल॥ दलवान्॥ ॥ स्वनाकावा॥ उपसर्गस्वनादल
नस्यनावा कितितका ननुपित॥ यल॥ यदल॥ श्रवल॥ श्रवदल॥ ॥ नाम्नापीयसर्गस्य दार्ध
दाद॥ एतका न॥ सूरु॥ नीरु॥ ॥ धा॥ धाहि॥ कितित॥ निहित॥ ॥ ध्या॥ ध्याय॥ मूर्च्छि॥ मदी॥ धान
नर्त्त॥ ध्याग॥ ध्याग॥ यूरु॥ मूरु॥ मरु॥ ॥ यश॥ ०॥ इरु॥ इरु॥ ॥ व्य॥ व्यतीत॥ क॥ क॥ क॥ क॥ उ
दित॥ उक॥ ॥ वसति॥ क॥ निट्॥ क॥ क॥ क॥ व॥ दुर्गा॥ उषित॥ क॥ धित॥ सूफ॥ ॥ क॥ विद॥ क॥
क॥ व॥ न॥ क॥ ॥ व॥ क॥ ॥ न॥ व॥ पूजा॥ यामि॥ ॥ अ॥ चित॥ समक॥ जात॥ ॥ प॥ वाव॥ क॥ क॥ व॥ त्वाः
रुस्य॥ प॥ क॥ प॥ क॥ वान्॥ ॥ क॥ याम॥ क॥ म॥ क॥ म॥ वान्॥ ॥ पु॥ स्य॥ स॥ पु॥ सान॥ कितितगतस्य

[illegible]

वृक्षमथादिदृक्त्वम् ॥ १ ॥ जीर्यतमरुजवनं जनेतो ॥ कसूका लोचनवत ॥ धामानतातनुनोरुव
तम् ॥ तोचयथाक्रमं चतवत ॥ द्विर्लवकवानचकुष ॥ चकवशां चकोल ॥ वरुक्षानजजागृ
वान् ॥ ॥ द्विस्वसयकस्रवादादताद्यसम्भवसात्रिटनान्यस्मान् ॥ गमरुनविदविशदम्भितो ॥ वरुः
वान् ॥ ॥ नूवाचूक् ॥ वरुवृष ॥ आदिवान् श्रितिवान् ददिवान् ददत्रिदिवान् ॥ ॥ वस्थास्व
उरुव ॥ आदृष ॥ अदिवान् ॥ अग्निवान् जगन्वान् जयन्वान् जयूष ॥ विविदिवान् विविः
दाने विविदृष ॥ विविशिवान् विविश्वान् ददशिवान् ददश्वान् ददशुष ॥ ॥ यिवान् ॥ ॥ य
ष ॥ सैदिवान् दुषिवान् दुषूष ॥ शुषूष ॥ ॥ गुरुभनोति केवक्रियायो ॥ क्रियायोगमा

१३०

मानायां धामा ॥ गुरुभनोति केवक्रियायो ॥ क्रियायोगमा ॥ ॥
मृगमन ॥ ॥ पचमान ॥ ॥ प ० ति ॥ मन्वान ॥ कूर्वो ॥ ॥ पीयमान ॥ सोमरुवगो दीयमाना ॥ ॥
आसत्रान ॥ ॥ आस ॥ पनस्थानस्था ॥ ॥ आसीन ॥ ॥ वादीया ॥ ॥ रुद ॥ रुदगी ॥ रुदगी
कूलस्त्रीवा ॥ ॥ अयथात्रात्रिणी ॥ रुवत रुवगी दीव्यत दीव्यगी ददत दधत ॥ ॥ विदवर्वावसु ॥ वरु
॥ पनस्थ ॥ रुवत सुनाद ॥ ॥ विद्वान् विद्वन् ॥ ॥ माद्यो ॥ ॥ माजीवन् ॥ ॥ लक्ष्मी ॥ रुत्वा ॥ क्रियाया
॥ ॥ गयाना ॥ रुजत पवना ॥ अर्जन्वसति ॥ ॥ रुविष्यति सप ॥ गुरुभनपन ॥ कविष्यन् कविष्यमा ॥
॥ ॥ ताक्षीत्यवयावचन ॥ किञ्चानम् ॥ ॥ रुगं रुजान ॥ कवेर्व विजाल ॥ ॥ नूनिद्वान ॥ ॥ ॥

यनिस्तुलिकर्तृनिर्गल ॥ अधीयनधामयन ॥ ॥ द्विषः ॥ गो ॥ द्विषन् ॥ ॥ अर्हः पूजायां ॥ अर्ह
न ॥ ॥ गीलएन ॥ कट्कल हलनिगा ॥ ॥ ॐ प्रसूत्र ॥ गील अर्लकनिप्रू निनाक निप्रू यजनिप्रू
शो ॥ जिउवानेदगु (मोसो) ॥ जिप्रू ॥ २ प्रू ॥ र्मास्त्र ॥ जेस्त्र ॥ गृध्र ॥ धृष्ट ॥ द्विप्रू ॥ ॥ भाकाकलभा गीला (थ
भाकउडकलयुत्यय ॥ जलयाक ॥ हिक्काका ॥ ॥ कूट ॥ द ॥ कूट ॥ क ॥ ॥ लूट ॥ वो (थ ॥ लूटाक ॥ वनाक ॥
॥ ॥ हिक्कायाकुयां ॥ हिक्का ॥ शर्मस ॥ विकीर्ष ॥ लाष्क ॥ पाडुक ॥ पादुक ॥ स्काय्क ॥ लाय्क ॥ वष्षसव
न ॥ वष्षक ॥ साडुक ॥ गममक ॥ गमनक ॥ ॥ लूर्ध्वघातान् ॥ मनाय् ॥ ल्वदान् ॥ ॥ स्पृष्टिगृहियतिदधि
निडार्गिडा न्द ॥ गीदत्य शालू ॥ स्पृष्ट्याल ॥ गृह्याल ॥ पतयाल ॥ दयाल ॥ निडाल ॥ ॥ तदानान्तर्त्वा ॥

[illegible]

जलासमिदाघ्नः। लंगुनः। रासूनः। मदनः॥ ॥ विदितिदिच्छिदः। कूनः। विदूनः। लिदूनः। छिदूनः॥ ॥
 ॐ लूनः। जिसर्हि। एरूनः। टय॥ ॐ ल्वनी। नन्धनः। जितनः। सृत्तनः॥ ॥ गमन्नापय॥ गत्तनः॥ ॥
 जागर्त्तनूकः॥ जागर्त्तनूकः॥ ॥ यदुडुकः॥ यजजयदमवदयो। यदकल्यडुकः॥ ॥ ल॥ लूक॥ ड
 कसतियडालूक॥ योयडूकः॥ जैजयूकः॥ ददमूकः॥ वावदूकः॥ ॥ रियः॥ कूक॥ कलूकाः॥ रीनू
 ॥ रीनूकः॥ ॥ नमादनः॥ नमुः॥ कम्पुः॥ स्मनः॥ ॥ नः॥ अपूर्वजिसिः॥ क्रियासागत्य॥ अजमुकः
 मुः॥ हिमः॥ दीपुः॥ ॥ विदूः॥ कुन्तो। नियासो॥ वलितकलाविदूः॥ ॐ कुतीकूः॥ ॥ स्वपितृविधु
 धनजिहः॥ स्वप्रक। एरूक॥ धूक॥ ॥ ह्यादर्वनः॥ ह्यावनः॥ ॐ ग्वनः॥ राग्वनः॥ यव्वनः॥ कस्तनः
 विने। नूनतो॥

१३२

॥ ॥ आदतः। किर्दिग्वरून॥ आदताददताऊ। निगमिनमिसासहिवावहिवावलियतित्यः। किः। पुर
 यागूनः। लक्षणाग्वदित्वी॥ किलिङ्गवायः॥ नामः। समीपचिर्यरूददिगर्ग्वकिन्डून॥ याजकानः
 वविनाऊकिः। पोपुनीकमहादिजान्॥ १ ॥ जहिः। नमिः। जग्मिः। सासहिः॥ ॥ कादनू॥ कानू॥ वागी
 तिवायू॥ पायू॥ जायू॥ मिनातिमायू॥ स्वादू॥ साधू॥ आगुः। दीर्यत॥ तिदानू॥ सानू॥ ॥ जर्नजि
 वा॥ जानूवाग्वानू॥ किं॥ मतीतिकिं॥ मरून॥ जजामनिजनाम्॥ ॥ जानस्थलः॥ तर्नयननवकुं
 तिगालू॥ ॥ ककववः। कव॥ ककनगलनवकीतिककवाकू॥ प्रादनू॥ मिर्यगस्मिन्मनू॥ ॥ ययूत
 नू॥ यनू॥ लूनू॥ तनू॥ धनू॥ मयू॥ अलू॥ केदू॥ वेदू॥ ॥ गृत्ततिगनू॥ स्तनू॥ गुपू॥ अलू॥ रुनू॥ वधू॥ म
 वाटगती॥

नृ० विन्दु० ॥ स्य० द० संप्रसा नर्ध० ॥ सिंधू० ॥ उ० द० त्रि० द० ॥ उ० न० कि० ॥ नृ० ॥ स्क० द० स० ला
 प० ॥ क० नृ० ॥ सु० ज० न० सु० म० स० ला० य० ॥ न० ॥ रु० ल० गु० क० ॥ रु० ल० ॥ पा० ट० प० टि० ॥
 पा० ट० य० ती० ति० प० ॥ म० न० ध० ॥ म० धू० ॥ ज० न० स० ॥ जा० य० न० ज० ॥ व० ल० गु० क० ॥ व० ल० ॥ न० म०
 न० कि० ॥ न० म० न० त० न० ना० क० ॥ ग० य० न० क० ॥ स० व० ॥ नि० शु० ॥ या० ॥ धि० ॥ य० प० ॥ व० नृ० ॥ य० ध० ॥
 ॥ वि० धू० ॥ क० ॥ न० ॥ क० नृ० ॥ गु० नृ० ॥ न० य० न० स० य० ॥ अ० नि० र्ध० न० य० ती० ति० प० ॥ अ० र्जि० द० नि० क०
 म० य० ति० वा० ध० म० र्जि० य० ति० क० धू० क० दी० र्ध० क० ना० ॥ अ० र्जि० य० ति० गु० न० नृ० ॥ स० र्वा० नि० वि० ॥ य० ल०
 प० य० ती० ति० प० ॥ क० ॥ ॥ अ० म० ना० ॥ अ० धू० ॥ य० ॥ वा० ॥ ॥ प० यि० म० दि० उ० स० संप्रसा नर्ध० स
 ॥ य० ति० ग० ति० म० स० न० य० ॥

१४०

ला० य० ॥ पृ० थू० मृ० दू० न० क० द० क० ॥ न० क० ॥ क० ति० त० प० स० र्ध० गु० ॥ ल० चि० र्ध० न० ला० य० ॥ ल० धू० ॥
 ॥ वा० ल० मू० ल० र्ध० गु० ली० ना० वा० ल० स० य० न० ॥ न० धू० ॥ व० दू० ॥ ॥ उ० ॥ म० ति० न० ला० य० ॥ उ० नृ० ॥ म० रु० नि० द० स० ग०
 उ० न० म० रु० ॥ ॥ अ० य० न० य० ॥ र० व० नि० र्ध० ॥ अ० र० व० न० ती० र० व० ॥ य० न० ॥ ॥ दा० ॥ न० त० ध० ॥ व० ति० न० त० दू० ॥
 म० र्ग० घा० द० या० नि० या० ॥ म० र्ग० या० ती० ति० म० र्ग० य० ॥ क० ॥ नी० ल० गु० ॥ म० र्ग० द० न० ॥ मा० द० न० म० धू० ना० व० न०
 अ० क० न० ॥ म० डु० ना० द० या० नि० या० ॥ मा० द० य० ती० ति० म० डु० न० क० व० न० व० धू० न० क० क० न० क० व० न० अ० स० व० न०
 स० न० ॥ ॥ व० ॥ ना० फ० ॥ ॥ ति० अ० र्ध० ॥ न० ॥ अ० वि० म० का० वि० ष० ॥ अ० वि० ष० म० हि० ष० ॥ अ० म० दी० र्ध०
 ॥ अ० मि० र्ध० ॥ ॥ र० र्ध० ॥ नो० हि० ष० ॥ ॥ क० ल० व० क० ॥ क० लि० ष० ॥ ॥ म० र्ग० द० ॥ कि० न० ॥ म० दि० ना० म० दि० न०
 म० स० स० य० ति० स० ग० ॥

नकिर्गका०

मथा० त० ति० ता० य० न० य० ॥

क० क० व० क० अ० द० न० ॥

[illegible]

ननंदत्यक॥दिव॥दवा॥दवत्रो॥॥नयतर्गित॥नाननो॥॥अरुद्वननि॥अनूति॥सत्रलि॥धनलि॥
॥धमनि॥अरुनि॥अवनि॥तत्रलि॥त्रजनि॥॥अर्वादित्रि॥अर्चि॥अवि॥रुवि॥त्राचि॥सर्चि॥॥
यूगमादर्ज॥अनि॥॥जनादयस्त्रजन्॥अनू॥पन॥वनू॥वपू॥वपू॥वपू॥॥अनर्लि॥अनू॥॥धीव
नादय॥अन॥अन॥॥धीवन॥अन॥निषद्वन॥पीवन॥॥अन॥दन्त्रक॥अन॥जिन॥दीन॥
रुद्र॥॥तृ॥धर्वधवू॥धोव॥वुध॥॥अन॥दन्त्र॥अना॥॥य॥य॥वस्त्र॥अन॥॥लक्षः
नस्या॥द्वो॥लक्ष॥लक्ष॥॥नास्त्रादय॥नास्त्रा॥सास्त्रा॥सूत्रा॥वी॥॥कृमी॥कृत्स्वी॥॥नि
ज॥मी॥॥अनि॥अनि॥॥मनादय॥॥मनू॥दस्य॥अन॥॥मृदुमुक्॥मृत्॥॥स

रुनखयू॥सनयू॥सनयू॥ ॥वाध॥प॥वाय॥ ॥न्याद॥किन् ॥नीप॥सूप॥कूप॥ ॥शिल्या
 दय॥नील॥निल्वै॥गस॥गस्य॥ ॥वाध॥वाय॥ ॥नू॥नूय॥ ॥नू॥नूय॥ ॥सुनाद॥गुता
 दित्॥सुनयित्॥दयित्॥ ॥कारा॥खान्॥दान्॥ ॥खान्॥ ॥धट्॥धन्॥ ॥सूव॥कि
 त्॥सूनु॥ ॥सुनी॥यो॥ल॥सुनी॥न॥ल॥ ॥विष॥किन् ॥विष्णु॥ ॥काद॥क॥कर्क॥नाका॥ १४५
 के॥क॥क॥ ॥स्त्रु॥न॥क॥म॥क॥का॥क॥पा॥क॥ ॥हा॥क॥नि॥हा॥का॥ ॥नी॥स॥द॥उ॥नि॥ ॥नि॥सू॥ ॥
 क॥उ॥न॥उ॥त॥उ॥नि॥उ॥नि॥य॥य॥ ॥हा॥क॥न॥ ॥हा॥क॥न॥ ॥हा॥क॥न॥ ॥हा॥क॥न॥ ॥
 (गत॥ ॥वृ॥न॥स्य॥वा॥ ॥ना॥हि॥त॥ ॥ना॥हि॥त॥ ॥गु॥द॥ना॥य॥ ॥गु॥वा॥य॥ ॥स्य॥रु॥या॥य॥ ॥वृ॥न॥

त्या॥व॥न॥य॥ ॥अ॥रु॥न॥य॥ ॥अ॥न॥य॥ ॥ ॥यु॥व॥स॥य॥ ॥व॥स्य॥ज॥ ॥प॥र्ज॥न्य॥ ॥व॥द॥ना॥न्य॥ ॥व॥दा
 न्य॥ ॥अ॥मा॥द॥न॥ग॥ ॥अ॥म॥ग॥ ॥न॥क॥ग॥ ॥प॥त॥ग॥ ॥क॥ल॥ग॥ ॥व॥न॥ग॥ ॥ ॥गु॥द॥न॥ग॥ ॥रु॥न॥ग॥ ॥प॥र्ज॥न्य॥ ॥
 वि॥न॥जि॥या॥कि॥न् ॥यु॥व॥त॥ ॥न॥ज॥त॥ ॥गु॥या॥द॥न॥थ॥ ॥गु॥प॥थ॥ ॥गु॥म॥थ॥ ॥द॥म॥थ॥ ॥अ॥व॥स॥थ॥ ॥सु॥व॥स॥थ॥
 ॥ ॥न॥मा॥द॥न॥स॥ ॥न॥रु॥स॥ ॥ ॥व॥ज॥ ॥अ॥त्वा॥रा॥व॥पु॥ट॥व॥ ॥व॥त॥स॥ ॥ ॥दि॥व॥कि॥न् ॥दि॥व॥स॥ ॥
 का॥द॥न॥र॥ ॥हु॥ ॥क॥न॥ग॥ ॥गु॥ ॥गु॥न॥रु॥ ॥गु॥त॥रु॥ ॥क॥ल॥रु॥ ॥गु॥द॥रु॥ ॥ ॥म॥वि॥वृ॥मि॥या॥कि॥न् ॥म॥व॥रु॥वृ॥
 व॥रु॥ना॥स॥रु॥व॥ल्ल॥रु॥ ॥वि॥द॥न॥त॥ ॥व॥ज॥न॥ ॥व॥स॥न॥ ॥ज॥य॥न॥ ॥ ॥रु॥त॥हि॥मू॥ट॥व॥ ॥रु॥म॥न॥ ॥ ॥अ॥
 र्हा॥दि॥न॥न॥ ॥अ॥न॥न॥ ॥म॥न॥ ॥व॥म॥न॥ ॥द॥व॥न॥ ॥वा॥स॥न॥ ॥ ॥कू॥व॥कि॥न् ॥कू॥व॥न॥ ॥ ॥अ॥गु॥या॥द॥ना॥न॥

वलवन्तस्यवनलर

वासुगदा

कलसीयाप३गर्दनर्दगद३

[illegible]

यश॥म॥न॥ति॥ध॥श्र॥श्र॥ज॥लि॥श॥ ॥म॥दी॥म॥त्स॥प्र॥श॥ ॥श्र॥ग॥श्र॥ति॥धि॥श॥ ॥श्र॥गि॥श्र॥यु॥लि॥श॥ ॥को
ग॥क॥व॥र्य॥ ॥यू॥य॥वा॥स॥श॥ ॥कृ॥श॥कृ॥श॥नू॥श॥ ॥श्र॥क॥न॥श॥ग॥र्क॥वा॥ ॥यू॥ष॥कि॥त्॥यू॥ष॥क॥ने॥ ॥गि॥म
नि॥नि॥श॥ग॥मि॥थ्य॥ति॥ग॥मी॥ ॥य॥न॥म॥सु॥श॥कि॥त्॥य॥न॥म॥श्री॥ ॥म॥थ॥न॥न॥श॥कि॥त्॥म॥थ॥न॥म॥थ॥नो॥ ॥
य॥न॥सु॥व॥ ॥य॥थ॥न॥य॥थ॥नो॥ ॥व॥ला॥का॥द॥य॥श॥ ॥व॥ला॥का॥प॥ता॥का॥ख॥जा॥का॥य॥न्॥पि॥न॥क॥श॥ ॥त॥उ॥श्र
द्या॥त॥ ॥त॥उ॥क॥श॥ ॥दू॥ष॥नी॥क॥श॥दू॥षा॥का॥ ॥श्र॥नि॥ह॥वि॥त्यो॥कि॥त्॥श्र॥नी॥क॥दू॥षी॥क॥ ॥श्र॥ली॥का॥द॥य॥श॥
श्र॥ल॥श्र॥ष॥न॥दो॥श्र॥ली॥क॥व॥ली॥क॥ ॥यू॥लुं॥ ॥यू॥उ॥नी॥क॥दू॥षी॥को॥ ॥क॥दा॥नी॥ष॥क॥नी॥ष॥ ॥हू॥त
नी॥ष॥ ॥श्र॥म॥द॥क॥ी॥ष॥नि॥नी॥ष॥ ॥यू॥ ॥यू॥नी॥ष॥ ॥श्र॥जुं॥म॥ज॥श॥म॥जी॥ष॥ ॥श्र॥ति॥न॥द॥श्र॥म॥नी॥ष॥

[illegible][illegible]

नितनां सजनिवाचः ॥ ब्रह्मिन् ३

य॥उत्त॥ ॥ शुच॥र॥क॥ ॥ शुल्ब॥ ॥ स्त॥ ॥ रू॥व॥रू॥व॥क॥ ॥ ॥ भ॥ग॥यि॥र॥दि॥ ॥ भ॥द॥ ॥ भ॥द॥ ॥ ॥ अ॥
 दा॥द॥य॥ ॥ अ॥व॥ती॥य॥द॥ ॥ क॥द॥ ॥ ॥ व॥लि॥म॥लि॥त॥नि॥र॥य॥क॥य॥ ॥ व॥ल॥य॥ ॥ म॥ल॥य॥ ॥ त॥न॥य॥ ॥ ॥ द॥ ॥ अ॥द॥क॥
 ॥ द॥द॥य॥ ॥ ॥ मि॥नो॥त॥न॥ ॥ भ॥न॥ ॥ ॥ अ॥द॥य॥ ॥ अ॥न॥ ॥ अ॥नु॥ ॥ न॥न॥ ॥ ॥ भ॥त॥य॥ती॥ति॥ ॥ भ॥न॥ ॥ ॥ क॥से॥
 न॥ ॥ भ॥द॥ता॥ ॥ ॥ क॥से॥ ॥ क॥स॥म॥क॥सी॥द॥ ॥ क॥सि॥त॥ ॥ ॥ त॥पु॥ला॥द॥य॥ ॥ ग॥उ॥आ॥घा॥त॥ ॥ त॥पु॥ला॥ ॥ ॥ अ॥कि॥ ॥ १४८
 ल॥क॥ल॥ ॥ अ॥क॥ ॥ ॥ च॥षा॥ ॥ च॥षा॥ल॥ ॥ प॥ल॥ल॥ ॥ ॥ अ॥ध॥मा॥ ॥ धि॥श्री॥ ॥ ॥ ल॥स॥य॥ ॥ ल॥य॥ ॥ ॥ मू॥
 ॥ क॥म॥यि॥र॥य॥क॥ ॥ मू॥ल॥ ॥ ॥ क॥ ॥ अ॥मू॥ ॥ ॥ अ॥वि॥ग॥नो॥ ॥ अ॥नु॥ ॥ ॥ मा॥द॥य॥ ॥ मा॥या॥ ॥ क॥या॥ स॥स्य॥
 ॥ पू॥ ॥ स॥य॥ ॥ ॥ अ॥न॥य॥ ॥ अ॥नो॥जा॥या॥ ॥ ॥ अ॥घा॥द॥य॥ ॥ ह॥न् ॥ ॥ अ॥घा॥ ॥ ॥ क॥नी॥दी॥को॥ ॥ क॥न्या॥व॥धा॥

॥ ॥ अ॥र॥या॥दि॥व॥न् ॥ अ॥र्चा॥ ॥ प॥ ॥ प॥र्वा॥ ॥ ॥ ध्या॥या॥सी॥पु॥सा॥ग॥ ॥ धी॥वा॥यी॥वा॥ ॥ ॥ अ॥द॥र्घ॥ ॥ अ॥ध॥ ॥ ॥
 धा॥ता॥नि॥ ॥ य॥जि॥ ॥ व॥दि॥ ॥ अ॥नि॥ ॥ वा॥धि॥ ॥ रु॥त्रि॥ ॥ व॥रु॥ ॥ ॥ ना॥म्प॥य॥धा॥कि॥ ॥ क॥षि॥ ॥ म॥षि॥ ॥ शु॥चि॥र॥लि॥
 पि॥ ॥ ॥ गू॥ल॥नि॥क॥र्ध॥ ॥ गू॥लि॥ ॥ ॥ क॥मि॥त॥मि॥ति॥रू॥म॥न॥ ॥ ॥ कि॥मि॥ ॥ मि॥मि॥ ॥ मि॥मि॥ ॥ कि॥मि॥ ॥ ॥
 म॥न॥न॥त॥ड॥ ॥ म॥नि॥ ॥ ॥ व॥र्तु॥व॥लि॥ ॥ व॥र्तु॥ ॥ सो॥ग॥ ॥ व॥लि॥ ॥ ॥ व॥पा॥द॥नि॥ ॥ वा॥पि॥ ॥ ना॥जि॥ ॥ वा॥नि॥
 ॥ ॥ न॥ह॥र॥ ॥ ना॥हि॥ ॥ जा॥नि॥ ॥ अ॥जि॥ ॥ अ॥ति॥ ॥ ॥ अ॥न॥ ॥ ना॥हि॥ ॥ ॥ वा॥न॥र्ति॥ ॥ वि॥ ॥ ॥ नी॥धा॥
 द॥य॥ ॥ नि॥पू॥र्वा॥य॥ ॥ नी॥वि॥ ॥ क॥पु॥दि॥ ॥ ॥ स॥मा॥न॥खा॥य॥ ॥ अ॥न॥नि॥स॥खा॥ ॥ ॥ अ॥दू॥पू॥र्वा॥ ॥ नि॥
 ॥ ॥ अ॥हि॥ ॥ अ॥हि॥ ॥ ॥ का॥द॥ ॥ कि॥ ॥ क॥कि॥नि॥ ॥ ॥ गू॥ ॥ मि॥नि॥ ॥ ॥ य॥ ॥ प॥नि॥ ॥ ॥ म॥न॥धा॥ता॥ ॥ क॥म॥य॥म॥

[illegible][illegible]

॥

[illegible]

घृ॥ गमघृ॥ मृ॥ घृ॥ ॥ स्वनाद॥ रावादो॥ घा॥ अयवाद॥ वय॥ नय॥ ॥ वि॥ अवि॥
 य॥ सुव॥ लव॥ क॥ क॥ ग॥ ग॥ ॥ पा॥ य॥ प॥ स॥ र्ग॥ न॥ स॥ य॥ क॥ द॥ क॥ स॥ अ॥ प्र॥ य॥ य॥ प॥ क॥ य॥
 त॥ न॥ न॥ ति॥ पु॥ द॥ ॥ पा॥ दि॥ ति॥ कि॥ ॥ अ॥ नृ॥ पु॥ क॥ द॥ ॥ स॥ म॥ व॥ प॥ नि॥ क॥ द॥ ॥ ॥ म॥ दा॥ म॥ ॥ म॥ दा॥ दी॥ ना॥ म॥
 पु॥ य॥ या॥ रा॥ वा॥ दा॥ ॥ म॥ द॥ प॥ न॥ ॥ पु॥ म॥ द॥ ॥ स॥ म॥ द॥ ॥ म॥ म॥ ॥ म॥ ॥ ॥ म॥ लो॥ ध॥ न॥ ॥ का॥ ॥ ॥ अ॥ प॥ नि॥
 क॥ द॥ य॥ रु॥ क॥ न॥ पु॥ य॥ या॥ घ॥ ना॥ द॥ ॥ ॥ द॥ धि॥ घ॥ न॥ ॥ से॥ ध॥ व॥ घ॥ न॥ ॥ ॥ रु॥ ना॥ ॥ धा॥ ॥ प्र॥ य॥ य॥ ॥ व॥
 ध॥ ॥ ॥ द्वि॥ ता॥ ॥ थू॥ ॥ द्वि॥ ता॥ ॥ धा॥ ता॥ न॥ थू॥ रा॥ वा॥ दा॥ ॥ दू॥ व॥ प॥ क॥ म॥ ना॥ ॥ व॥ प॥ थू॥ ॥ न॥ न॥ द॥ थू॥ ॥ व॥ य॥ थू॥ ॥ क॥
 व॥ थू॥ ॥ ॥ द्वि॥ ता॥ ॥ मि॥ म॥ क॥ त॥ क॥ ता॥ ॥ द्वि॥ ता॥ ॥ धा॥ ता॥ मि॥ म॥ क॥ धा॥ त्वा॥ र्थ॥ न॥ क॥ ता॥ ॥ र्थ॥ क॥ न॥ ॥ ल॥ न॥ नि॥ र्थ॥ क॥

१५२

क॥ हि॥ म॥ प॥ कि॥ म॥ ॥ ॥ नी॥ की॥ ॥ धा॥ ता॥ न॥ द॥ कि॥ न॥ गो॥ लो॥ रा॥ वा॥ दा॥ ॥ य॥ रु॥ ॥ या॥ कु॥ य॥ त्ना॥ ॥ ॥ य॥ रु॥ वि॥ क॥ ॥ ॥
 न॥ ॥ पु॥ न॥ ॥ वि॥ न॥ ॥ न॥ दू॥ ॥ स॥ न॥ ॥ ॥ अ॥ न॥ र्थ॥ ॥ आ॥ दि॥ ॥ प्र॥ धि॥ ॥ या॥ ॥ र्थ॥ धि॥ ॥ वा॥ नि॥ धि॥ ॥ ॥ म॥ र्द॥ ॥ रा॥ व॥ ॥
 रु॥ न॥ क॥ न॥ ॥ ॥ सा॥ ध॥ ना॥ धा॥ न॥ या॥ र्थ॥ ॥ य॥ च॥ न॥ न॥ न॥ प॥ च॥ ना॥ नि॥ ॥ य॥ च॥ न॥ ॥ स्या॥ प॥ च॥ नी॥ स्का॥ ली॥ ॥
 ॥ ॥ व॥ दू॥ ॥ स॥ व॥ ल॥ ॥ ॥ व॥ दा॥ दि॥ व॥ पु॥ य॥ य॥ मा॥ न॥ व॥ ल॥ ॥ ॥ ति॥ सो॥ रा॥ वा॥ दा॥ ॥ ॥ व॥ दू॥ ॥ दू॥ र्थ॥ व॥
 ॥ सु॥ क॥ न॥ ॥ दू॥ र्थ॥ धि॥ न॥ ॥ दू॥ र्थ॥ न॥ नि॥ य॥ न॥ ॥ दू॥ र्थ॥ स॥ न॥ ॥ ॥ क॥ र्थ॥ क॥ र्थ॥ ॥ ॥ अ॥ र्थ॥ या॥ नी॥ व॥ दा॥ दि॥ व॥ या॥ प॥
 द॥ व॥ न॥ ॥ ॥ व॥ ल॥ ॥ अ॥ दू॥ ना॥ दू॥ ना॥ दू॥ ना॥ दू॥ ना॥ ॥ दू॥ ना॥ दू॥ ना॥ ॥ अ॥ दू॥ ना॥ दू॥ ना॥ ॥ ॥ न॥ दू॥
 नी॥ या॥ ॥ रा॥ व॥ का॥ र्थ॥ या॥ ॥ ॥ ध॥ नी॥ य॥ ॥ अ॥ सि॥ त॥ वी॥ ॥ ॥ व॥ स॥ क॥ य॥ ॥ क॥ र्थ॥ नि॥ लि॥ ॥ व॥ स॥ ती॥ ति॥ वा॥ स॥ य॥ ॥ ॥ क॥ लि॥

[illegible]

153

[illegible]

॥ स्वयं ॥ ॥ रिधाध्वोनद ॥ रिनहि कूलमिति रिग्रहऽङ्गनिजलमित्युच्यते ॥ ॥ कृत्वा वाक्य
य ॥ कर्त्यं कार्यं दृष्टं वक्ष्यं ॥ ॥ पृथगिति ध्वोनकृतं ॥ पृथुनिकायां स्थितिं नृप्यते ॥ ॥ नाजसूया
दयसा नाजसूयऽसूयऽः ॥ ॥ तद्यादयाह (र्थविषयो मन्त्रो ववाद्या ॥ दमनार्हो दुष्टव्य ॥ दमनीय
ऽदुष्टव्य ॥ ॥ स्वाध्यायाऽध्यातव्यऽः ॥ अध्यायनीयऽः ॥ अध्यायऽः ॥ अध्यातव्यऽः ॥ मन्त्रव्यऽः ॥ निदिध्यासितव्य
ऽः ॥ रात्रौ वाटव्यऽः बहूनीयऽः ॥ ॥ तद्यादीनां कृत्यसङ्गः ॥ क्रियायां यजोरात्रौ ॥ यजादधर्माऽः क्रियाऽः
रात्रौ वक्ष्यं ॥ ॥ ॐ आ तु आ सम आ निषथाऽः निषथा मन्त्रा सूखाऽः मन्त्रा रुखाऽः कृताऽः ॥ ॥ कृत्वा य
कृताऽः ॥ श्रूय कि क्रिया ॥ ॥ ॐ ध्वनिऽः निषयातऽः ॥ ॥ सत्सुल ॥ ॥ यनिसया श्रुताया श्रुत्या ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

1715

तीययुञ्जमानं ॥ संहृत्य कनाति । पुनस्त्यगच्छति ॥ ॥ अत्र पूर्वार्थक ॥ अकृत्वा ॥ ॥ अ
 यिलचयुर्वर्तयन्त्यस्य ॥ अत्र ॥ यत्रिसममयमिगलम्य ॥ ॥ अत्र च पूर्वस्य ॥ संप्रक्षम्य ॥ ॥ अ
 प्रातव ॥ प्रायेम्यप्राय ॥ ॥ कपीन्नावावः ॥ पुदायपुष्कामपुसायविधाय ॥ ॥ तत्कालं चिह्नित
 त् ॥ ननु सीमीत्यहमिति मूर्खेवादायस्त्विति ॥ योनः पुन्यलमपदं द्विष्ट ॥ समानकर्तृबुध
 उष्यपूर्वकालं कालार्जुमलमनस्यपदस्यद्विर्वचनं ॥ पापं पापं गच्छति ॥ हा हा हा हा स्मानी
 गममं गमं गमं गमं लं लं लं लं लं लं ॥ ॥ कथमादिबुद्धार्थक ॥ अलमं ॥ कथं कानं अ
 न्यथा कानं अर्वा कानं ॥ अर्वा कानं पठति ॥ अर्वा पठति ॥ अर्वा पठति ॥ ॥ अर्वा पुन्यपूर्वव्यवदं

कालमोवा॥ अथ राजं व्रजति अथ शुक्लं प्रथमं राजं पूर्वराजं पूर्वशुक्लं॥ यद्वा॥ अथ शुक्लं
कृतं तदा व्रजति॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः॥ अथ राजं व्रजति॥ ॥ कर्मलयाका॥ गच्छ
उत्तरवर्गम्॥ अथ नैकावमा कोशति वा नष्टमन्त्रार्थस्यार्थः॥ ॥ स्वादर्थेषूक्तं अथ स स्वादर्थक
न कक्रियमाश्रय कथा पूर्वकालं पूर्वपदस्य मानकत्वे निपात्यते॥ अस्वाद्यो स्वाद्यो कृत्वा शुक्लं
स्वाद्यो कार्यं शुक्लं यथा गौं सीपन्नं कार्यं लवणं कार्यं सीपन्नं लवणं अथो स्वाद्यो यमार्थो॥ कृत्वा
॥ स्वाद्यो कृत्वा शुक्लं॥ ॥ यथा तथा यथा न स्यात्पुति वचनं कश्चिदसिद्धाश्च यथा गलम्॥ यथा कान
महं राशुं तथा कार्यं राशुं॥ किं तवानन॥ ॥ कर्मलिङ्गविदाः साकल्यं॥ केन्यादः विन

यति सर्वशक्त्या ॥ अर्थः ॥ ॥ वाक्पुत्रवद्विजयति यं यं वाक्पुत्रो जानाति लहन् विद्यामयति
वागै सर्वशक्त्या जयति ॥ अर्थः ॥ ॥ यावति विदजा वा ॥ यावद्वदुक्तं यावन्नरुतता तदित्यर्थः ॥ ३
यावद्विजयमधीत ॥ ॥ कर्म ॥ अथ कर्मदिनया ॥ यून ॥ चर्मयूनं कृत्वा ॥ उदययूनं कृत्वा ॥ ॥ कर्म
यूपयदयूनं कृत्वा ॥ वर्षयमा ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ मुखिका
विलयं मुखिका विलययूनं वा ॥ ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥
दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥
अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥ अथ दयूपयदयूनं ॥

॥ कर्मसंविषयः ॥ शुक्लपर्वपिनष्टिः । शुक्लपिनष्टीत्यर्थः ॥ चतुर्थपर्वपिनष्टिः ॥ समूलाकृतजी-
 वकर्मसुहृन्नुग्रहोत्पत्तिः ॥ समूलघातहन्ति ॥ समूलहन्तीत्यर्थः ॥ अकृतकारकमातिजीवग्रहं
 गृह्णाति ॥ जीवतीगृह्णातीत्यर्थः ॥ ॥ कनकाहृन्नुग्रहः ॥ पादघातहन्ति ॥ पादनहन्तीत्यर्थः ॥ ॥ स्नेहपिष-
 ॥ उदघोषपिनष्टिः उदकनपिनष्टीत्यर्थः ॥ ॥ रुक्माथकन (सर्व) ग्रहाः ॥ रुक्मवर्णवर्णयति । कनवर्ण-
 रुक्मनयुलिको कनकात् ॥ रुक्मग्रहं गृह्णाति । कनग्रहं पालिग्रहं ॥ ॥ धनाथकन (सर्व) ॥
 धनप्राप्तिपूजति । स्वप्राप्तिप्राप्ति ॥ ॥ आधनवर्धनः ॥ चक्रवर्धवध्नाति चक्रवध्नातीत्यर्थः ॥ ॥ सी-
 यावध्नाति ॥ कोनवधवध्नाति ॥ मयूत्रिकावधवध्नाति ॥ अहलिकावध ॥ वधवि (सर्व) ॥ ॥

कश्चिज्जीवपूनुषयाः। तन्मिवहृ॥ जीवनाग्निरव्यति॥ जीवानव्यतीत्यर्थः॥ पूनुषवाहवहति
। पूनुषावहतीत्यर्थः॥ ॥ उद्धकर्तृविष्णुचिपूना॥ उद्धृष्टावव्यतिउद्धृष्टाव्यतीत्यर्थः॥ उद्धः
पूनुष्यता॥ उद्धृष्टपूर्यत॥ इत्यर्थः॥ ॥ उपमानकर्मलिकर्तृविष्णु॥ घृतनिधायनिहिती ज्ञानी॥
घृतमिवसूत्रजिह्वामित्यर्थः॥ अजनाग्निरव्य॥ अज० वनव्य० इत्यर्थः॥ ॥ कषादिषुयस्मा
त्समविहितः॥ सन्तवानूययाकथ्यः॥ तथेवादाहर्त॥ उपदं॥ सृणीयायाम्॥ ० न॥ प्रहति
पूर्वकाल० तिसैवधत॥ मूलकापदं० शुक्ल॥ मूलकनापदं० म॥ दध्यमानस्यमूलकस्यइ
जिप्रतिकनलत्वाहृतीया॥ यद्यपिउपदं० गिनासह॥ अद्यसैवध० तथापिभुजिना॥ अस्थिव॥

हिंसा र्थनां वानूपया गमना तु ना समान कर्मका र्था र्हा नी या नु उपपद्यते ॥ दल्लुपय धा र्ता ग ४ ॥
 कालयति दल्लुना य धा र्ता दल्लुना उ ॥ ॥ समान कर्मका र्ता किं स ॥ दल्लुन वा न मा रु ह्य ग ४ का
 लयति ॥ ॥ सक म्मा र्हा नी या या ना पय द उ पयी उ नू ध क र्ष ॥ पा र्क्ष य पी ड पा र्क्ष त्या मू य
 पी ड । वृजा प ना र्ध ग ४ स्था पयति ॥ ॥ वृज न ड प ना र्ध वा ४ पा र्क्ष य क र्ष वा ना ४ सी गृ हा ति । पा र्क्ष वृ य
 क र्ष । पा लि ना य क र्ष ॥ र्हा नी या सक म्मा नू य प द या ४ स न्नि क र्ष वा ना ४ क र्ण ग ४ ह य र्ध र्ता क र्ण
 वृ गृ हा त्वा । रु क्त ग ४ ह रु क्त न गृ हा त्वा ॥ ॥ र्हा नी या सक म्मा ४ पु मा ल ग म्भ वा ता ४ ॥ द्वां गु लो क्त र्ष र्वा
 डि कां चि न हि । द्वां गु लै न र्थ गु ल वा क र्ष । श्रू पा दा न द्वि ता या या चि त्वा ना यां ग म्मा यां वा ता ४ ॥ ग ४ या

[illegible]

पश्चात्तिलद्वित्वं॥ कालवृद्धितीयाकसूचयदवृत्तियाववधानवर्तमानयावस्यनिरुद्धा॥
 द्वाहास्यासंग॥ यायति॥ ब्रह्मास्यासं॥ ब्रह्मगर्भम्॥ ब्रह्मगर्भम्॥ अथसननतर्षलनच
 गवांयानक्रियाव्यवधीयत॥ अथयाययित्वाद्यहमतिक्रम्यपूनः पापयतात्यर्थं॥ नास्मि
 द्वितीयाकश्रादिनिगृह्य॥ नामादममाचष्ट॥ नामग्रहमाकयति॥ अथयथपथहिप्रः
 तास्यानकृ३३॥ कालमो॥ अथपथिप्रतास्याननामप्रपियस्याञ्च॥ पियस्यानीञ्च॥ कथनं
 ॥ उञ्च॥ कथयउञ्च॥ कथ्या॥ उञ्च॥ कार्त्तवा॥ पियमाचष्ट॥ नीञ्च॥ कथनीवरेकृत्वा॥ नीञ्च॥ कार्त्त
 वापियवृत्त॥ ॥ तिर्यक्यययदसमाकोकृ३३॥ कालमो॥ तिर्यकृत्वागत॥ तिर्यकार्त्तस

१७२

मायगतस्यर्थ॥ समाकोकिम्॥ तिर्यकृत्वाकार्त्तगत॥ ॥ स्त्रीगतस्यययदस्य॥
 मखत॥ कथयगत॥ मखत॥ कथ्या॥ मखत॥ कार्त्त॥ मखता॥ कथयगत॥ मखता॥ कृत्वा॥ मखता॥ लानस
 ॥ नाक्षर्यपुत्रयाकथ्यर्थकृत्वात्कार्त्त॥ अमानानाकृत्वा॥ नानाकृत्वा॥ नानाकृत्वनानाकार्त्त
 विनाकथ्यविनाकृत्वा॥ विनाकार्त्त॥ नाना॥ कथय॥ नाना॥ कृत्वा॥ नाना॥ कार्त्त॥ एकक्षकृत्वा॥ अनेकीदव्य
 मर्ककृत्वा॥ एकक्षकथ्य॥ एकक्षकृत्वा॥ एकक्षकार्त्त॥ एकक्षकथ्य॥ एकक्षकार्त्त॥ पथयग्रहणी
 किं॥ दिनकृत्वा॥ पृथग्रहणी॥ नृषी॥ अथनुव॥ कालमो॥ नृषी॥ कृत्वा॥ नृषी॥ कार्त्त॥ ॥ अन्तः
 कथयनुव॥ कालमो॥ अन्तःकृत्वागत॥ अन्तःकृत्वातिष्ठति॥ पृथग्रहणी॥ कृत्वा॥ ॥ वधुका

न३॥ श्रुका न४ लका न२॥ ॥ नादि हावा ॥ नेरु ॥ नका न४॥ ॥ लाका शुक्ल सिद्धि ॥ यथा मात
 नाद ॥ ॥ श्रवणा धारय ग्रीव ४ कमला कन ० ॥ ग्वन ४॥ सुगा सुवन नाका न मधूपा पीतयत्क
 ज ४॥ ॥ ० ॥ तिग्नी नाम रुद्रा म विन विगा यी सिद्धान्त चन्द्रिका समाका ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ यादृष्ट्यु
 कंद ४॥ तादृष्ट्यु लिखिते मेया यदि सुद्ध म सुद्ध धामि म दोष न दियत ४॥ ॥ लिखिते देव रुद्रा इ
 दव गलति या ॥ सम्वत् २१० ॥ यदृष्ट्यु कद ४॥ मी ॥ आदित्यवान् ५ कृद्रु धून का रुमा ॥ गुरु म पुसा
 विलास वंश ४॥ विलम्ब ४॥ निले प्रपूर्यय पंचम नाग मूर्ति ॥ बुजांग ४॥ नाम पिग्म न सा लिनां जहा
 न मानि सरु नि ४॥ पूना पुव ४॥ ॥ नत ४॥ नव पूज्य प्रसूत ४॥ नव नानि ४॥ निर्विनादा य रुक्म न स्वर्ज राद नानि ४॥